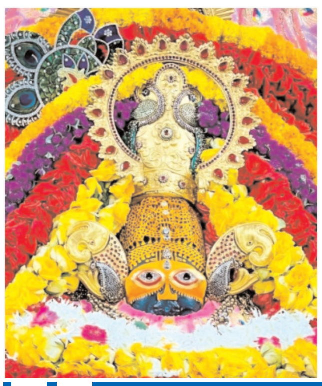

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:300। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 21 जून 2026 (रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

परभणी में हनुमान मंदिर की छत गिरी

7 की मौत, 25 घायल

• शनिवार को प्रसाद लेने के लिए भीड़ जुटी थी

एजेंसी

परभणी। महाराष्ट्र के परभणी जिले में यशवाड़ी देवस्थान में हनुमान मंदिर के हॉल की निर्माणाधीन छत शनिवार दोपहर गिर गई। मलबे में में दबने से 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 लोग घायल हुए, जिन्हें अस्पताल पहुंचा दिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां मंदिर के ठीक सामने सभामंडप बनाने का काम चल रहा था।

दोपहर के समय लोग प्रसाद ले रहे थे। अचानक मंदिर का स्ट्रक्चर और पत्थर भरभराकर गिर पड़े। हादसे का CCTV फुटेज भी सामने आया है। वीडियो के मुताबिक दोपहर 3 बजे कई लोग लाइन में खड़े होकर प्रसाद दर्शन-पूजा कर रहे थे। तभी बांस और लोहे की रॉड से बना सेंट्रिंग स्ट्रक्चर टूट गया। शनिवार होने के

कारण मंदिर में भीड़ ज्यादा थी। हादसे के बाद पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। यशवाड़ी गांव मनवत रोड पर स्थित है, जो छत्रपति संभाजीनगर से लगभग 190 किलोमीटर दूर है। यहां त्रिमूर्ति मंदिर में हनुमान जी की काली प्रतिमा स्थापित

मंडप में मौजूद लोगों ने मलबा हटाया

रिपोर्ट्स के मुताबिक परभणी के हनुमान मंदिर के ठीक सामने सभा मंडप का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी सभा मंडप की छत अचानक ढह गई। जिला कलेक्टर संजय चव्हाण, उपमंडल अधिकारी संगीता चव्हाण और तहसीलदार पांडुरंग माछेवाड़ ने बताया कि 32 लोगों में से 7 की मौत हो गई और 25 गंभीर रूप से घायल हो गए। आपदा प्रबंधन अधिकारी, पथरी अग्निशमन विभाग, मानवत लोक निर्माण विभाग, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, चिकित्सा दल, परभणी नगर निगम और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से बचाव अभियान पूरा किया गया।

पूर्वी भारत अब प्रगति का प्रवेश द्वार

ओडिशा को मिले 20 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव : मोदी

राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' बनाने की घोषणा, 47,600 करोड़ की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

एजेंसी

रायरंगपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस शासन के दौरान पिछड़ेपन का प्रतीक बना पूर्वी भारत अब देश की प्रगति और विकास का प्रवेश द्वार बन रहा है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में भाजपा सरकार राज्य के संसाधनों को संभावनाओं में बदल रही है और 'उत्कर्ष ओडिशा' पहल के तहत राज्य को लगभग 20 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि ओडिशा आने वाले वर्षों में देश की आर्थिक प्रगति और विकसित भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका

निभाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री मोदी ने मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में ओडिशा सरकार के दो वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में 47,600 करोड़ रुपये से अधिक लागत की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। कार्यक्रम में ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरिबाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, उपमुख्यमंत्री केवी सिंहदेव और प्रभाती परिडा, मंत्री गणेशराम सिंहखुंटिया, डॉ. कृष्णचंद्र महापात्र, सांसद नव चरण माझी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन सामल तथा सांसद बैजयंत पांडा सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत राष्ट्रपति मुर्मु को जन्मदिन की शुभकामनाएं देकर की। उन्होंने कहा कि मयूरभंज की बेटी आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद को सुशोभित कर रही हैं, जो पूरे ओडिशा और देश के लिए गौरव का विषय है। मोदी ने बताया कि उन्हें राष्ट्रपति के गांव पहाड़पुर जाकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं देने का अवसर मिला। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा स्थापित विद्यालय का भी दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों ने राष्ट्रपति को अपने लिए 'मां' बताया, जो उनके प्रति लोगों के गहरे स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु के गांव पहाड़पुर को 'सूर्य ग्राम' के रूप में विकसित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के तहत गांव को सौर ऊर्जा आधारित आत्मनिर्भर मॉडल गांव बनाया जाएगा। इससे स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी की पीएम किसान योजना की 23वीं किस्त

9.44 करोड़ किसानों के खातों में भेजे गए 18,880 करोड़ रुपए

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के तारकेश्वर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 23वीं किस्त जारी कर दी है। इस किस्त के तहत देश भर के 9.44 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 18,880 करोड़ रुपए से अधिक की राशि भेजी गई। 23वीं किस्त जारी होने के साथ ही पीएम किसान योजना के तहत किसानों को वितरित की गई कुल राशि 4.28 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। यह योजना दुनिया की

सबसे बड़ी डीबीटी योजनाओं में से एक मानी जाती है, जिसका उद्देश्य किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान कर उनकी आय को मजबूत बनाना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के कल्याण और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए लगातार काम कर रही है तथा तकनीक और आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल दिवस समारोह में शामिल हुए पीएम मोदी, *सीएम शुभेंदु ने सौंपे बंगाल की अस्मिता से जुड़े उपहार*

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को हुगली जिले के तारकेश्वर पहुंचे। तारकेश्वर में आयोजित मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रधानमंत्री का स्वागत डोकरा कला की दुर्गा प्रतिमा, तारकनाथ मंदिर का चित्र, रसगुल्ला और जलभरा संदेश भेंट कर किया। प्रधानमंत्री शनिवार दोपहर दमदम हवाई अड्डे पहुंचे। वहां से वह हेलीकॉप्टर से तारकेश्वर के लिए रवाना हुए और शाम 4 बजे के बाद सभा स्थल पहुंचे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी पहले ही वहां मौजूद थे। इस दौरान राज्यपाल आरएन रवि भी उपस्थित रहे। राज्य में सरकार परिवर्तन के बाद पहली

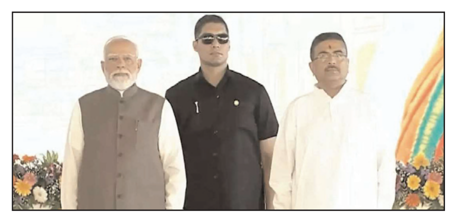

बार 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। इससे पहले ममता बनर्जी की सरकार में पहला बैशाख को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाया जाता था। नई सरकार ने 20 जून को पश्चिम बंगाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के गांव पाहाड़पुर में प्रधानमंत्री मोदी ने की गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना

भुवनेश्वर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने एक दिवसीय मयुरभंज दौरे के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ ओडिशा के पाहाड़पुर गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संथाली व हो जाहिरा गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना करने के साथ साथ वहा चल रहे स्कूल व स्किल सेंटर का भी दौरा किया। सोशल मीडिया के जरिये प्रधानमंत्री ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह यात्रा उनके लिए सौभाग्य और प्रेरणादायक अनुभव रही। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के साथ गोसानी पीठ में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोसानी पीठ का जनजातीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है । प्रधानमंत्री ने कहा कि यह स्थल जनजातीय समाज की आस्था और परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

मनोहर लाल ने उज्जैन में किया सिंहस्थ 2028 के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

मुख्यमंत्री बोले-प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य-दिव्य बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही सरकार

एजेंसी

उज्जैन। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को उज्जैन में सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 778 करोड़ रुपये राशि की लागत से किए जा रहे 29.15 किमी लंबे नवीन घाट निर्माण कार्य का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की गुणवत्ता और समयसीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सिंहस्थ-2028 को भव्य, दिव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही है, ताकि देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का सिंहस्थ अनुभव सनातन संस्कृति के वैभव अनुरूप हो। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश

राजौरा ने नवनिर्मित त्रिवेणी घाट के निरीक्षण के दौरान सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवीन घाट निर्माण कार्य की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 29.15 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य 778 करोड़ रुपये राशि से किया जा रहा है। नवीन घाटों पर श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए 150 से अधिक स्थान चिन्हित किए गए हैं। नवीन घाट निर्माण कार्य अंतर्गत 18.20 किमी लंबी रिटेनिंग वॉल का निर्माण किया जा चुका है, साथ ही 7 किमी नवीन घाट निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 22 किमी में घाट निर्माण कार्य तेजी से प्रगतिरत है।

मप्र के दतिया के पीतांबरा पीठ पहुंचे योगी आदित्यनाथ

मां बगलामुखी के किए दर्शन

एजेंसी

दतिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को अल्प प्रवास पर मध्य प्रदेश के दतिया पहुंचे और विश्व प्रसिद्ध श्री पीतांबरा पीठ में मां बगलामुखी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। उन्होंने देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। इसके बाद वे परिसर में स्थित महाभारतकालीन प्राचीन वनखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधि-विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। मंदिर ट्रस्ट की ओर से उन्हें मां की चुनरी और प्रसाद भेंट किया गया। सुरक्षा व्यवस्था के रहे विशेष इंतजाममुख्यमंत्री आदित्यनाथ के आगमन को लेकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। वीआईपी मूवमेंट के चलते मंदिर परिसर को करीब डेढ़ घंटे तक आम श्रद्धालुओं के लिए पूरी तरह बंद रखा गया।

अमित शाह ने किया, महालक्ष्मी मंदिर की विकास परियोजना का शुभारंभ

इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी पत्नी के साथ श्री अंबाबाई के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की।

एजेंसी

कोल्हापुर। महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित सुप्रसिद्ध श्री महालक्ष्मी मंदिर के पुनरोद्धार की एक परियोजना का आज यहां शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिन्दे की मौजूदगी में 1445.97 करोड़ रुपये की करवीर निवासिनी श्री अंबाबाई मंदिर के संरक्षण, संवर्धन और परिसर विकास परियोजना की शुरुआत की। इससे पहले गृह मंत्री अमित शाह ने अपनी पत्नी के साथ श्री अंबाबाई के दर्शन किए और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद राम मंदिर में उत्सवमूर्ति की पूजा की गई इसके बाद मंदिर परिसर में विभिन्न विकास कार्यों की आधारशिला का अनावरण भी किया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी डॉ.

विजय राठौड़ ने नए परिक्रमा मार्ग सहित मुख्य मंदिर के संरक्षण, संवर्धन और विकास कार्यों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्रिमंडल में कोल्हापुर के पालकमंत्री प्रकाश आबिटकर, मंत्री चंद्रकांत पाटील, हसन मुश्रीफ, एडवोकेट आशीष शेलार, संजय सावकारे, मकरंद पाटील, माधुरी मिसाल सहित कई जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे। ।कोल्हापूर का श्री महालक्ष्मी मंदिर भारत के प्राचीन, जागृत और प्रमुख शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। लगभग एक हजार वर्ष से अधिक इतिहास वाले इस मंदिर का उल्लेख विभिन्न पुराणों और ऐतिहासिक ग्रंथों में मिलता है। हेमाडपंथी स्थापत्य शैली, समृद्ध शिल्पकला और धार्मिक परंपराओं का अद्वितीय संगम यह मंदिर देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है।

12 दिन से अटका मानसून 23 जून से आगे बढ़ेगा

एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा के ऊपर चक्रवाती सिस्टम एक्टिव; बिहार-झारखंड में बिजली गिरने से 14 मौतें

एजेंसी

उज्जैन। 12 दिनों से तेलंगाना में अटका मानसून अब आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून तक इसके छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून के लिए जरूरी सिस्टम सक्रिय हो गया है।

इससे मध्य भारत में चक्रवातीय घेरा बना हुआ है, जिससे मानसून के बादल उत्तर भारत की तरफ आ सकते हैं। मानसून 15 दिन में 19 राज्यों तक पहुंच चुका है, लेकिन 8 जून से तेलंगाना में अटका हुआ है। बिहार में

बिजली गिरने से 6 लोगों की और झारखंड में 8 लोगों की जान गई। राजस्थान के 12 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 21 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ में 19 से 23 जून तक ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। छत्तीसगढ़ में भी 19 से 23 जून के बीच आंधी-तूफान के साथ बिजली गिरने की आशंका है। मौसम का यह बदलाव सिर्फ मध्य भारत तक सीमित नहीं। तमिलनाडु और पुडुचेरी में 19 से 21 जून के बीच कुछ जगहों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि केरल में भी 19 से 23 जून के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं, बंगाल के कोलकाता, सिलिगुड़ी और दार्जिलिंग जिलों में शनिवार को भी भारी बारिश हुई। दार्जिलिंग में बालासन नदी उफान पर आ गई। इससे नदी पर ह्यूम पाइप से बना पुल टूट कर बह गया।

12 शांति समझौतों और 10 हजार उग्रवादियों के आत्मसमर्पण से बदली पूर्वोत्तर की तस्वीर - सीएम सरमा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर भारत की विकास यात्रा में बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र अब उग्रवाद और अस्थिरता की पहचान से निकलकर शांति, आधारभूत ढांचे के विकास, बेहतर कनेक्टिविटी और आर्थिक प्रगति के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर में स्थापित हुए शांतिपूर्ण माहौल का सबसे बड़ा लाभ असम को मिला है, जिससे राज्य में विकास कार्यों और निवेश को नई गति मिली है। उन्होंने लिखा, 'पिछले कुछ वर्षों में पूर्वोत्तर की विकास गाथा उग्रवाद और अस्थिरता से निकलकर इंफ्रास्ट्रक्चर, कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास की ओर बढ़ी है।

ईडर एपीएमसी चुनाव की घोषणा, 9 सितंबर को 14 सीटों पर होगा मतदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ईडर। ईडर मार्केट यार्ड की चुनाव प्रक्रिया की घोषणा कर दी गई है। राज्य के कृषि बाजार एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था निदेशक द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार आगामी 9 सितंबर को यार्ड की 14 निदेशक सीटों के लिए मतदान कराया जाएगा। चुनाव की घोषणा होते ही क्षेत्र के सहकारी और राजनीतिक हलकों में

गतिविधियां तेज हो गई हैं।जानकारी के अनुसार वर्तमान प्रबंधन समिति का कार्यकाल गत फरवरी माह में समाप्त होने वाला था, लेकिन उस समय चुनाव प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी। इसके चलते राज्य सरकार ने समिति को छह माह का विस्तार दिया था। अब यह अवधि अगस्त माह में पूरी होने से पहले चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया है। जारी कार्यक्रम के अनुसार 9 सितंबर को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा। इसके बाद 10 सितंबर को मतगणना की जाएगी और उसी दिन परिणाम भी घोषित कर दिए जाएंगे। इस चुनाव में किसान वर्ग की 10 तथा व्यापारी वर्ग की 4 सीटों सहित कुल 14 सीटों पर मतदान होगा। नए कानून के अनुसार पात्रता नहीं होने के कारण सहकारी खरीद-विक्रय मंडली वर्ग की दो सीटें समाप्त कर दी गई हैं। इसके चलते पहले की 16 सीटों के बजाय अब 14 सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा। चुनाव की घोषणा के साथ ही कई सहकारी नेताओं और संभावित उम्मीदवारों ने सक्रियता बढ़ा दी है तथा विभिन्न पैनलों के गठन को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

बहेरामपुरा में गंदगी से त्रस्त लोगों ने दी आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। स्वच्छ भारत, स्वच्छ गुजरात और स्मार्ट सिटी अहमदाबाद के दावों के बीच दाणीलीमडा वार्ड के बहेरामपुरा क्षेत्र से चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। लीलाधर भट्ट हॉल के पास और बहेरामपुरा पोस्ट ऑफिस के निकट स्थित म्युनिसिपल पब्लिक हेल्थ क्वार्टर्स के सार्वजनिक शौचालयों की हालत बदहाल बनी हुई है। शौचालयों के रास्ते, टाइल्स और दरवाजे टूट चुके हैं, जबकि गंदगी के कारण पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैली हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गंदगी के कारण क्षेत्र में बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ गया है और कई लोग स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। आरोप है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद दाणीलीमडा वार्ड की एएमसी कार्यालय द्वारा समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। रहवासियों का कहना है कि यदि समय रहते सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और शौचालयों की मरम्मत नहीं कराई गई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि समस्या का तत्काल समाधान नहीं होने पर वे उग्र आंदोलन करेंगे और गंदगी के खिलाफ एएमसी कार्यालय का घेराव करने को मजबूर होंगे। इससे क्षेत्र में जनआक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है।

राममंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर उठे सवाल, कथित जमीन सौदों को लेकर फिर गरमाई बहस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अयोध्या। भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में बने भव्य राममंदिर को लेकर एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। मंदिर निर्माण और जमीन खरीद से जुड़े कथित सौदों को लेकर विपक्षी दलों तथा कुछ संगठनों द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। इन आरोपों के बीच सबसे अधिक चर्चा में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का नाम है, जिनकी

भूमिका को लेकर राजनीतिक बहस छिड़ गई है। चंपत राय उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के नगिना नगर के निवासी हैं और रसायन शास्त्र के प्राध्यापक रह चुके हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहने के बाद उन्होंने विश्व हिंदू परिषद में लंबे समय तक संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभालीं। राममंदिर आंदोलन के दौरान भी उनकी सक्रिय भूमिका रही और अयोध्या विवाद से जुड़े दस्तावेजों व गतिविधियों के संचालन में उन्हें महत्वपूर्ण चेहरा माना जाता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद गठित श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में उन्हें महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। हाल के दिनों में जमीन खरीद से जुड़े कथित सौदों को लेकर उन पर विपक्ष द्वारा सवाल उठाए गए हैं। ट्रस्ट सभी आरोपों को खारिज करते हुए दावा करते हैं.

कुबेरनगर में स्ट्रीट लाइट के खंभे के आसपास अवैध निर्माण, TDO इंस्पेक्टर से 7 दिन में मांगा जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। कुबेरनगर जी वॉर्ड क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट के सरकारी खंभे के आसपास कथित रूप से अवैध निर्माण किए जाने का मामला सामने आने के बाद नगर निगम प्रशासन हरकत में आ गया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित ञ्जष्ठह्र (टाउन डेवलपमेंट ऑफिसर) इंस्पेक्टर को कारण बताओ नोटिस जारी कर सात दिनों के भीतर

लिखित स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार सार्वजनिक सड़क पर स्थापित स्ट्रीट लाइट के खंभे के चारों ओर पक्का निर्माण कर लिया गया, जिससे नगर निगम की निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतना बड़ा निर्माण कार्य होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने समय रहते कार्रवाई नहीं की। मामला सामने आने के बाद,स्ह्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने संबंधित ञ्जष्ठह्र इंस्पेक्टर से पूछा है कि उनकी निगरानी में यह निर्माण कैसे हुआ और समय रहते इसे रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए। अधिकारियों को सात दिनों के भीतर जवाब प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। घटना को लेकर क्षेत्र में चर्चा का माहौल है और लोग अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। अब सभी की नजर नगर निगम की आगामी कार्रवाई और संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय होने पर टिकी हुई है।

नर्मदा का खून पीते नेता-माफिया का खूनी खेल?

करजन के विंगरवाड़ा में विधायक की शह पर छलनी हुई नदी की छाती

खाकी को लहूलुहान करने वाले हिस्ट्रीशीटर के आगे कानून बेबस

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

करजन/वडोदरा। गुजरात में कानून का राज जिंदा है या फिर राजनेताओं और खनन माफियाओं के शर्मनाक गठजोड़ ने उसे जीते जी दफन कर दिया है? यह सुलगता हुआ सवाल वडोदरा के करजन तालुका के विंगरवाड़ा गांव में नर्मदा नदी के तट से उठ रहा है। सासरौड वाले रोड से नाकेश्वर की तरफ जाने वाली पवित्र नर्मदा नदी को माफियाओं ने अंधेर नगरी चौपट राजा की तर्ज पर लूट का खुला साम्राज्य बना दिया है। स्थानीय सूत्रों से मिली पुख्ता और सनसनीखेज जानकारी के मुताबिक, करजन से भाजपा विधायक अक्षय पटेल की सीधी हिस्सेदारी और संरक्षण में गोकुल भरवाड़ उर्फ 'घूघो' नाम का शातिर अपराधी नर्मदा का सीना चीरकर करोड़ों रुपये की प्राकृतिक संपदा पर सरेआम डकैती डाल रहा है।

100 से ज्यादा डंपरों की राक्षसी फौज: नर्मदा के अस्तित्व पर मंडराया खतरा

विंगरवाड़ा के नदी तट पर कानून के रीढ़विहीन रखवालों की नाक के नीचे 100 से 125 डंपर, 20 से 25 जेसीबी मशीनें और 15 से ज्यादा हिताची व लोडर मशीनों की पूरी फौज दिन-रात नदी को खोखला करने में जुटी है। सरकारी लीज की आड़ में प्रशासन की आंखों में धूल झोंककर, कागजों पर नाममात्र की रॉयल्टी चुकाई जा रही है और बैकडोर से हर महीने करोड़ों रुपये की सरकारी चोरी को अंजाम दिया जा रहा है। सत्ता के नशे में चूर यह सिंडिकेट सरकारी खजाने को दोनों हाथों से नग्न लूट रहा है। इस गुंडागर्दी के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों ने कई बार उग्र विरोध जताया, लेकिन भ्रष्ट तंत्र के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। गांधीनगर फ्लाइंग स्क्वाड के 'चावड़ा' नामक अधिकारी को इस अवैध खनन के सटीक लोकेशन और सबूत सौंपे जाने के बावजूद वे बेशर्मी से मौन साधे बैठे हैं। स्थानीय प्रांत अधिकारी या मामलतदार की इतनी औकात नहीं है कि वे इस जगह पर जाकर छापेमारी कर सकें। जनता के बीच दबी जुबान में चर्चा है कि विधायक अक्षय पटेल का सीधा संपर्क मुख्यमंत्री कार्यालय (ष्टरूह्र) तक है, जिसके चलते वडोदरा से लेकर गांधीनगर तक लाखों रुपये की हफ्ताखोरी का काला नेटवर्क पूरी तरह सेट कर दिया गया है।

रक्षक ही भक्षक: ईमानदार पुलिस कांस्टेबल का अपहरण कर ढाढर नदी में फेंकने का खूनी खेल!

इस काली कमाई का सबसे खौफनाक चेहरा यह है कि इस पूरे घोटाले का मुख्य सूत्रधार गोकुल भरवाड़ उर्फ घूघो पुलिस पर हाथ उठाने से भी नहीं कतराता। कुछ समय पहले करजन थाने के जांबाज कांस्टेबल लक्ष्मण आहीर ने खान-खनिज विभाग को साथ लेकर पिंगलवाड़ा में अवैध रेत खनन पर छापा मारा था। लेकिन अंदरूनी तौर पर सूचना लीक हो जाने के कारण टीम को खाली हाथ लौटना पड़ा। उसके गुर्गों ने सरेआम सड़क से अपहरण कर लिया! उन्हें जलाराम नगर के एक मकान में बंधक बनाकर जानवरों की तरह बेरहमी से पीटा गया। इतना ही

नहीं, सबूत मिटाने के इरादे से उन्हें अधमरा कर ढाढर नदी में फेंककर जान से मारने की खौफनाक कोशिश की गई। वह बहादुर पुलिसकर्मी किसी तरह अगली सुबह 5 बजे लहूलुहान हालत में जान बचाकर भागा और करजन थाने में एफआईआर (FIR) दर्ज कराई।

केस रफा-दफा करने के लिए बहाए 1 करोड़ रुपये, सत्ताधारी दल क्यों मौन?

करजन नगरपालिका के सदस्य बने इस गुंडे गोकुल भरवाड़ और विधायक अक्षय पटेल की जुगलबंदी इतनी खतरनाक निकली कि खाकी वर्दी को लहूलुहान करने वाला यह माफिया कानून के शिकंजे से साफ बच निकला। सूत्रों की मानें तो इस संगीन मामले को दबाने और केस जीतने के लिए ?1 करोड़ पानी की तरह बहाए गए थे। सवाल यह उठता है कि देश के रक्षकों को जान से मारने की कोशिश करने वाले ऐसे आपराधिक इतिहास वाले दरिंदों को बीजेपी किस मुंह से पनाह दे रही है?

'12 साल बेमिसाल' अभियान के तहत भाजपा महिला मोर्चा ने आयोजित कीं विविध प्रतियोगिताएं, मोदी सरकार की उपलब्धियों को किया प्रदर्शित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा/खैरागढ़। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, जिला खैरागढ़-छुईखदान-गंडई द्वारा '12 साल बेमिसाल' अभियान के अंतर्गत विविध रचनात्मक एवं जनजागरूकता कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं ऐतिहासिक उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने रंगों, कला, शब्दों और विचारों के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। रंगोली और पेंटिंग प्रतियोगिता में जहां प्रतिभाओं ने अपनी सृजनात्मक कला का प्रदर्शन किया, वहीं भाषण प्रतियोगिता में वक्ताओं ने मोदी सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों पर

अपने विचार रखे।मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. विशेष साहू उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने विश्व पटल पर नई पहचान बनाई है तथा केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एवं पूर्व जिलाध्यक्ष श्री घम्मन साहू, श्री शशांक ताम्रकार, श्री दिनेश वर्मा, जिला महामंत्री श्रीमती प्रीति यादव, श्रीमती ज्योति पटेल, श्रीमती वंदना वर्मा, श्रीमती डॉली तिवारी, श्रीमती रविका नागवंशी, श्रीमती शकुन यादव, श्रीमती पार्वती साहू, श्रीमती ज्योति साहू, देविन कोटले, गरिमा तिवारी, रितु साहू, प्रेमीन साहू, जानकी कोटले, नीरा वर्मा, कविता वर्मा, पूजा यादव, ऋतिका साहू, मीरा वर्मा सहित बड़ी संख्या में महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती उमा चौबे ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, प्रतिभागियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और जनसेवा के संकल्प के साथ महिला मोर्चा आगे भी ऐसे रचनात्मक एवं जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन करती रहेगी। '12 साल बेमिसाल' अभियान के इस आयोजन ने न केवल महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान किया, बल्कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को समाज तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम भी सिद्ध हुआ।

खैरागढ़ वनमंडल में अवैध कटाई मामले में मुख्य आरोपी सहित कई गिरफ्तार, जेसीबी भी जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साल्हेवारा/खैरागढ़। खैरागढ़ वनमंडल अंतर्गत छुईखदान परिक्षेत्र के आरक्षित वनखंड गातापार पश्चिम के कक्ष क्रमांक 239 में सागौन सहित अन्य बहुमूल्य वृक्षों की अवैध कटाई के मामले में वन विभाग ने बड़ी और प्रभावी कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। वन विभाग की त्वरित जांच में सामने आया कि खमहारडीह क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से जंगलों की अवैध कटाई की जा रही थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने विशेष अभियान चलाकर जांच की, जिसमें मुख्य आरोपी दौलत सिंह चंदेल की संलिप्तता पाई गई। इसके अलावा अवैध कटाई में प्रत्यक्ष रूप से शामिल अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि जंगल में पेड़ों की कटाई के लिए जेसीबी मशीन का उपयोग किया गया था। वन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मशीन को जब्त कर लिया है तथा उसके राजसात (कुर्की) की वैधानिक प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। वन विभाग द्वारा आरोपियों के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम 1927 एवं शासकीय संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम 1984 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वनमंडल अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जंगलों की अवैध कटाई, वन्य संपदा की तस्करी तथा वन अपराधों के विरुद्ध विभाग का अभियान लगातार जारी रहेगा। वन एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई वन विभाग की सतर्कता, प्रतिबद्धता और जंगलों की सुरक्षा के प्रति उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति का प्रमाण है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों से भी अपील की गई है कि वन अपराधों की सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि प्राकृतिक धरोहर और पर्यावरण की रक्षा सुनिश्चित की जा सके। सागौन तस्करों पर वन विभाग का शिकंजा, मुख्य आरोपी सहित कई गिरफ्तार जंगल माफियाओं पर बड़ी कार्रवाई, अवैध कटाई में प्रयुक्त जेसीबी जब्त खैरागढ़ वनमंडल की सख्ती: सागौन की अवैध कटाई करने वालों पर कानूनी प्रहार वन संपदा के दुश्मनों पर वार, अवैध कटाई मामले में कई आरोपी सलाखों के पीछे जंगल बचाने की मुहिम रंग लाई, सागौन कटाई गिरोह पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का दिग्विजय स्टेडियम में आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून 2026 को स्वस्थ आयु के लिए योग थीम पर दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में जिला स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर भारत सरकार द्वारा जारी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सुबह 7 बजे से सुबह 7.45 बजे तक सामूहिक योगाभ्यास किया जाएगा। सामूहिक योगाभ्यास के पश्चात अबूझमाड़ मल्लखंब अकादमी के कलाकार द्वारा विशेष मल्लखंब योग प्रदर्शन एवं योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। योग से निरोग रहने के लिए तथा नियमित योग अभ्यास से शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का यह संदेश जन- जन तक पहुंचाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों, युवाओं, खिलाड़ियों, विद्यार्थियों से अधिक से अधिक संख्या में सामूहिक योगाभ्यास तथा मल्लखंब योग प्रदर्शन कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की गई है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साल्हेवारा को भेंट किए गए 2 ऑक्सीजन सिलेंडर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। साल्हेवारा। सेवा, संवेदना और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वनांचल क्षेत्र साल्हेवारा के प्रतिष्ठित वरिष्ठ व्यापारी स्वर्गीय श्री गोविंद लाल अग्रवाल की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनके पुत्र श्री संदीप अग्रवाल एवं पौत्र श्री आभास अग्रवाल द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साल्हेवारा को 2 ऑक्सीजन सिलेंडर भेंट किए गए। यह सराहनीय योगदान केवल एक दान नहीं, बल्कि स्वर्गीय श्री गोविंद लाल अग्रवाल के मानवीय मूल्यों, समाजसेवा एवं जनकल्याण की भावना को जीवंत रखने का एक अनुकरणीय प्रयास है। स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में किया गया यह सहयोग क्षेत्र के नागरिकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है। आज जब स्वास्थ्य सेवाओं को जनसहयोग की

आवश्यकता है, ऐसे समय में अग्रवाल परिवार की यह पहल समाज और स्वास्थ्य संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करती है। यह संदेश देती है कि सामुदायिक विकास केवल शासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक जागरूक नागरिक का भी दायित्व है। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र साल्हेवारा के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश वर्मा ने अग्रवाल परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनस्वास्थ्य से जुड़े कार्यों में समाज की सहभागिता सकारात्मक सामाजिक चेतना का प्रतीक है। ऐसे सहयोग से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलती है, बल्कि समाज में सेवा, परोपकार एवं मानवीय संवेदनाओं का विस्तार भी होता है। जिला स्वास्थ्य समिति, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई ने भी श्री संदीप अग्रवाल एवं श्री आभास अग्रवाल के इस सराहनीय योगदान की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। समिति ने विश्वास जताया कि समाज एवं स्वास्थ्य संस्थानों के मध्य ऐसा सकारात्मक सहयोग भविष्य में भी जनकल्याण के कार्यों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करेगा। स्वर्गीय श्री गोविंद लाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में किया गया यह कार्य निस्संदेह इस बात का प्रमाण है कि किसी व्यक्ति की महानता केवल उसके जीवनकाल तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उसके संस्कार और आदर्श आने वाली पीढ़ियों को भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करते रहते हैं। 'सच्ची श्रद्धांजलि वही है, जो किसी के जीवन मूल्यों को जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से आगे बढ़ाए। सामुदायिक सहभागिता स्वस्थ, संवेदनशील और सशक्त समाज के निर्माण की आधारशिला है।

पानी भराव से नाराज ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

झालोद। दाहोद जिले के गोविंद गुरु लिमडी क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर से प्रभावित 14 गांवों के प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने प्रांत अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बारिश के पानी की निकासी की गंभीर समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण कई गांवों के खेतों और मकानों में पानी भर गया, जिससे किसानों की

फसलों को नुकसान पहुंचा है और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार वर्षों से दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर के कार्य के कारण वर्षा जल निकासी व्यवस्था प्रभावित हुई है। इस संबंध में कई बार प्रशासन के समक्ष शिकायतें और मांगें रखी गईं, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। इसके चलते प्रभावित गांवों के किसानों और स्थानीय लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है। प्रांत अधिकारी के साथ हुई बैठक में आगामी सोमवार को समन्वय विभाग तथा नेशनल हाईवे कॉरिडोर के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रभावित क्षेत्रों का दोबारा सर्वे करने का निर्णय लिया गया। वहीं प्रांत अधिकारी ने जल निकासी की समस्या को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द स्थायी समाधान नहीं हुआ तो दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर हाईवे बंद कर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

संक्षिप्त न्यूज

वीज वायर चोरी गिरोह का पर्दाफाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। हांसोट पुलिस ने खेती की बिजली लाइनों के तार चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चार चोरी के मामलों का खुलासा कर 20.60 लाख रुपये से अधिक का माल बरामद किया है। आरोपियों के कब्जे से एल्यूमिनियम वायर, एक टेम्पो, एक बाइक और 9 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

झुग्गी बस्ती में आग, पांच झोपड़ियां जलकर राख

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। जे.बी. मोदी पार्क के पास स्थित झुग्गी बस्ती में लगी आग से पांच झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन कई परिवार बेघर हो गए और उनका घरेलू सामान नष्ट हो गया। फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग के कारणों की जांच की जा रही है।

शिक्षा की बढ़ती फीस पर कांग्रेस का हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. पार्थिवराजसिंह कठवाडिया ने निजी विश्वविद्यालयों की बढ़ती फीस को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बी.कॉम., बी.ए. और बीबीए जैसे पाठ्यक्रमों की फीस कई संस्थानों में लाखों रुपये तक पहुंच गई है, जिससे मध्यम वर्ग के छात्रों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। फीस पर नियंत्रण की मांग की है।

बुजुर्ग को बंधक बनाकर नकदी-जेवर ले उड़े बदमाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। बदमाशों ने एक बुजुर्ग को घर में बंधक बनाकर करीब 2.47 करोड़ रुपये की नकदी और सोने के आभूषण लूट लिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची तथा सीसीटीवी फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर जांच शुरू कर दी है।

प्याज की बोरियों के नीचे छिपी शराब पकड़ी, 6.60 लाख का माल जब्त

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दाहोद। झालोद-चाकलिया पुलिस ने छायण चेकपोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एक बोलेरो पिकअप से 6.60 लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब बरामद की। प्याज की बोरियों के नीचे छिपाकर ले जाई जा रही 3,144 शराब की बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर एक किशोर को हिरासत में लिया है, जबकि एक अन्य आरोपी की तलाश जारी है।

जसदण में निजी बस पलटी, 11 यात्री घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। देरडी कुंभाजी जा रही एक निजी लग्जरी बस जसदण रेलवे स्टेशन के पास पलट गई। हादसे में 11 यात्री घायल हुए, जबकि सभी 22 यात्रियों की जान बच गई। यात्रियों ने चालक पर तेज रफ्तार और लापरवाही से बस चलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

21000 दीपों के साथ दीपोत्सव में जन जागरण का संदेश देता दीपोत्सव का भव्य आयोजन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के अध्यक्ष हरीश अग्रवाल ने बताया कि भारतीय सनातन संस्कृति में पुरुषोत्तम मास की सोमवती अमावस्या का विशेष महत्व है इस दिन दीपदान करने से प्रभु की विशेष कृपा प्राप्त होती है 15 जून सोमवार को श्री सत्यनारायण मंदिर समिति द्वारा 21000 दीपों से सुसज्जित देव दीपावली अमावस्या की अंधेरी रात में मनाई गई इस दीपोत्सव में हजारों भक्तों ने दीप जलाकर सहभागिता निभाई श्री सत्यनारायण मंदिर परिसर से दिल्ली दरवाजा कामठी लाइन तक 21000 दीपों के अद्भुत दृश्य ने लोगों का मन मोह लिया दीपोत्सव में संस्कार के साथ जन जागरण का संदेश देते हुए स्वास्तिक ,धनुष बाण , गदा, बच्चों को संस्कार शिक्षा , ईंधन बचाओ ,जल बचाओ ,पेड़ लगाओ, स्वदेशी अपनाओ ,देश प्रेम,स्वच्छता अपनाओ जैसे अनेक संदेश दीप जलाकर दिए गए । दीपोत्सव महाआयोजन के सहयोगी राकेश ठाकुर (दिया वाले बाबा) शनि धाम परिवार रानी सागर राजनांदगांव दीपोत्सव को सफल बनाने में संस्कार राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही । पुरुषोत्तम मास के अंतिम 16 वे दिवस 16 जून 2026 प्रातः 10:00 बजे से श्री नारायण धाम में श्री सत्यनारायण भगवान की कथा हवन यज्ञ पूर्णाहुति विश्व मंगल कामना के साथ भंडारा महाप्रसाद जी के साथ 16 दिवसीय पुरुषोत्तम महा आयोजन संपन्न हुआ । श्री सत्यनारायण मंदिर समिति परिवार ने 16 दिवसीय पुरुषोत्तम मास नारायण महा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने में संस्कारधानी के जन-जन समस्त सनातन प्रेमियों सहित समस्त श्रद्धालुओं को नमन करते हुए आभार व्यक्त किया है ।

उपरोक्त जानकारी

श्री सत्यनारायण मंदिर समिति के सचिव सौरभ खंडेलवाल एवं उत्सव प्रभारी लक्ष्मण लोहिया ने दी ।

नई दिल्ली में राहुल गांधी से मिले विशु अजमानी, जन्मदिन की दी बधाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव । प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव विशु अजमानी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की तथा जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने राहुल गांधी के स्वस्थ, सफल एवं दीर्घ जीवन की कामना की। जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में सुबह से ही नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या मौजूद रही तथा पूरे परिसर में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विशु अजमानी ने कहा कि राहुल गांधी हमेशा युवाओं, किसानों, मजदूरों, महिलाओं और समाज के कमजोर वर्गों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाते रहे हैं। वे लगातार लोगों के बीच जाकर उनकी बात सुनते हैं और उनकी समस्याओं को सामने रखने का काम करते हैं। यही वजह है कि बड़ी संख्या में लोग उनसे जुड़ाव महसूस करते हैं। आम जनता के लिए किए जा रहे उनके प्रयास कांग्रेस कार्यकर्ताओं को भी आगे बढ़कर काम करने की प्रेरणा देते हैं। राहुल गांधी का सरल स्वभाव और लोगों के बीच लगातार सक्रिय रहना उन्हें आम जनता से जोड़े रखता है। यही कारण है कि हर वर्ग के लोग उनके प्रति अपना विश्वास और समर्थन व्यक्त करते हैं। राहुल गांधी के जन्मदिन के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में दिनभर लोगों का आना-जाना लगा रहा। पूरे परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला और कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में मौजूद कांग्रेसजनों ने अपने नेता के प्रति स्नेह और सम्मान व्यक्त किया। इस अवसर पर विशु अजमानी ने राहुल गांधी के उज्ज्वल भविष्य, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घ सार्वजनिक जीवन की कामना की।

यूसुफ पठान को बड़ा झटका, विवादित प्लॉट की VMC करेगी सार्वजनिक नीलामी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वडोदरा। पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान से जुड़े विवादित प्लॉट मामले में वडोदरा म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ने बड़ा कदम उठाया है। तांदलजा क्षेत्र स्थित 978 वर्ग मीटर के प्लॉट को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। अब निगम ने इस जमीन की सार्वजनिक नीलामी करने का निर्णय लिया है, जिससे मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जानकारी के अनुसार इस प्लॉट पर कथित रूप से अवैध कब्जे को लेकर विवाद खड़ा हुआ था। मामला गुजरात हाईकोर्ट तक पहुंचने के बाद अदालत ने सरकारी जमीन से जुड़े मामलों में सख्त रुख अपनाया था। इसके बाद निगम प्रशासन ने संबंधित भूमि को लेकर आगे की कार्रवाई तेज कर दी है। VMC अधिकारियों के अनुसार 978 वर्ग मीटर के इस आवासीय प्लॉट की सार्वजनिक नीलामी की जाएगी और नियमानुसार सर्वाधिक बोली लगाने वाले को जमीन आवंटित की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह प्लॉट शहर के प्रमुख और मूल्यवान क्षेत्रों में शामिल है।

सिंगर रिद्धि राजपरा के प्रेम विवाह पर विवाद, पाटीदार समाज के कुछ संगठनों ने जताई नाराजगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। लोकगायिका आरती सांगाणी के विवाह को लेकर हुई चर्चाओं के बाद अब सूरत की चर्चित सिंगर रिद्धि राजपरा का नाम भी सामाजिक बहस के केंद्र में आ गया है। रिद्धि राजपरा द्वारा अपनी टीम के एक ड्रमर के साथ प्रेम विवाह किए जाने की खबर सामने आने के बाद पाटीदार समाज के कुछ अग्रणियों और संगठनों ने नाराजगी व्यक्त की है। जानकारी के अनुसार रिद्धि राजपरा लंबे समय से डायरों और संगीत कार्यक्रमों में सक्रिय हैं। बताया जा रहा है कि कार्यक्रमों के दौरान अपनी टीम में कार्यरत एक ड्रमर के साथ उनकी निकटता बढ़ी और बाद में दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया। विवाह की जानकारी सामने आते ही सोशल मीडिया और समाज के विभिन्न समूहों में इस विषय को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मामले को लेकर कुछ सामाजिक अग्रणियों ने सार्वजनिक रूप से अपनी आपत्ति दर्ज कराते हुए समाज के मंचों पर उन्हें आमंत्रित नहीं करने की मांग उठाई है।

जामनगर में 112 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सामूहिक इस्तीफे से हड़कंप, बकाया भुगतान को लेकर फूटा आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जामनगर। जामनगर जिले में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का आक्रोश उस समय खुलकर सामने आया जब 112 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक इस्तीफा दे दिया। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि लंबे समय से मानदेय भुगतान में देरी हो रही है, वहीं बच्चों के नाश्ते और पोषण से जुड़े खर्चों का भुगतान भी समय पर नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का कहना है कि बच्चों को पोषण और नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए कई बार उन्हें अपनी जेब से राशि खर्च करनी पड़ी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी संबंधित भुगतान नहीं मिला। इसके अलावा मानदेय में लगातार हो रही देरी से भी कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। एक साथ 112 कार्यकर्ताओं के इस्तीफे से जिले की आंगनवाड़ी व्यवस्था पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। कार्यकर्ताओं ने स्पष्ट किया है कि वे किसी प्रकार की अतिरिक्त मांग नहीं कर रहे, बल्कि अपने बकाया भुगतान और अधिकारों की मांग कर रहे हैं। मामले के तूल पकड़ने के बाद प्रशासन पर समाधान निकालने का दबाव बढ़ गया है।

साबरकांठा जिले के वडाली शहर में जेरॉक्स दुकान से 90 हजार रुपये नकद चोरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। तस्करों ने ताला तोड़कर कंपनी का लैपटॉप भी चुरा लिया साबरकांठा जिले के वडाली शहर में तस्करों ने एक जेरॉक्स दुकान को निशाना बनाया है। अज्ञात चोरों ने तालुका पंचायत के सामने और पुलिस स्टेशन के पास खेतीवाड़ी मार्केट की पहली मंजिल पर स्थित 'वीर जेरॉक्स' दुकान का ताला तोड़कर 90 हजार रुपये नकद और एक कंपनी का लैपटॉप चुरा लिया और फरार हो गए। यह दुकान वडाली के राठौड़फली क्षेत्र के निवासी दशरथ सिंह गंभीर सिंह राठौड़ की है। वह रूपिटल फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड में कलेक्शन ऑफिसर के पद पर भी काम करते हैं। लिमिटेड। चोरी हुए 90,000 रुपये कैश में मुथूट गोल्ड फाइनेंस से लिए गए लोन के 40,000 रुपये, उनकी सेविंग्स के 15,000 रुपये और कंपनी के कलेक्शन के 35,000 रुपये शामिल हैं। दशरथ सिंह 19 जून की रात को दुकान बंद करके घर चले गए। अगली सुबह जब वे दुकान पहुंचे तो दुकान का ताला गायब था और सामने दो बड़े पत्थर पड़े थे। अंदर चेक करने पर कैश ड्रॉअर टूटा हुआ था और उसमें रखा सारा कैश गायब था। टेबल पर रखा कंपनी का डेल लैपटॉप भी चोरी हो गया। यह कंपनी के लिए एक बड़ा मामला बन गया है क्योंकि चोरी हुए लैपटॉप में फाइनेंस कंपनी का ज़रूरी डेटा है। इसके अलावा, घर बनाने के लिए रखी रकम भी चोरी हो गई, जिससे दशरथ सिंह के परिवार पर आर्थिक असर पड़ा है। दशरथ सिंह राठौड़ ने इस घटना के बारे में वडाली पुलिस स्टेशन में एक लिखित अर्जी दी है। पुलिस ने आसपास के CCTV फुटेज और दूसरे सबूतों के आधार पर अनजान तस्करों की तलाश शुरू कर दी है। शहर के मध्य क्षेत्र में हुई इस चोरी की घटना से स्थानीय व्यापारियों में चिंता व्याप्त हो गई है।

पानी संकट पर भाजपा में बगावत, मेंगरोल के दो पार्षदों ने दिया इस्तीफे का अल्टीमेटम

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

मेंगरोल। जूनागढ़ जिले के मेंगरोल शहर में पेयजल संकट गहराने के साथ ही राजनीतिक माहौल भी गर्म हो गया है। कई क्षेत्रों में लगातार पानी की कमी से परेशान लोगों का आक्रोश अब सड़कों पर दिखाई देने लगा है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि सत्ताधारी भाजपा के दो नगर पालिका सदस्यों ने अपनी ही पालिका और सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे अपने पद से इस्तीफा दे देंगे। पानी की किल्लत से नाराज महिलाओं ने खाली बर्तन, डोल और बाल्टियां लेकर नगर पालिका सदस्यों के घरों के बाहर प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि भीषण गर्मी में उन्हें पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है, जबकि समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। जनता के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए भाजपा के दो पार्षद भी खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने अधिकारियों की कार्यप्रणाली और जल वितरण व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि उनके क्षेत्र की जनता पानी के लिए परेशान होती रही तो पद पर बने रहने का कोई औचित्य नहीं है। इस्तीफे की चेतावनी के बाद मेंगरोल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है.

अवैध खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वागरा। भरूच जिला प्रशासन ने सरकारी संसाधनों की लूट रोकने के लिए अवैध खनन माफिया के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में वागरा मामलतदार अधिकारी की टीम ने 19 जून 2026 की मध्यरात्रि को वागरा तालुका के सायखा त्द्धष्ट क्षेत्र में औचक रेड कर बड़े पैमाने पर चल रहा अवैध मिट्टी खनन पकड़ा। जानकारी के अनुसार भू-माफिया बिना किसी वैध अनुमति के सरकारी जमीन से मिट्टी का खनन कर रहे थे, जिससे राज्य सरकार को रॉयल्टी का नुकसान पहुंचाया जा रहा था। प्रशासनिक टीम के मौके पर पहुंचते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान मौके से मिट्टी से भरे 3 ट्रक और अवैध खुदाई में उपयोग किए जा रहे दो हिताची मशीनों सहित करीब 1.2 करोड़ रुपए का मुद्दामाल जब्त किया गया। जब्त वाहनों में GJ v{ AW 9918, GJ v{ AW 9963 और 9864 नंबर के ट्रक शामिल हैं। फिलहाल खान-खनिज विभाग और स्थानीय पुलिस द्वारा संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई तथा दंड वसूली की प्रक्रिया शुरू की गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से पूरे पंथक के अवैध खननकारों में हड़कंप मच गया है।

बिना रॉयल्टी के रेत से भरे दो ट्रक ज़ब्तः ममलतदार एन.एस. वसावा ने 90 लाख का सामान ज़ब्त किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जंबूसर। ममलतदार एन.एस. वसावा और उनकी टीम ने गैर-कानूनी रेत ट्रांसपोर्टेशन के खिलाफ कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान, बिना रॉयल्टी के रेत से भरे और ग्रामीण इलाकों में बेचने के लिए ले जाए जा रहे दो ट्रक पकड़े गए। करीब 90 लाख का सामान ज़ब्त किया गया है मिली जानकारी के मुताबिक, ममलतदार एन.एस. वसावा को सूचना मिली थी कि जंबूसर तालुका के अलग-अलग ग्रामीण इलाकों में बिना रॉयल्टी के रेत बेची जा रही है। इस सूचना के आधार पर, उनकी टीम ने चेकिंग की। चेकिंग के दौरान, रेत से भरे दो ट्रकों को रोका गया। जांच में पता चला कि ड्राइवरों के पास वैलिड रॉयल्टी पास या दूसरे ज़रूरी सबूत नहीं थे। इसलिए, अधिकारियों ने दोनों गाड़ियों समेत करीब 90 लाख का सामान ज़ब्त कर लिया। ज़ब्त की गई गाड़ियों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए कवि और जंबूसर पुलिस स्टेशनों में जमा कर दिया गया है। इस मामले में संबंधित विभाग द्वारा आगे की जांच की जा रही है। राज्य सरकार के खजाने को नुकसान पहुंचाने वाली गैर-कानूनी गतिविधियों के खिलाफ की गई इस कार्रवाई से रेत माफिया में दहशत फैल गई है। ममलतदार एन.एस. वसावा ने साफ संकेत दिया है कि आने वाले दिनों में भी गैर-कानूनी माइनिंग और मिनरल चोरी जैसी गतिविधियों के खिलाफ कड़ा अभियान जारी रहेगा, ताकि सरकार के रेवेन्यू को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सके।

दैनिक राशिफल

21 जून 2026 | रविवार

1 **मेष** — आज आत्मविश्वास बढ़ेगा और रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। शुभ रंग: लाल | शुभ अंक: 9

2 **वृषभ** — व्यापार और नौकरी में लाभ के संकेत हैं। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। खर्चों पर नियंत्रण रखें। शुभ रंग: सफेद | शुभ अंक: 6

3 **मिथुन** — नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं। छात्रों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। शुभ रंग: हरा | शुभ अंक: 5

4 **कर्क** — परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कार्यस्थल में सम्मान बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शुभ रंग: सिल्वर | शुभ अंक: 2

5 **सिंह** — नेतृत्व क्षमता का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। शुभ रंग: सुनहरा | शुभ अंक: 1

6 **कन्या** — मेहनत का पूरा फल मिलने के संकेत हैं। नौकरीपेशा लोगों को नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन लाभ संभव है। शुभ रंग: नीला | शुभ अंक: 7

7 **तुला** — आज संतुलित व्यवहार आपको सफलता दिलाएगा। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी। निवेश सोच-समझकर करें। शुभ रंग: गुलाबी | शुभ अंक: 8

8 **वृश्चिक** — कार्यस्थल में प्रगति के अवसर मिलेंगे। विरोधियों पर विजय प्राप्त होगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। शुभ रंग: मैरून | शुभ अंक: 4

9 **धनु** — धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। आर्थिक मामलों में सफलता मिलेगी। शुभ रंग: पीला | शुभ अंक: 3

10 **मकर** — धैर्य और समझदारी से कार्य करें। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक रहेगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। शुभ रंग: भूरा | शुभ अंक: 8

11 **कुंभ** — नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगी। शुभ रंग: आसमानी | शुभ अंक: 4

12 **मीन** — रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। आर्थिक लाभ के योग हैं। शुभ रंग: बैंगनी | शुभ अंक: 7

आज का विशेष संदेश

"सकारात्मक सोच और निरंतर प्रयास ही सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है।"

योग है दुनिया के लिए भारत का शाश्वत अवदान

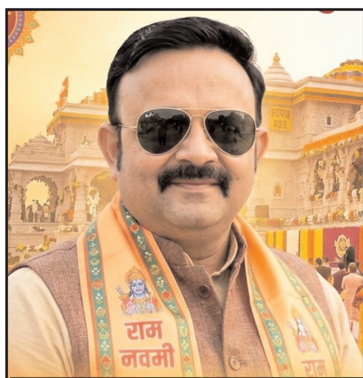

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

> योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को ह्वचित्तवृत्ति निरोधह्व कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है।

आज जब पूरी दुनिया युद्धों, आतंकवाद, हिंसा, मानसिक तनाव, पर्यावरणीय संकट और नई-नई बीमारियों की चुनौतियों से घिरी हुई है, तब मानवता एक ऐसे मार्ग की तलाश में है जो केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा को भी संतुलित कर सके। ऐसे संक्रमणकाल में योग केवल एक व्यायाम पद्धति या स्वास्थ्य विज्ञान नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए आशा का प्रकाश-स्तंभ बनकर उभरा है। यही कारण है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस आज केवल भारत का नहीं, बल्कि सम्पूर्ण विश्व का उत्सव बन गया है। भारत अनादिकाल से योग की भूमि रहा है। इस भूमि के कण-कण में ऋषियों, मुनियों, तपस्वियों और योगियों की साधना की सुगंध समाई हुई है। वैदिक ऋषियों से लेकर भगवान महावीर, भगवान बुद्ध, आदि शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानन्द, महात्मा गांधी, श्री अरविन्द, आचार्य तुलसी और आचार्य महाप्रज्ञ तक, सभी ने योग को जीवन के उत्कर्ष और मानव कल्याण का आधार माना। योग ने भारत की आध्यात्मिक चेतना को ही नहीं गढ़ा, बल्कि विश्व को यह संदेश भी दिया कि मनुष्य का वास्तविक विकास भीतर से प्रारंभ होता है।

आज विश्व जिस दिशा में बढ़ रहा है, वह चिंता का विषय है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में संघर्ष, आतंकवाद की घटनाएं, साम्प्रदायिक तनाव और हथियारों की बढ़ती होड़ मानव सभ्यता को भय और असुरक्षा की ओर धकेल रही है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान और तकनीक ने अभूतपूर्व सुविधाएं दी हैं, लेकिन इनके साथ विनाश की संभावनाएं भी बढ़ी हैं। ऐसे समय में योग की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है। योग मनुष्य को भीतर से शांत, संतुलित और संवेदनशील बनाता है। जब व्यक्ति के भीतर शांति होगी, तभी समाज और राष्ट्र में शांति का वातावरण निर्मित होगा। योग का मूल अर्थ ही है-जोड़ना। यह मनुष्य को मनुष्य से, आत्मा को परमात्मा से, व्यक्ति को समाज से और मानवता को सम्पूर्ण सृष्टि से जोड़ता है। योग विभाजन नहीं, एकता का दर्शन है। इसलिए वह हिंसा, घृणा, आतंक और संघर्ष का स्वाभाविक प्रतिरोधक है। जो व्यक्ति योग के माध्यम से अपने भीतर करुणा, प्रेम और अहिंसा का विकास करता है, वह किसी के प्रति द्वेष नहीं रख सकता। यही कारण है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और भगवान महावीर का जीव-दया का संदेश भी योग की व्यापक चेतना से जुड़ा हुआ दिखाई देता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज मानसिक तनाव, अवसाद, अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। आधुनिक जीवन की भागदौड़ में मनुष्य बाहरी उपलब्धियों के पीछे दौड़ रहा है, लेकिन भीतर से खाली और अशांत होता जा रहा है। ऐसी स्थिति में योग एक समग्र चिकित्सा-पद्धति के रूप में सामने आया है। योग शरीर, मन और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करता है। नियमित आसन, प्राणायाम और ध्यान व्यक्ति की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं, तनाव को कम करते हैं तथा मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान भी दुनिया ने अनुभव किया कि स्वस्थ जीवनशैली और मजबूत प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्वपूर्ण है। उस समय योग, प्राणायाम और ध्यान ने करोड़ों लोगों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज भी चिकित्सक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ स्वीकार करते हैं कि योग अनेक बीमारियों की रोकथाम और प्रबंधन में अत्यंत प्रभावी सहायक माध्यम है। यह दवाओं का विकल्प नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन का आधार है।

योग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल रोगों से मुक्ति नहीं देता, बल्कि जीवन को दिशा देता है। पातंजलि ने योग को 'चित्तवृत्ति निरोध' कहा है। अर्थात मन की चंचलता और विकारों पर नियंत्रण। जब मन नियंत्रित होता है, तब व्यक्ति में निर्णय क्षमता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। आज की पीढ़ी, जो तनाव, प्रतिस्पर्धा और डिजिटल व्यसनों के बीच जी रही है, उसके लिए योग मानसिक संतुलन का सबसे सशक्त माध्यम बन सकता है। योग का एक महत्वपूर्ण पक्ष उसका नैतिक और मानवीय आयाम भी है। यम और नियम जैसे सिद्धांत सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, संयम और संतोष की शिक्षा देते हैं। यदि इन मूल्यों को व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में अपनाया जाए, तो हिंसा, भ्रष्टाचार, अपराध और सामाजिक विद्वेष जैसी समस्याओं में स्वाभाविक कमी आ सकती है। इसलिए योग केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक पुनर्निर्माण का भी अभियान है। भारतीय संस्कृति की वैश्विक स्वीकार्यता में योग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक शक्ति और विश्वसनीयता का बड़ा प्रमाण है। आज दुनिया के लगभग सभी देशों में योग का अभ्यास किया जा रहा है। यह केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की वैश्विक विजय है। प्रधानमंत्री मोदी ने योग के साथ-साथ भारतीय अहिंसा, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, मिलेट्स आधारित भारतीय खानपान और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की अवधारणा को भी विश्व मंच पर स्थापित करने का प्रयास किया है। यह संदेश अत्यंत महत्वपूर्ण है कि भारत केवल आर्थिक या सैन्य शक्ति बनने का सपना नहीं देखता, बल्कि मानवता को स्वस्थ, संतुलित और शांतिपूर्ण जीवन का मार्ग दिखाने की क्षमता भी रखता है। यही 'विश्वगुरु भारत' की अवधारणा का मूल है।

भारतीय आयुर्वेद और योग का संबंध भी अत्यंत गहरा है। आयुर्वेद शरीर की चिकित्सा करता है, जबकि योग मन और चेतना को संतुलित करता है। दोनों मिलकर स्वस्थ जीवन की संपूर्ण व्यवस्था प्रस्तुत करते हैं। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों और जीवनशैली जनित रोगों से चिंतित है, तब योग और आयुर्वेद एक वैकल्पिक नहीं, बल्कि पूरक एवं स्थायी समाधान के रूप में उभर रहे हैं। इतिहास साक्षी है कि योग ने हर युग में एक मौन क्रांति को जन्म दिया है। इसने राजाओं को ऋषि बनाया, योद्धाओं को संत बनाया और सामान्य मनुष्यों को असाधारण व्यक्तित्व प्रदान किए। स्वामी विवेकानन्द ने योग के माध्यम से भारतीय अध्यात्म को विश्व के सामने रखा। महात्मा गांधी ने कर्मयोग और अहिंसा के बल पर एक साम्राज्य को चुनौती दी। श्री अरविन्द ने योग को मानव चेतना के विकास का साधन बनाया। यह सब योग की परिवर्तनकारी शक्ति के उदाहरण हैं। इसलिये योग दिवस उत्सव का नहीं, संकल्प का अवसर बने। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों, कार्यालयों, उद्योगों और सामाजिक संस्थाओं में योग को जीवनशैली के रूप में अपनाने की पहल हो। परिवारों में योग, ध्यान और सकारात्मक संवाद की संस्कृति विकसित हो। यदि व्यक्ति स्वस्थ होगा तो परिवार स्वस्थ होगा, परिवार स्वस्थ होगा तो समाज स्वस्थ होगा और समाज स्वस्थ होगा तो राष्ट्र एवं विश्व भी स्वस्थ और शांतिपूर्ण बन सकेगा।

योग और ध्यान की भारतीय परम्परा को आधुनिक युग की आवश्यकताओं के अनुरूप नई दिशा देने वाले महान दार्शनिक, चिंतक एवं आध्यात्मिक धर्मगुरु आचार्य महाप्रज्ञ का योगदान भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने 'प्रेक्षाध्यान' पद्धति के माध्यम से ध्यान की पारंपरिक अवधारणाओं को एक नया वैज्ञानिक एवं प्रयोगधर्मी स्वरूप प्रदान किया। सदियों से ध्यान मुख्यतः आध्यात्मिक साधना और मोक्ष के मार्ग के रूप में देखा जाता रहा था, किन्तु आचार्य महाप्रज्ञ ने उसे जीवन-विज्ञान, मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक संतुलन और व्यक्तित्व विकास से जोड़कर एक नई क्रांति का सूत्रपात किया। उनका मानना था कि मनुष्य यदि अपने शरीर, श्वास, चित्त, भावों और चेतना को 'प्रेक्षा' अर्थात गहराई से देखना सीख जाए, तो उसके भीतर छिपी अनेक मानसिक विकृतियां स्वतः समाप्त होने लगती हैं। प्रेक्षाध्यान ने ध्यान को केवल साधु-संतों की साधना न रहने देकर सामान्य जनजीवन का हिस्सा बनाया।

वर्तमान समय में मानवता जिस दोराहे पर खड़ी है, वहां योग केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन गया है। यह शरीर को निरोग, मन को शांत, बुद्धि को निर्मल और आत्मा को जागृत करता है। यह युद्ध के स्थान पर शांति, हिंसा के स्थान पर करुणा और तनाव के स्थान पर संतुलन का मार्ग दिखाता है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का वास्तविक संदेश भी यही है कि मनुष्य बाहर की दुनिया को बदलने से पहले अपने भीतर की दुनिया को बदले। भारत ने योग के माध्यम से विश्व को एक अमूल्य उपहार दिया है। यदि मानवता इस उपहार का सही अर्थों में उपयोग करे, तो एक नई वैश्विक चेतना का उदय संभव है-ऐसी चेतना, जिसमें शांति हो, स्वास्थ्य हो, सह-अस्तित्व हो और समस्त मानवता के कल्याण का भाव हो। यही योग का स्वप्न है, यही भारत का संदेश है और यही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता भी।

संपादकीय

सेहत पर भारी विकास

इस बात में दो राय नहीं कि हरियाणा की समृद्धि में औद्योगिक विकास की बड़ी भूमिका रही है। जिसमें बड़ी संख्या में राज्य के लोगों को रोजगार भी मिला है। हरियाणा अपनी औद्योगिक सफलता की प्रेरक कहानी पर गर्व करता रहा है। मानेसर के ऑटोमोबाइल हब से लेकर राज्य भर में फैले मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर नौकरियों के अवसर पैदा हुए हैं। निस्संदेह, इससे राज्य के आर्थिक विकास को भी गति मिली है। लेकिन इस विकास की दूसरी तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की यह बात चिंतित करने वाली है कि राज्य में तीन हजार औद्योगिक इकाइयों में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने वाले पर्याप्त उपकरण ही नहीं लगे हैं। जो एक गंभीर स्थिति को दर्शाती है। निस्संदेह, कोई भी विकास साफ हवा की कीमत पर नहीं किया जाना चाहिए। चिंता की बात यह भी है कि प्रदूषण नियामक उपकरणों की कमी वाली औद्योगिक इकाइयों की सूची में मानेसर सबसे ऊपर पाया गया है। यह औद्योगिक टाउनशिप न केवल हरियाणा का प्रमुख आर्थिक इंजन है, बल्कि हजारों श्रमिकों और उनके परिवारों का घर भी है। जो आज हर दिन कारखानों से निकलने वाले धुएं से प्रभावित हवा में सांस लेने को अभिशप्त हैं। विडंबना यह है कि अब तक इस संकट को गंभीरता से नहीं लिया गया। इस स्थिति को सुधारने के लिये कोई सार्थक पहल भी नहीं हुई है। बड़ी विचित्र बात है कि गाहे-बगाहे हर साल मौसमी स्मॉग या पराली जलाने को लेकर आरोप-प्रत्यारोपों का सिलसिला चलता रहता है। जबकि कोई वैज्ञानिक अध्ययन भी हमारे सामने नहीं आया कि स्मॉग व पराली जलाने की राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में होने वाले प्रदूषण में कितनी भूमिका होती है। लेकिन जिन औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले प्रदूषण को हम नाप कर नियंत्रित कर सकते हैं, उस दिशा में कोई सार्थक पहल नहीं की गई। सालभर चलने वाली औद्योगिक उत्सर्जन की समस्या को प्राथमिकता के आधार पर संबोधित किया जाना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि वर्ष पर्यंत होने वाले औद्योगिक उत्सर्जन से हवा की गुणवत्ता खराब ही होती है। जिससे सांस संबंधी रोगों को बढ़ावा मिलता है। ये स्थितियां लोगों के जीवन की गुणवत्ता में गिरावट ही पैदा करती हैं। विडंबना यह है कि पर्यावरण की दृष्टि से बेहद संवेदनशील इलाकों, विशेष रूप से देश के नेशनल कैपिटल रीजन यानी एनसीआर में काम करने वाली औद्योगिक इकाइयों को अपनी जिम्मेदारी व जवाबदेही का अच्छे से पता होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इसके बावजूद हजारों इकाइयां नियमों को ताक पर रखकर मुनाफा कमाने में लगी हैं, वह भी हजारों लोगों की सांसों की कीमत पर। यह नियामक तंत्र द्वारा नियमों को लागू करने और जवाबदेही तय करने में बड़ी नाकामी को ही दशार्ता है। इस जटिल समस्या का समाधान सिर्फ नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। वह बात अलग है कि कुछ छोटी और मध्यम दर्जे की कंपनियों को साफ-सुथरी टेक्नोलॉजी अपनाने के लिये तकनीकी सहायता और आर्थिक मदद की जरूरत हो सकती है।

चिंतन-मनन

खुद में करो भगवान के दर्शन

यज्ज्ञात्वा न पुनर्मोहमेवं यास्यसि पाण्डव ।
येन भूतान्यशेषाणि द्रक्ष्यस्यात्मन्यथो मयि।।

अथार्तः हे पांडव! जिस ज्ञान को जानकर फिर तुम मोह में नहीं पड़ोगे, उस ज्ञान से तुम यह जान सकोगे कि जो कुछ भी है वह उसी परमात्मा की वजह से ही है। गुरु, शिष्य को ज्ञान नहीं देता, बल्कि शिष्य की श्रद्धा गुरु से ज्ञान लेती है। उस ज्ञान से साधक का नजरिया बदलने लगता है। उसमें काम, प्रोध, लोभ, मोह जैसी बुराइयां कमजोर पड़ने लगती हैं। ज्ञान बढ़ता जाता है और अज्ञान खत्म होता जाता है। धीरे-धीरे शिष्य की सभी बुराइयां खत्म होने लगती हैं। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि ज्ञान की अग्नि मन में पड़े संस्कारों के बीज भी जला डालती है और मोह आदि विकार भस्म हो जाते हैं। इसलिए आत्मज्ञान हो जाने के बाद इंसान को मोह परेशान नहीं करता, क्योंकि यह मोह ही था, जिसके कारण अर्जुन कौरव सेना से युद्ध नहीं कर रहे थे।

आगे भगवान कहते हैं कि इस आत्मज्ञान को पाकर पहले तुम अपने में सभी पुराने कर्मों को देखोगे और फिर उनको मुझ में देखोगे। यानी ज्ञान हो जाने के बाद साधक को पहले भगवान अपने भीतर दिखता है, फिर वही भगवान सब जगह दिखाई पड़ने लगता है। वरना हम मूर्ति में तो भगवान को देख लेते हैं, लेकिन अपने भीतर नहीं देख पाते, जबकि प्रक्रिया इससे उलट है। पहले अपने में भगवान का दर्शन करो, फिर सब में उसी को ही देखो।

राम-राम जपना,चढ़ावे का मालअपना ?

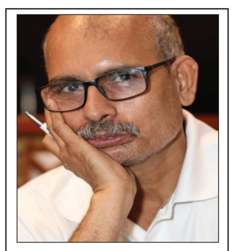

विनोद कुमार सिंह

भारत की पहचान केवल उसकी भौगोलिक सीमाओं,भाषाई विविधता या सांस्कृतिक विरासत से नहीं होती,बल्कि उसकी गहरी धार्मिक चेतना और आस्था से भी होती है।यहाँ मंदिर केवल पूजा- अर्चना के स्थल नहीं हैं,बल्कि समाज की भावनाओं,विश्वासों और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्र भी हैं। करोड़ों लोग अपने आराध्य के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने के लिए मंदिरों में दान,दक्षिणा,चढ़ावा और सेवा अर्पित करते हैं।यह दान केवल आर्थिक लेन-देन नहीं होता,बल्कि भक्त और भगवान के बीच विश्वास का एक आध्यात्मिक सेतु होता है। यही कारण है कि जब किसी धार्मिक संस्था,ट्रस्ट या मंदिर के प्रबंधन को लेकर प्रश्न उठते हैं,तब मामला केवल प्रशासनिक या आर्थिक नहीं रह जाता,बल्कि सीधे- सीधे आस्था,विश्वास और जवाबदेही से जुड़ जाता है।

ऐसे समय में लोकजीवन में प्रचलित एक पुरानी कहावत अचानक चर्चा के केंद्र में आ जाती है- 'राम-राम जपना,चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत किसी धर्म, देवता या आस्था का उपहास नहीं करती,बल्कि उन प्रवृत्तियों पर व्यंग्य करती है जो धर्म और नैतिकता की बात तो करती हैं, किंतु व्यवहार में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व से दूर दिखाई देती हैं। आज जब अयोध्या का राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बन चुका है,तब यह कहावत कुछ असहज किंतु आवश्यक प्रश्न भी खड़े करती है।अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण केवल एक धार्मिक परियोजना नहीं था।यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े जन आंदोलनों में से एक था।दशकों तक चले संघर्ष,सामाजिक विमर्श, राजनीतिक बहसों और न्यायिक प्रक्रिया के बाद जब मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, तब देश के कोने-कोने से लोगों ने इसे अपनी व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर सहयोग दिया। गाँवों से लेकर महानगरों तक,भारत से लेकर विदेशों तक,करोड़ों लोगों ने आर्थिक और भावनात्मक रूप से इस अभियान में भागीदारी की।

किसी ने एक रुपया दिया,किसी ने लाखों रुपये का दान किया।अनेक श्रद्धालुओं ने सोना,चाँदी,हीरे,मोती और बहुमूल्य रत्न अर्पित किए। कई परिवारों ने पीढ़ियों से संभालकर रखे गए आभूषण रामलला को समर्पित कर दिए। महिलाओं ने अपने विवाह के गहने तक दान कर दिए।बुजुर्गों ने अपनी जीवनभर की बचत का हिस्सा भगवान के चरणों में अर्पित किया। यह केवल आर्थिक योगदान नहीं था,बल्कि श्रद्धा,समर्पण और विश्वास की अभिव्यक्ति थी।

राम मंदिर आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यही रही कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी दिखाई दी। गरीब,मध्यमवर्गीय और संपन्न - सभी ने अपनी क्षमता के अनुसार योगदान दिया।यही कारण है कि मंदिर से जुड़ा प्रत्येक संसाधन केवल संपत्ति नहीं,बल्कि करोड़ों लोगों के विश्वास का प्रतीक माना जाता है।लोगों ने यह मानकर दान दिया कि उनका योगदान भगवान राम के भव्य मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक-सांस्कृतिक उद्देश्यों की पूर्ति में लगेगा।भारतीय संस्कृति में दान और चढ़ावे की परंपरा अत्यंत प्राचीन है।मंदिरों को सदियों से समाज ने केवल पूजा स्थलों के रूप में नहीं,बल्कि लोककल्याण के केंद्र के रूप में भी देखा है।इतिहास गवाह है कि अनेक मंदिरों ने शिक्षा,चिकित्सा,सामाजिक सहायता और सांस्कृतिक संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। श्रद्धालु जब मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते हैं,तब वे केवल धन नहीं देते, बल्कि संस्था के प्रति अपना विश्वास भी सौंपते हैं।यही विश्वास किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है।यही कारण है कि जब चढ़ावे में प्राप्त बहुमूल्य वस्तुओं, आभूषणों और रत्नों के संबंध में किसी प्रकार की अनियमितता,चोरी अथवा अभिलेखीय विसंगतियों की चर्चा सामने आती है,तो समाज में स्वाभाविक रूप से चिंता उत्पन्न होती है।पिछले कुछ समय से विभिन्न माध्यमों में ऐसी खबरें और आरोप चर्चा का विषय बने कि श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई कुछ बहुमूल्य वस्तुओं के संबंध में प्रश्न उठे हैं।कुछ शिकायतों में यह आशंका व्यक्त की गई कि चढ़ावे में प्राप्त मूल्यवान वस्तुओं के रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति को लेकर पारदर्शिता अपेक्षित स्तर की नहीं है।इन चचाओं ने मामले को सार्वजनिक विमर्श का विषय बना दिया और जाँच एजेंसियों की संभावित भूमिका को लेकर भी प्रश्न उठने लगे।यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि किसी भी आरोप को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप,जाँच और न्यायिक निष्कर्ष तीन अलग-अलग चरण होते हैं।केवल आरोपों के आधार पर किसी संस्था या व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। साथ ही जब मामला करोड़ों लोगों की आस्था से जुड़ा हो,तब उठ रहे प्रश्नों को केवल अफवाह कहकर खारिज कर देना भी उचित नहीं माना जा सकता।जनविश्वास बनाए रखने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों अनिवार्य हैं।राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं,बल्कि राष्ट्रीय भावना, सांस्कृतिक चेतना और सभ्यतागत स्मृति का प्रतीक है।इसीलिए उससे जुड़े प्रत्येक निर्णय,प्रत्येक व्यवस्था और प्रत्येक संसाधन पर समाज की निगाह रहती है। श्रद्धालु यह जानना चाहते हैं कि उनके द्वारा समर्पित धन और बहुमूल्य वस्तुओं का संरक्षण किस प्रकार किया जा रहा है,उनका लेखा-जोखा कैसे रखा जा रहा है,क्या स्वतंत्र ऑडिट की व्यवस्था है,क्या समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी की जाती है तथा क्या चढ़ावे का पूरा रिकॉर्ड सुरक्षित और सत्यापित रूप में उपलब्ध है।ये प्रश्न किसी धर्म, व्यक्ति या संस्था विशेष के विरोध में नहीं हैं।वास्तव में ये प्रश्न उन करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा से जुड़े हैं जिन्होंने राम मंदिर निर्माण को अपना व्यक्तिगत और सांस्कृतिक दायित्व मानकर सहयोग दिया था।लोकतांत्रिक समाज में पारदर्शिता को अविश्वास का प्रतीक नहीं,बल्कि विश्वास को और अधिक मजबूत करने का माध्यम माना जाता है।यहीं पर राम मंदिर निर्माण और उसके संचालन से जुड़ी प्रबंधन व्यवस्था तथा प्रबंधन समिति की भूमिका चर्चा के केंद्र में आ जाती है।किसी भी बड़े धार्मिक संस्थान की विश्वसनीयता केवल उसकी भव्यता से निर्धारित नहीं होती।उसके प्रशासनिक मानक,वित्तीय अनुशासन और जवाबदेही भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।यदि प्रबंधन व्यवस्था पारदर्शी,व्यवस्थित और उत्तरदायी दिखाई देती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास स्वतः बढ़ता है।यदि कहीं अस्पष्टता या सूचना का अभाव दिखाई देता है,तो प्रश्न उठना स्वाभाविक हो जाता है।

जब किसी संस्था को जनता का व्यापक समर्थन और संसाधन प्राप्त होते हैं,तब उसके साथ जवाबदेही भी जुड़ जाती है।श्रद्धालु यह अपेक्षा करते हैं कि मंदिर से जुड़े सभी आर्थिक और प्रशासनिक कार्य पूर्ण पारदर्शिता के साथ संचालित हों।यदि कहीं कोई शिकायत या संदेह उत्पन्न होता है, तो उसका समाधान तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर किया जाए। यही किसी भी प्रतिष्ठित संस्था की साख को मजबूत करने का सबसे प्रभावी तरीका है।भारत का संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था यह स्पष्ट करती है कि कोई भी संस्था कानून से ऊपर नहीं है।चाहे वह धार्मिक संस्था हो,सामाजिक संगठन हो,राजनीतिक दल हो अथवा कोई बड़ी कॉरपोरेट इकाई -सभी के लिए कानून समान है। इसलिए यदि किसी प्रकार की शिकायत सामने आती है,तो जाँच एजेंसियों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है।हालाँकि जाँच एजेंसियों की भूमिका को लेकर भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है।किसी संस्था के विरुद्ध जाँच होना अपराध सिद्ध होने का प्रमाण नहीं होता।जाँच का उद्देश्य दोषी ठहराना नहीं,बल्कि सत्य तक पहुँचना होता है।यदि सब कुछ व्यवस्थित और पारदर्शी है, तो जाँच संस्था की विश्वसनीयता को और मजबूत कर सकती है।यदि कहीं कोई त्रुटि या अनियमितता है, तो उसका सामने आना भी आवश्यक है।यही कानून के शासन का मूल आधार है।दुर्भाग्य से समाज में अक्सर दो चरम स्थितियाँ देखने को मिलती हैं।एक वर्ग बिना किसी निष्कर्ष के ही आरोपों को सत्य मान लेता है।दूसरा वर्ग केवल भावनाओं के आधार पर हर प्रश्न को साजिश घोषित कर देता है।दोनों ही दृष्टिकोण स्वस्थ लोकतांत्रिक विमर्श के लिए उचित नहीं हैं।सत्य तक पहुँचने का मार्ग तथ्यों,प्रमाणों और निष्पक्ष जाँच से होकर गुजरता है।

भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति में मयार्दा,न्याय और सत्य के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं।रामराज्य की अवधारणा केवल धार्मिक भावना नहीं,बल्कि सुशासन का आदर्श भी है।रामराज्य का अर्थ ऐसी व्यवस्था से है जहाँ शासन पारदर्शी हो,न्याय निष्पक्ष हो और जनता का विश्वास सर्वोपरि हो। वहाँ राजा स्वयं भी नैतिक जवाबदेही से मुक्त नहीं था। यही कारण है कि भगवान राम आज भी केवल धार्मिक श्रद्धा के विषय नहीं,बल्कि आदर्श शासन और नैतिक नेतृत्व के प्रतीक माने जाते हैं।यदि राम के नाम पर निर्मित किसी संस्था या व्यवस्था में पारदर्शिता की माँग उठती है,तो उसे विरोध के रूप में नहीं,बल्कि रामराज्य के आदर्शों के अनुरूप सुधार की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए।आखिर मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम का जीवन स्वयं सत्य,मयार्दा और उत्तरदायित्व का संदेश देता है।इतिहास गवाह है कि धर्म का उद्देश्य सदैव समाज को नैतिक दिशा देना रहा है।मंदिरों और धार्मिक संस्थाओं ने शिक्षा, सेवा, समाज-सुधार तथा जनकल्याण के अनेक कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।भारतीय समाज में धार्मिक संस्थाओं के प्रति सम्मान का एक बड़ा कारण उनकी सेवा-परंपरा भी रही है।इस कारण जब किसी प्रतिष्ठित धार्मिक संस्था पर कोई प्रश्न उठता है, तो उसका प्रभाव केवल उस संस्था तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक सामाजिक विश्वास को भी प्रभावित करता है।समय-समय पर कुछ लोगों ने धर्म की आड़ में अपने निजी हितों को साधने का प्रयास भी किया है। ऐसे लोगों के कारण न केवल संस्थाओं की छवि प्रभावित होती है,बल्कि वास्तविक धार्मिक मूल्यों को भी क्षति पहुँचती है। यही कारण है कि समाज में यह कहावत जन्मी–'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना।' यह कहावत आज भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि यह मानव स्वभाव की उस कमजोरी की ओर संकेत करती है, जिसमें व्यक्ति धार्मिकता का प्रदर्शन तो करता है, किंतु उसके आचरण में ईमानदारी और जवाबदेही का अभाव होता है। यदि किसी धार्मिक संस्था में चढ़ावे या दान से संबंधित कोई अनियमितता होती है,तो वह केवल आर्थिक अपराध नहीं रह जाता। वह श्रद्धालुओं के विश्वास के साथ भी विश्वासघात बन जाता है।

विश्वास किसी भी धार्मिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पूँजी होता है। सोना-चाँदी और बहुमूल्य रत्नों की कीमत बाजार तय करता है,किंतु श्रद्धालुओं की भावनाओं की कोई कीमत नहीं लगाई जा सकती। इसलिए यदि कभी किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न हो,तो उसका समाधान शीघ्र,निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से होना चाहिए।

आज तकनीक ने पारदर्शिता के अनेक साधन उपलब्ध करा दिए हैं। डिजिटल रिकॉर्ड,ऑनलाइन ऑडिट,वीडियो निगरानी,संपत्ति का सार्वजनिक अभिलेखीकरण, स्वतंत्र लेखा परीक्षण और समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्टिंग जैसी व्यवस्थाएँ किसी भी धार्मिक संस्था की विश्वसनीयता को मजबूत कर सकती हैं।राम मंदिर जैसे विश्वस्तरीय धार्मिक केंद्र में ऐसी व्यवस्थाएँ केवल प्रशासनिक औपचारिकताएँ नहीं,बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास की सुरक्षा का माध्यम हैं।समय की माँग है कि धार्मिक संस्थाओं में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को बोझ नहीं,बल्कि प्रतिष्ठा का आधार माना जाए। जितनी बड़ी संस्था होगी, उतनी ही बड़ी जवाबदेही भी होगी। यह सिद्धांत लोकतंत्र, प्रशासन और धार्मिक संस्थाओं - सभी पर समान रूप से लागू होता है।

आवश्यकता इस बात की है कि आस्था और जवाबदेही को एक-दूसरे का विरोधी नहीं,बल्कि सहयोगी माना जाए।जहाँ पारदर्शिता होगी, वहाँ संदेह कम होंगे। जहाँ जवाबदेही होगी, वहाँ विश्वास मजबूत होगा।जहाँ विश्वास मजबूत होगा,वहाँ आस्था की गरिमा स्वतः सुरक्षित रहेगी।

अंततः 'राम-राम जपना, चढ़ावे का माल अपना' केवल एक व्यंग्यात्मक कहावत नहीं, बल्कि समाज को सचेत करने वाला दर्पण है। यह हमें याद दिलाती है कि धर्म का वास्तविक आधार ईमानदारी, सत्य,सेवा और नैतिकता है।राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है,इसलिए उससे जुड़ी हर व्यवस्था को संदेह से ऊपर, पारदर्शी और उत्तरदायी होना चाहिए।यदि कहीं कोई शिकायत है,तो उसकी निष्पक्ष जाँच होनी चाहिए।यदि कोई आरोप है,तो उसका तथ्यात्मक परीक्षण होना चाहिए। यदि सब कुछ सही है, तो उसे सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया जाना चाहिए।इससे न केवल विवादों का समाधान होगा,बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और अधिक मजबूत होगा।

भगवान राम केवल श्रद्धा के नहीं, बल्कि सत्य, न्याय और मयार्दा के भी प्रतीक हैं।राम के मंदिर की वास्तविक शक्ति उसकी भव्यता, ऊँचे शिखरों या बहुमूल्य चढ़ावों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में है जो करोड़ों लोगों ने उसमें समर्पित किया है।उस विश्वास की रक्षा करना ही आज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।यही रामभक्ति की कसौटी है,यही सुशासन की पहचान है और यही वह मार्ग है जिस पर चलकर आस्था,पारदर्शिता और जवाबदेही तीनों साथ-साथ आगे बढ़ सकते हैं।

गुस्से में थार लेकर पहुंचा जीजा, पिस्टल से साले पर चला दी गोली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रामपुर। यूपी के रामपुर में एक पारिवारिक विवाद ने ऐसा मोड़ लिया कि बात सीधे गोलीबारी तक पहुंच गई. आरोप है कि एक शख्स अपनी पत्नी को वापस घर भेजने की मांग कर रहा था. ससुराल वालों ने मना किया तो उसने पहले फोन पर धमकी दी. फिर थार गाड़ी लेकर पहुंचा और अपने ही साले पर फायरिंग कर दी. पूरी घटना CCTV कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है. मामला रामपुर के स्वार थाना क्षेत्र का है. यहां जीशान अली नाम का युवक अपने परिवार के साथ रहता है. जीशान का आरोप है कि करीब तीन महीने पहले उसके बहनोई ने उसकी बहन को मारपीट कर घर से निकाल दिया था. परिवार का कहना है कि महिला की मानसिक हालत भी बिगड़ गई थी और उसका इलाज चल रहा है. जीशान ने कहा कि बहन अपनी याददाश्त भी खो चुकी थी, उसे मेंटली टॉर्चर किया है. उसका ट्रीटमेंट चल रहा है. अब वह प्रेशर बना रहे थे कि उसको घर भेजो, पहले भी बात हुई थी तो हमने कहा था कि हम अभी नहीं भेजेंगे. पहले बहन का ट्रीटमेंट करवाएंगे. पीड़ित युवक ने कहा कि जब बहन को नहीं भेजा तो बहनोई ने हमें फोन किया और गाली गलौज की. बोले कि मैं तुझे गोली मारूंगा, हमने यह बात पिता को बताई. फिर उन्होंने दोबारा कॉल किया. पिता से भी गाली-गलौज की. फिर यह थार से आए. हम केबिन में बैठे थे, उसमें गाड़ी से टक्कर मार दी. फिर पिस्तौल निकाली, सामने से गोली मार दी. मैं बच गया और तुरंत 112 को कॉल कर पुलिस को सूचना दी. पुलिस मौके पर आ गई थी. इसने फायरिंग शुरू कर दी और एक महिला कॉन्स्टेबल को धक्का भी दिया. आखिर में तीसरी गोली मेरी टांग में लग गई. मैंने उसकी पिस्तौल छीन ली और यह पुलिस को सौंप दी.

इंदौर सहित मालवा रीजन में 5 लाख नौकरियां और 14 इंडस्ट्रियल पार्क

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विजन के साथ द्वस्क्र मध्यप्रदेश की प्रगति का नया प्रवेश द्वार बनने जा रहा है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत विकास की अवधारणा को इंदौर जैसे बड़े शहरों से जोड़कर आसपास के अंचल के छोटे कस्बों और तहसीलों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। यही कारण है कि इस रीजन का दायरा 6 बार बढ़ाकर अब 16,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक कर दिया गया है। अब इंदौर के साथ उज्जैन, देवास, धार, रतलाम और शाजापुर जैसे 6 जिलों की 38 तहसीलें और 2,781 गांव तेजी से डेवलप होंगे। जहां सवा करोड लोग निवास करते हैं। यह रणनीतिक ढांचा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @2047' के सपने को साकार करने में मध्यप्रदेश की अग्रणी भागीदारी सुनिश्चित करेगा। मालवा क्षेत्र को एक ग्लोबल मैन्युफेक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने के लिए यूआईएमआर के पास 13,500 हेक्टेयर से अधिक का विशाल लैंड बैंक और 14 नए प्रस्तावित औद्योगिक पार्क हैं। इस औद्योगिक क्रांति के माध्यम से स्थानीय युवाओं के लिए 5 लाख नई नौकरियों के अवसर सृजित होने का अनुमान है। पीथमपुर को इलेक्ट्रिक व्हीकल और उन्नत इंजीनियरिंग के नए युग के लिए तैयार किया जा रहा है, जबकि उज्जैन की विक्रम उद्योगपुरी को एक 'एंकर सिटी' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके अलावा, रतलाम को एक प्रमुख लॉजिस्टिक्स और ट्रेड नोड बनाकर निर्यात हब के रूप में नई पहचान दी जाएगी। इसकी सफलता का सबसे बड़ा आधार इसका अभूतपूर्व कनेक्टिविटी विजन है, जिसका लक्ष्य पूरे 16,000 वर्ग किमी क्षेत्र में '60 मिनट की पहुँच' सुनिश्चित करना है। इसके लिए इंदौर और उज्जैन के बीच एक 'ग्रीनफील्ड कॉरिडोर' और इंदौर-भोपाल एक्सप्रेसवे जैसे मेगा प्रोजेक्ट्स पर काम शुरू हो चुका है। उज्जैन इंदौर मेट्रो विस्तार योजना के तहत पब्लिक ट्रांसपोर्ट को उन्नत बनाया जाएगा, ताकि नागरिक महज एक घंटे के भीतर मुख्य आर्थिक केंद्रों तक पहुंच सकें। यह रीजन सीधे दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) और एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा, जिससे यहां के कारखानों में बना सामान कुछ ही घंटों में प्रमुख बंदरगाहों तक पहुँच सकेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के पहले चरण की नींव रखकर विकास के एक नए युग की शुरुआत की है। यह देश का ऐसा पहला लैंड पूलिंग मॉडल है, जहां 17 गांवों के किसानों को उनकी 60' विकसित जमीन वापस दी जाएगी.

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, सिर्फ फिट घोषित नर्सिंग कॉलेजों के छात्र ही दे पाएंगे जीएनएम थर्ड ईयर की परीक्षा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश के बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले में आखिरकार उन हजारों छात्रों के लिए राहत भरी खबर आई है, जो लंबे समय से अपने भविष्य को लेकर अधर में लटके थे। एमपी हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच ने नर्सिंग काउंसिल को उन कॉलेजों के लिए तहरू थर्ड ईयर की परीक्षाएं आयोजित करने की अनुमति दे दी है, जिन्हें कोर्ट ने 'फिट' माना है। इसके साथ ही, सत्र 2022-23 के तहरू फर्स्ट ईयर के रिजल्ट जारी करने का रास्ता भी साफ हो गया है।

केवल 'फिट' कॉलेजों को एंट्री

जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस बी पी शर्मा की खंडपीठ ने इस मामले में बेहद सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट कर दिया है कि जो कॉलेज सीबीआई जांच और अदालती मानकों में अनफिट पाए गए हैं, उन्हें किसी भी सूरत में इस परीक्षा प्रक्रिया में शामिल होने की इजाजत नहीं दी जाएगी। यह पूरी कानूनी लड़ाई लॉ स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल द्वारा दायर एक जनहित याचिका के बाद शुरू हुई थी, जिसमें राज्य भर में बिना इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टाफ के कुकुरमुत्ते की तरह खुले फर्जी नर्सिंग कॉलेजों का भंडाफोड़ किया गया था।

695 में से सिर्फ इतने कॉलेज ही बचा पाए अपनी लाज

इस पीआईएल पर संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट ने पूरे मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की साख की सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। सीबीआई की जांच रिपोर्ट बेहद चौंकाने वाली रही, जहां कुल 695 नर्सिंग कॉलेजों में से केवल 165 कॉलेज ही संचालन के लिए पूरी तरह योग्य पाए गए। हालांकि, कोर्ट ने नरम रुख अपनाते हुए 89 ऐसे कॉलेजों को एक मौका दिया था जिन्होंने अपनी कमियों और खामियों को दूर करने के सुधारात्मक कदम उठाए। इन 89 कॉलेजों को भी बाद में फिट घोषित कर दिया गया, जबकि बाकी बचे सभी दागी और फर्जी कॉलेजों को अनफिट मानकर हमेशा के लिए बंद करने के निर्देश दे दिए गए हैं।

भोपाल के अस्पताल से गायब 6 साल का बच्चा मथुरा में मिला, पातालकोट एक्सप्रेस से अकेले पहुंचा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। राजधानी के कोहफिजा थाना क्षेत्र के अंतर्गत रॉयल मार्केट के एक निजी अस्पताल से मंगलवार सुबह रहस्यमयी तरीके से गायब हुआ छह साल का मासूम अंश मैना चार दिन बाद उत्तर प्रदेश के मथुरा में सही-सलामत मिल गया है। वह अस्पताल से अकेले भटकते हुए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचा और वहां से पातालकोट एक्सप्रेस में सवार हो गया था। शुक्रवार को भोपाल पुलिस की एक टीम मथुरा पहुंची और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी के साथ कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद अंश को वापस लेकर आई। अंश मंगलवार सुबह अपनी मां के साथ अस्पताल आया था, जो वहां पीलिया का इलाज कराने के लिए भर्ती थीं। सुबह करीब साढ़े नौ बजे वह अस्पताल परिसर से बाहर निकला और वापस नहीं लौटा, जिसके बाद परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस को जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज में बच्चा एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति के साथ दिखा। पूछताछ के बाद पुलिस को पता चला कि दोनों नूरमहल, इमामी गेट और घोड़ा नक्कास होते हुए नवबहार सब्जी मंडी तक साथ गए थे और फिर अलग हो गए। नवबहार सब्जी मंडी से अलग होने के बाद अंश अकेले ही आगे की तरफ बढ़ता रहा। वह नादरा बस स्टैंड और मंगलवारा जैसे व्यस्त इलाकों से होते हुए करीब चार किलोमीटर पैदल चला। 16 और 17 जून की दरमियानी रात को वह किसी तरह भोपाल मुख्य रेलवे स्टेशन पहुंच गया। स्टेशन के सीसीटीवी कैमरे में वह अकेले ही पातालकोट एक्सप्रेस ट्रेन के भीतर चढ़ता हुआ दिखाई दिया।

पुलिस और आरपीएफ के ज्वाइंट एक्शन से मिली सफलता

ट्रेन का रूट ट्रैक करते हुए भोपाल पुलिस ने तुरंत रेलवे अथॉरिटी और आरपीएफ को अलर्ट भेजा। मथुरा स्टेशन पर तैनात आरपीएफ जवानों ने ट्रेन में एक बच्चे को अकेले बैठे देखकर उसे अपनी सुरक्षा में ले लिया। पुलिस ने बताया कि अंश मानसिक रूप से पूरी तरह ठीक नहीं है और स्कूल भी नहीं जाता। इस मामले में किसी तरह के अपहरण या साज़िश की बात सामने नहीं आई है। इस बड़े सर्च ऑपरेशन में करीब एक दर्जन थानों के 100 से अधिक पुलिसकर्मी शामिल थे।

अस्पताल में ड्रिप लगाने को लेकर नर्स और तीमारदारों में झड़प, दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस जांच शुरू

अस्पताल के मेल मेडिकल वार्ड में गुरुवार को ड्रिप लगाने की बात पर एक नर्स और दो तीमारदारों के बीच तीखी झड़प हो गई।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुरैना। मध्य प्रदेश के मुरैना जिला अस्पताल से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां गुरुवार को मेल मेडिकल वार्ड में एक ड्यूटी नर्स और दो तीमारदारों के बीच ड्रिप चढ़ाने को लेकर जमकर कहासुनी और झड़प हुई। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस महकमा हरकत में आया है। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतें दर्ज कर ली हैं और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। अस्पताल प्रबंधन ने इस मामले में नर्स के फैसले का समर्थन किया है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब वार्ड में भर्ती एक मरीज के तीमारदार राहुल दंडोतिया ने ड्यूटी नर्स से अपने रिश्तेदार को तुरंत आईवी ड्रिप लगाने की मांग की। नर्स का कहना था कि वह उस वक्त एक बेहद गंभीर मरीज का इलाज कर रही थीं और नियमों के मुताबिक आपातकालीन मामलों को प्राथमिकता देना उनकी जिम्मेदारी थी। इसी बात को लेकर तीमारदार नाराज हो गए और बहस शुरू हो गई। नर्स का आरोप है कि राहुल और उसके साथी ने खुद को बीजेपी नेता बताते हुए धौंस जमाने की कोशिश की। तीमारदारों ने प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना के साथ अपनी एक तस्वीर दिखाकर रौब झाड़ा। शिकायत के मुताबिक, आरोपियों ने नर्स पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और नौकरी से बर्खास्त कराने की धमकी दी। विवाद बढ़ने पर नर्स ने उन्हें सलाह दी कि अगर वे इंतजार नहीं कर सकते, तो मरीज को निजी अस्पताल ले जाएं। दूसरी ओर, तीमारदारों ने नर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बहस के दौरान उसने उन पर ड्रिप की बोतल फेंकी थी।

अस्पताल प्रबंधन ने नर्स के रुख को सही बताया

इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए अस्पताल के अधिकारियों ने साफ किया है कि ड्यूटी पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आपातकालीन और गंभीर मरीजों के इलाज को प्राथमिकता देना पूरी तरह से सही फैसला था।

एक और NEET छात्र ने की आत्महत्या, कमरे में फंदे से लटका मिला शव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजियाबाद। उत्तरप्रदेश के गाजियाबाद के विजय नगर क्षेत्र में 22 वर्षीय NEET अभ्यर्थी ने आत्महत्या कर ली. छात्र अपने कमरे में फंदे से लटका मिला, जबकि मौत से पहले बनाया गया एक वीडियो भी पुलिस को मिला है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. गाजियाबाद में नीट परीक्षा की तैयारी कर रहे 22 साल के एक छात्र ने अपने कमरे में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली. खुदकुशी करने से पहले छात्र ने एक भावुक वीडियो भी रिकॉर्ड किया, जिसमें उसने अपनी मौत की वजह बयां की है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है. यह घटना गाजियाबाद के विजयनगर थाना क्षेत्र की है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 22 वर्षीय छात्र लंबे समय से नीट परीक्षा पास करने की कोशिश कर रहा था. लगातार कई प्रयासों के बाद भी सफलता न मिलने से वह बेहद तनाव में था. गुरुवार की रात वह रोजाना की तरह अपने कमरे में पढ़ने के लिए गया था. अगली सुबह जब काफी देर तक कमरा नहीं खुला, तो परिजनों ने भीतर जाकर देखा, जहां उसका शव फंदे से लटका मिला. घटना की सूचना मिलते ही विजयनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से जरूरी सबूत जुटाए. जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि छात्र ने आत्महत्या से पहले अपने मोबाइल में एक वीडियो रिकॉर्ड किया था. इस वीडियो में उसने कहा कि वह कई प्रयासों के बाद भी NEET परीक्षा पास नहीं कर पाया, जिसके कारण वह मानसिक दबाव में था. वीडियो में उसने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी मौत के लिए कोई भी जिम्मेदार नहीं है. कोतवाली की एसीपी उपासना पांडेय ने मामले की पुष्टि की है.

हर्निया की जगह कर दी आंत की सर्जरी! लखनऊ KGMU के डॉक्टर पर गंभीर आरोप,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। केजीएमयू के गैस्ट्रो सर्जरी विभाग के हेड डॉ. अभिजीत चंद्रा के खिलाफ इलाज में कथित लापरवाही की शिकायत पर शासन ने जांच के आदेश दिए हैं। चिकित्सा शिक्षा विभाग ने मंडलायुक्त लखनऊ को मामले की जांच कर 15 दिन में रिपोर्ट उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं। शिकायतकर्ता राजकुमार सिंह ने सीएम और चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि वर्ष 2022 में उन्हें हर्निया की समस्या थी। केजीएमयू में भर्ती कर उनका ऑपरेशन किया गया। उन्हें बताया गया कि हर्निया की सर्जरी की जाएगी, लेकिन ऑपरेशन आंत का कर दिया गया। आरोप है कि इस प्रक्रिया में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई और कई तरह की शारीरिक परेशानियों का सामना करना पड़ा।

दोबारा सर्जरी और लंबे इलाज का दावा

शिकायतकर्ता के मुताबिक, सर्जरी के बाद स्थिति गंभीर होने पर 1 अक्टूबर, 2022 को दोबारा ऑपरेशन करना पड़ा। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्हें लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और कई महीने तक स्टोमा बैग के सहारे जीवन बिताना पड़ा। इसके कारण उन्हें शारीरिक के साथ मानसिक और आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ा।

शासन ने लिया संज्ञान

मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने 9 जून, 2026 को जारी पत्र में मंडलायुक्त लखनऊ को जांच के निर्देश दिए हैं। सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच करवा कर 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट उपलब्ध करवाने का निर्देश है।

भाभी का देवर से था अफेयर, पति ने किया विरोध तो कर दी हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आगरा। के सदर बाजार क्षेत्र में 32 वर्षीय सोलू की हत्या का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया. जांच में पता चला कि मृतक की पत्नी और उसके छोटे भाई भोला के बीच अवैध संबंध थे. सोलू को इसकी जानकारी होने पर वह लगातार विरोध कर रहा था. इसी वजह से दोनों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को घर के पास खेत में फेंक दिया. आगरा में अवैध सम्बन्ध के चलते एक भाई अपने ही बड़े भाई की जान का दुश्मन बन बैठा. उसने अपनी ही भाभी के साथ मिलकर अपने ही भाई को मौत के घाट उतार दिया. इतना ही नहीं, हत्या के बाद शव को खेत में ले जाकर फेंक दिया. शव बरामदगी के बाद जांच में जुटी पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा महज 24 घंटे के अंदर ही कर दिया दरअसल बुधवार को थाना सदर बाजार क्षेत्र के सुल्तानपुरा में खेत किनारे एक शव पड़ा हुआ मिला था. शव पर चोट के निशान थे. आशंका थी कि हत्या के बाद शव फेंका गया होगा. मृतक की शिनाख्त 32 साल के सोलू के रूप में हुई थी. सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की और डीसीपी सिटी ने खुलासे के लिए 5 टीमों का गठन किया. मामले की जांच कर रही पुलिस को जब सच्चाई पता चली जो वह भी दंग रह गई. मृतक सोलू की शादी 3 महीने पहले ही हुई थी. परिवार में सोलू के साथ में उसका छोटा भाई भोला भी रहता था. शादी के बाद भोला के अवैध सम्बन्ध उसकी भाभी यानी कि सोलू की पत्नी से हो गए थें. इसकी जानकारी जब सोलू को हुई तो उसने विरोध किया. जिसके बाद सोलू की पत्नी और उसके छोटे भाई ने हत्या की साज़िश रची. दोनों ने मिलकर पहले तो सोलू की हत्या की और फिर शव को घर के पास ही खेत में फेंक दिया. इसके बाद दोनों शातिर पहले तो पुलिस को चकमा देते रहे, लेकिन जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर .

सरकारी स्कूलों में मिड डे मील बनाने वाले रसोइयों के लिए गुड न्यूज, रिटायरमेंट उम्र 62 साल करने की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। बेसिक स्कूलों में मध्याह्न भोजन बनाने वाले रसोइयों की रिटायरमेंट की उम्र 62 साल हो सकती है। हाल ही में कई स्तर पर हुई बैठकों के बाद मध्याह्न भोजन प्राधिकारण इनकी सेवा नियमावली बनाए जाने का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। नियमावली बनने के बाद अन्य संविदाकर्मियों की तरह छुट्टियों और नियुक्ति प्रक्रिया सहित कई सेवा शर्तें इन पर भी भी लागू होंगी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर 2004 में कक्षा एक से पांच तक के स्कूलों में बच्चों को पका हुआ भोजन दिए जाने की योजना लागू की गई थी। उसके बाद 2007 में पिछड़े ब्लॉक के अपर प्राइमरी स्कूलों में और 2008 में सभी अपर प्राइमरी स्कूलों में मध्याह्न भोजन की योजना लागू कर दी गई। वर्तमान में 1.41 लाख स्कूलों के 1.52 करोड़ बच्चों को पका हुआ भोजन दिया जा रहा है। इसके लिए 3.63 लाख रसोइये स्कूलों में कार्यरत हैं। रसोइयों को 2000 रुपये प्रति माह मानदेय दिया जाता है, लेकिन इनकी अब तक सेवा शर्तें नहीं बनीं। ग्राम समिति इनका चयन करती हैं। कुछ रसोइये 70-75 साल की उम्र में भी कार्यरत हैं। वहीं, ग्राम समिति चाहती है तो किसी को कभी भी हटा देती है। इनकी सेवानिवृत्ति की कोई आयु सरकार ने तय नहीं की है। वहीं, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को 11 महीने का मानदेय मिलता है, लेकिन रसोइयों को 10 माह का ही मानदेय मिलता है। अब इनकी सेवा शर्तें बनाने की तैयारी की जा रही है। हाल ही में रसाइयों के प्रदर्शन के बाद अधिकारियों के साथ उनकी बैठकें हुईं। मध्याह्न भोजन प्राधिकरण, शिक्षा विभाग और शासन स्तर के अधिकारियों ने भी मंथन किया। उसके बाद प्राधिकरण को इस बाबत प्रस्ताव करने के लिए कहा गया है। इनकी रिटायरमेंट उम्र 62 साल की जा सकती है। सेवा शर्तें बन जाने से इनकी रिटायरमेंट उम्र तय हो जाएगी। इससे ग्राम समितियों की मनमानी पर अंकुश लगेगा। अभी इनको किसी तरह की कोई छुट्टी का प्रावधान नहीं है। यहां तक कि मातृत्व अवकाश और चाइल्ड केयर लीव का भी प्रावधान नहीं है। सेवा शर्तें बन जाने से रसोइयों को ये लाभ भी मिल सकेंगे।

प्राइवेट केबिन, रेट- 300 प्रति घंटा और वीडियो... डस्टबिन में मिले कंडोम, सांगली में कैफे कांड से मचा बवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सांगली। महाराष्ट्र के सांगली में रेप की शिकायत के बाद कुछ कैफे जांच के घेरे में आ गए. आरोप है कि यहां कपल्स को 300 से 800 रुपए प्रति घंटे के हिसाब से प्राइवेट केबिन मिलते थे. एक संगठन की पड़ताल में डस्टबिन से इस्तेमाल किए गए कंडोम और गर्भनिरोधक गोलियां मिलने का दावा किया गया है. कुछ जगहों पर वीडियो रिकॉर्डिंग और ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए. ये चौंका देने वाली कहानी महाराष्ट्र के सांगली की है. यहां रेप की शिकायत के बाद शहर के कुछ कैफे जांच के घेरे में आ गए. आरोप लगा कि कैफे में कपल्स के लिए प्राइवेट केबिन मिलती है, जिसका किराया घंटों के हिसाब से 300 से 800 तक है. एक संगठन ने दावा किया कि जब कैफे में पहुंचे तो डस्टबिन में कंडोम और गोलियां मिलीं. फिलहाल इस पूरी कहानी की जांच शुरू हो गई है. पूरा मामला तब चर्चा में आया, जब विश्रामबाग पुलिस स्टेशन में एक युवती ने रेप की शिकायत दर्ज कराई. शिकायत जिस कैफे से जुड़ी बताई जा रही है, उसके बाद स्थानीय संगठन 'शिव प्रतिष्ठान युवा हिंदुस्तान' ने शहर के कई कैफे को लेकर गंभीर सवाल उठाने शुरू कर दिए. संगठन का दावा है कि सांगली शहर में कुछ कैफे लंबे समय से सिर्फ चाय-कॉफी परोसने का काम नहीं कर रहे थे. आरोप है कि यहां युवा जोड़ों के लिए पर्दों और पार्टिशन से बने प्राइवेट केबिन उपलब्ध कराए जाते थे. इन केबिनों का किराया कथित तौर पर 300 से 800 रुपए प्रति घंटे तक वसूला जाता था. यही नहीं, संगठन के कार्यकर्ताओं ने कुछ कैफे में जाकर पड़ताल भी की. उनका दावा है कि जांच के दौरान कई डस्टबिन में इस्तेमाल किए गए कंडोम और गर्भनिरोधक गोलियां मिलीं. इन दावों के बाद शहर में कैफे कल्चर और उसकी निगरानी को लेकर बहस तेज हो गई. मामले में एक और गंभीर आरोप लगाया गया है. संगठन का कहना है कि कुछ कैफे में कैमरे ऐसे एंगल पर लगाए गए थे, जिनका इस्तेमाल ग्राहकों की गतिविधियों को रिकॉर्ड करने के लिए किया जा सकता था. आरोप यह भी है कि कुछ लोग मोबाइल फोन पर वीडियो बनाते थे और बाद में फुटेज वायरल करने की धमकी देकर युवतियों का शोषण करते थे. हालांकि, इन आरोपों की अभी तक पुष्टि नहीं हो सकी है. जांच एजेंसियां फिलहाल सभी तथ्यों की पड़ताल कर रही हैं. संगठन पहले भी शहर के कैफे को लेकर आवाज उठाता रहा है. संगठन का दावा है कि उसने इस मुद्दे को प्रशासन और सरकार के सामने कई बार रखा था. हाल ही में संगठन के पदाधिकारियों ने महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटिल से मुलाकात कर भी इस विषय में शिकायत की थी. संगठन का आरोप है कि कुछ समय के लिए इन गतिविधियों पर रोक लगी थी, लेकिन बाद में फिर से ऐसे कैफे सक्रिय हो गए. रेप की शिकायत सामने आने के बाद संगठन ने फिर मोर्चा खोल दिया. कार्यकर्ताओं ने कई जगहों पर जाकर निरीक्षण किया और पुलिस को भी शिकायतें सौंपीं. इसके बाद शहर में कैफे संचालकों, प्रशासन और पुलिस की भूमिका पर सवाल उठने लगे. विश्रामबाग पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर सुधीर भालेराव ने बताया कि युवती की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है. पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर साक्ष्य जुटा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. वहीं 'शिव प्रतिष्ठान युवा हिंदुस्तान' के अध्यक्ष नितिन चौगुले ने मांग की है कि शहर में संचालित ऐसे सभी कैफे की व्यापक जांच कराई जाए और यदि किसी भी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि पाई जाती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.

18 साल के बेटे ने पिता को दी अपनी किडनी, दिल्ली में जटिल ट्रांसप्लांट से बची जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में 18 वर्षीय बेटे ने अपने पिता की जान बचाने के लिए किडनी दान कर दी. ब्लड ग्रुप अलग होने के बावजूद डॉक्टरों ने अत्याधुनिक ABO-incompatible ट्रांसप्लांट तकनीक से सफल सर्जरी की. पिता की स्थिति गंभीर थी लेकिन ऑपरेशन के बाद उनकी सेहत में तेजी से सुधार हुआ और दोनों को सुरक्षित डिस्चार्ज किया गया. राजधानी दिल्ली में एक दिल छू लेने वाला और मेडिकल साइंस की बड़ी सफलता से जुड़ा मामला सामने आया है. यहां 18 साल के एक बेटे ने अपने पिता को जीवनदान देते हुए अपनी किडनी दान कर दी. डॉक्टरों ने जटिल ABO-incompatible ट्रांसप्लांट कर मरीज की जान बचाई. यह सर्जरी पटपड़गंज के एक सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में की गई. जानकारी के मुताबिक, 49 वर्षीय मरीज तेजी से बढ़ती किडनी फेल्योर की गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे. उनकी हालत एक दुर्लभ ऑटोइम्यून बीमारी के कारण लगातार बिगड़ती जा रही थी. मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो गए थे और परिवार में कोई भी मैचिंग डोनर उपलब्ध नहीं था. डॉक्टरों के अनुसार मरीज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि किडनी ट्रांसप्लांट ही एकमात्र विकल्प बचा था. लेकिन ब्लड ग्रुप मैच न होने के कारण सामान्य ट्रांसप्लांट संभव नहीं था. ऐसे में चुनौती और भी बड़ी हो गई थी. इसी बीच 18 वर्षीय बेटे ने अपने पिता को बचाने का फैसला लिया. वह हाल ही में 12वीं कक्षा में 92 प्रतिशत अंक हासिल कर चुका था और आगे बीएससी की पढ़ाई की तैयारी कर रहा था. लेकिन उसने अपनी पढ़ाई और भविष्य से पहले पिता की जान को प्राथमिकता दी. मेडिकल जांच में सामने आया कि बेटे का ब्लड ग्रुप B पॉजिटिव और पिता का O पॉजिटिव था. दोनों के ब्लड ग्रुप असंगत होने के कारण सामान्य किडनी ट्रांसप्लांट संभव नहीं था. इसके बावजूद परिवार ने उम्मीद नहीं छोड़ी.

दिल्ली में एक और बच्चा तस्करी गैंग पकड़ाई, 8 आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट साइड के वेटिंग हॉल से अगवा किए गए डेढ़ साल के मासूम को दिल्ली पुलिस की रेलवे यूनिट ने सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने एक संगठित बच्चा तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान शिवा उर्फ गौरव, धर्मेंद्र, अकील, प्रीति शर्मा, पूजा, आरती, विशाल और जिया के रूप में हुई है। डीसीपी बी. भरत रेड्डी के मुताबिक, 24 मई की सुबह करीब 6:30 बजे गाजियाबाद की चंदा कुमारी (26) ने शिकायत दी कि वह अपने डेढ़ साल के बेटे कार्तिक के साथ नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के मुख्य हॉल में रुकी थीं। सुबह नींद खुलने पर बेटा वहां नहीं मिला। उन्होंने अपहरण की आशंका जताई। इंस्पेक्टर विश्वनाथ कैमरों की पासवान की देखरेख में एसआई दीप शर्मा, एएसआई बगीचा सिंह, संतोष, भरत सिंह, महिला कॉन्स्टेबल बबीता, रीता और रितु ने जांच शुरू की। स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज में तीन संदिग्ध लोग बच्चे को स्टेशन से बाहर जाते दिखाई दिए। पुलिस ने स्टेशन से गाजियाबाद के कासिम विहार तक करीब 300 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। पता चला कि आरोपी पहले बैटरी रिक्शे से मोरी गेट पहुंचे। वहां से ऑटो से शास्त्री पार्क और फिर गाजियाबाद के कासिम विहार गए। बाद में वे दोबारा शास्त्री पार्क की ओर लौटे। उसके बाद ट्रक में लिफ्ट लेकर हरिद्वार फरार हो गए। इसी दौरान हरिद्वार पुलिस से सूचना मिली कि वहां भी एक बच्ची का अपहरण हुआ है और संदिग्धों के चेहरे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से बच्चे को ले जाने वाले आरोपियों से मिलते-जुलते हैं। डिजिटल फॉरेंसिक तकनीकी जांच, सीसीटीवी विश्लेषण और कई राज्यों में छापेमारी के बाद पुलिस ने गिरोह के आठ बदमाशों को दबोचा.

'कुत्ते भौंकते हैं, टाइगर शिकार करता है...' एकनाथ शिंदे का उद्धव ठाकरे को दो टूक जवाब

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। की राजनीति में एक बार फिर जुबानी जंग तेज हो गई है. शिवसेना के स्थापना दिवस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे और उनके गुट पर तीखा हमला बोला. इस दौरान उन्होंने साफ कहा कि महायुति गठबंधन पूरी तरह मजबूत है. देवेंद्र फडणवीस के साथ उनके रिश्तों में दरार की बात सिर्फ अफवाह है. शिंदे ने आलोचकों को जवाब देते हुए कहा कि 'कुत्ते भौंकते रहते हैं, लेकिन बाघ शिकार करता है'. उनके इस बयान को उद्धव गुट के लिए सीधा संदेश माना जा रहा है. शिवसेना स्थापना दिवस के मंच से मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि कुछ लोग लगातार मेरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच गलतफहमियां पैदा करने की कोशिश में जुटे हैं. उन्होंने महायुति गठबंधन को पूरी तरह अटूट बताते हुए कहा कि इसे तोड़ने की हर चाल नाकाम होगी. शिंदे के मुताबिक विपक्ष बार-बार ऐसी अफवाहें फैलाता है, लेकिन जिन लोगों के जरिए ये साजिशें रची जाती हैं, वही बाद में आकर उन्हें सारी हकीकत बता देते हैं. इतना ही नहीं शिंदे ने आगे कहा कि महाराष्ट्र सरकार पूरी रफ्तार से काम कर रही है. हमारा पूरा फोकस सिर्फ विकास पर है. ऐसे में राजनीतिक अफवाहों का सरकार के कामकाज पर रत्ती भर भी असर नहीं पड़ने वाला. अपने भाषण में शिंदे ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि अब तक जो कुछ दिखाई दिया है, वह सिर्फ ट्रेलर है, असली तस्वीर अभी बाकी है. उन्होंने कहा कि विरोधी दल लगातार सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता सब कुछ देख रही है. उपमुख्यमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी. उन्होंने खास तौर पर लाडकी बहिन (लाडली बहिन योजना) योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इसे बंद करने की कोई संभावना नहीं है और सरकार जनता के हितों के लिए पूरी मजबूती से काम करती रहेगी.

मराठी नहीं सीखने वाले मुंबई के ऑटो- टैक्सी ड्राइवर्स के खिलाफ 15 अगस्त के बाद महाराष्ट्र सरकार लेगी एक्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के परिवहन विभाग ने राज्य में ऑटो और टैक्सी चलाने वाले गैर मराठी चालकों के लिए मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान अनिवार्य करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि 15 अगस्त के बाद जिन गैर मराठी ऑटो-टैक्सी चालकों के पास मराठी भाषा का प्रमाणपत्र नहीं होगा, उनके खिलाफ नियमों के तहत कानूनी और दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में लागू की जा रही इस पहल के तहत 1 जून से 15 अगस्त के बीच सभी गैर मराठी ऑटो और टैक्सी चालकों के लिए चार घंटे का 'मराठी भाषा संचार पाठ्यक्रम' पूरा करना अनिवार्य किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए महाराष्ट्र राज्य मराठी भाषा विभाग, कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ को अधिकृत विशेषज्ञ संस्थाओं के रूप में नियुक्त किया गया है। इन संस्थाओं के माध्यम से चालकों को मराठी भाषा का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जाएगा और परिवहन विभाग केवल इन्हीं संस्थाओं द्वारा जारी प्रमाणपत्रों को मान्यता देगा। परिवहन विभाग के संयुक्त आयुक्त रवि गायकवाड़ के अनुसार, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में इस प्रशिक्षण अभियान को बड़े स्तर पर चलाया जा रहा है। इसके लिए करीब 71 अध्ययन केंद्र सक्रिय किए गए हैं। अभियान को मजबूत बनाने के लिए कोंकण मराठी साहित्य परिषद के लगभग 4,500 शिक्षक प्रशिक्षण कार्य में शामिल हुए हैं। साथ ही सभी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) भी चालकों को आवश्यक सहयोग प्रदान कर रहे हैं। वभाग ने बताया कि इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य यात्रियों और चालकों के बीच संवाद में आने वाली भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना और चालकों के पेशेवर अवसरों को बढ़ाना है। मराठी भाषा का बुनियादी ज्ञान होने से यात्रियों और चालकों के बीच संवाद अधिक प्रभावी होगा और दैनिक कार्यों में सुविधा मिलेगी। परिवहन विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि 15 अगस्त के बाद जिन गैर मराठी चालकों के पास आधिकारिक प्रमाणपत्र नहीं होगा, उनके खिलाफ नियमानुसार दंडात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, विभाग ने स्पष्ट किया है.

11 साल से जमें डॉक्टरों का होगा ट्रांसफर, दिल्ली के मंडोली जेल में बड़े फेरबदल की तैयारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। सेंट्रल प्रोक्योरमेंट एजेंसी में कथित भ्रष्टाचार के मामले में 40 से अधिक मेडिकल स्टाफ और प्रशासनिक अधिकारियों के ट्रांसफर के साथ डॉक्टर वत्सला अग्रवाल और डॉक्टर विजय कुमार रंगा को सस्पेंड किया गया था। अब दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं में प्रशासनिक सुधार और जवाबदेही बढ़ाने की दिशा में बढ़ा कदम उठाते हुए तिहाड़ और मंडोली जेलों में लंबे समय से तैनात डॉक्टरों की सिफारिश एलजी से की है। प्रस्ताव के मुताबिक 5 साल या उससे अधिक समय से एक ही जगह कार्यरत 39 डॉक्टरों का तबादला किया जा सकता है। इनमें कई डॉक्टर ऐसे भी है, जो 2014 से लगातार एक ही स्थान पर तैनात है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, तिहाड़ और मंडोली जेलों में कार्यरत स्पेशलिस्ट डॉक्टरों और जनरल ड्यूटी मेडिकल अधिकारियों (जीडीएमओ) को मिलाकर 39 डॉक्टरों के ट्रांसफर का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इनके स्थान पर करीब 35 अन्य डॉक्टरों की तैनाती भी प्रस्तावित है। इस तरह कुल 74 ट्रांसफर किए जाने की योजना है। सरकार का कहना है कि किसी भी विभाग में लंबे समय तक एक ही स्थान पर तैनाती रहने से कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। ऐसे में समय-समय पर पोस्टिंग की समीक्षा और ह्यूमन रिसोर्स का संतुलित उपयोग जरूरी है। इसी सोच के तहत जेल अस्पतालों में तैनात डॉक्टरों के ट्रांसफर की सिफारिश की गई है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न इकाइयों को अधिक सक्षम, जवाबदेह और जनहित केंद्रित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। इसी कारण विभिन्न संस्थानों में तैनात कर्मचारियों और अधिकारियों की समीक्षा की जा रही है और जरूरत के अनुसार बदलाव किए जा रहे हैं। तिहाड़ और मंडोली जेलों में लंबे समय से तैनात डॉक्टरों के ट्रांसफर की सिफारिशें भी इसी प्रशासनिक सुधार अभियान का हिस्सा है।

कुत्ते झुंड में...शेर अकेला आता है, एकनाथ शिंदे के बयान पर संजय राउत ने 'जय महाराष्ट्र' वाली पोस्ट, जानें सबकुछ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस के मौके गोरेगांव में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे पर तीखा हमला बोला था। शिंदे ने यूबीटी सांसदों की टूट का जिक्र करते हुए कहा था कि यह तो सिर्फ ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है। उन्होंने यह भी कहा था कि ऑपरेशन के लिए शेर का दिल चाहिए। इस मौके पर शिंदे ने विरोधी खेमे पर निशाना साधते हुए कहा था कि कुत्ते झुंड में आते हैं, टाइगर अकेला आता है। अब शिंदे के इस बयान पर उद्धव ठाकरे के करीबी नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने रहस्यमयी पोस्ट की है। राउत ने एक्स पर जय महाराष्ट्र के साथ लिखा है कि कुछ लोग कुत्ते होते हैं लेकिन वफादार नहीं। आप एकनाथ शिंदे को इतना गंभीरता से क्यों लेते हैं? उन्हें गंभीरता से लेना बंद करें। वे कोई महान व्यक्ति नहीं हैं। वे एक बेईमान नेता हैं और आप उन्हें गंभीरता से लेते हैं? आप शुभेंदु अधिकारी को भी गंभीरता से लेते हैं। ये बेईमान लोग हैं। इन्होंने अपने ही लोगों को धोखा दिया है। जब तक वे सत्ता में हैं, जब तक उनके हाथ में पैसा है, वे ऐसी बातें कहते रहेंगे। संजय राउत, शिवसेना यूबीटी नेता महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे और उद्धव ठाकरे के बीच राजनीतिक तनाव और बयानबाजी सांसदों के बागी होने को लेकर बढ़ी है। दावा किया गया है कि शिवसेना यूबीटी के सिंबल मशाल पर जीते छह सांसदों ने उद्धव ठाकरे का साथ छोड़ दिया है। उद्धव ठाकरे के पास अब सिर्फ तीन सांसद ही बचे हैं। शिंदे ने ऑपरेशन टाइगर के जरिए छह सांसदों को शिवसेना में शामिल कर लिया है। इसका औपचारिक ऐलान 21 जून को होने की संभावना जताई जा रही है। यह भी दावा किया गया है कि इस सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र भी दे दिया है शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की। उनकी यह पोस्ट 'ऑपरेशन टाइगर' की चर्चा और इस बढ़ती अटकलबाजी के बीच आई है कि पार्टी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। ङ्ग पर एक पोस्ट में राउत ने एक इन्फोग्राफिक शेयर किया जिसमें लिखा है कि कुछ लोग कुत्ते तो होते हैं लेकिन वफादार नहीं होते। उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है जय महाराष्ट्र!, राउत की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने पार्टी के 60वें स्थापना दिवस पर शिवसेना कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे गुट पर निशाना साधा था और कहा था कि कुत्ते झुंड में आकर भौंकते हैं, शेर अकेला आता है।

दिल्ली में नवंबर से नए नियम, दोगुनी होगी पार्किंग फीस, इन पुरानी गाड़ियों की नहीं होगी एंट्री, पढ़ें अपडेट्स

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को 'प्रोएक्टिव विंटर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट फ्रेमवर्क' का ऐलान करते हुए कई बड़े फैसलों की घोषणा की। इसके तहत नवंबर से सरकारी पार्किंग का शुल्क दोगुना किया जाएगा। साथ ही नवंबर 2026 से जनवरी 2027 तक दिल्ली में बाहर से पंजीकृत नॉन-बीएस-4 कमर्शियल वाहनों के राजधानी में प्रवेश पर पूरी तरह रोक रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि नए फ्रेमवर्क के तहत केवल वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण-पत्र वाले वाहनों को ही दिल्ली के पेट्रोल पंपों से पेट्रोल और डीजल मिलेगा। यानी जिन वाहनों के पास वैध PUCC नहीं होगा, उन्हें ईंधन नहीं दिया जाएगा। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक दिल्ली के बाहर पंजीकृत गैर-BS VI वाणिज्यिक वाहनों के प्रवेश पर रोक रहेगी। CNG, EV, आपातकालीन सेवाओं और सरकारी कार्यों से जुड़े वाहनों को छूट मिलेगी। 1 नवंबर से 28 फरवरी तक अधिकृत पार्किंग स्थलों पर पार्किंग शुल्क दोगुना रहेगा। आवश्यकता पड़ने पर कार्यालयों के समय में बदलाव और सरकारी-निजी कार्यालयों में 50' तक भौतिक उपस्थिति की व्यवस्था लागू की जा सकेगी। 1 नवंबर से 31 जनवरी तक निर्माण और ध्वस्तीकरण कार्यों में धूल नियंत्रण के नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। 10 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच आवश्यकता पड़ने पर निर्माण कार्यों पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाए जा सकेंगे। बड़े निर्माण स्थलों और बड़ी बिल्डिंग्स पर एंटी-स्मॉग गन और मिस्ट सप्रेशन सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। खुले में कचरा या अन्य सामग्री जलाने पर सख्त निगरानी और कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए ड्रोन और फील्ड मॉनिटरिंग का उपयोग किया जाएगा। प्रदूषण के खिलाफ बड़ा एक्शन दिल्ली सरकार का कहना है कि प्रदूषण से लड़ाई का सबसे अच्छा तरीका है समय रहते तैयारी। दिल्ली सरकार इसी संकल्प के साथ सर्दियों से पहले हर जरूरी तैयारी को मिशन मोड में आगे बढ़ा रही है।

दिल्ली: रेलवे स्टेशन पर जनरल बोगी में सीट के लिए मर्डर, तमाशबीन बने रहे लोग और RPF कर्मी, देखें वीडियो

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। शाहदरा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के दौरान हुए विवाद में एक यात्री की जान चली गई. प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर योगा एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने की कोशिश कर रहे एक शख्स को कुछ सह-यात्रियों ने बुरी तरह पीट दिया. इस घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें मौके पर मौजूद RPF कर्मी बीच-बचाव करने के बाद पीड़ित को सुरक्षित घेरे से निकालकर फर्श पर लिटाते हुए नजर आ रहे हैं. हालांकि, बाद में गंभीर हालत में पीड़ित को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया. यह पूरी घटना शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर सुबह करीब 6:00 बजे हुई. हरिद्वार जाने वाली योगा एक्सप्रेस जैसे ही आकर रुकी, जनरल डिब्बे में चढ़ने के लिए यात्रियों के बीच भारी धक्का-मुक्की शुरू हो गई. इसी दौरान उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी पंकज धामा का कुछ अन्य यात्रियों से विवाद हो गया. देखते ही देखते बोगी के गेट पर शुरू हुआ यह मामूली झगड़ा हिंसक झड़प में बदल गया. गुस्साए सह-यात्रियों ने पंकज पर धावा बोल दिया, उन्हें जमीन पर गिराकर लात और मुक्कों से बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया. इस दर्दनाक घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसने सुरक्षा व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है. वीडियो में दिख रहा है कि मौके पर मौजूद एक RPF कांस्टेबल ने बीच-बचाव करते हुए पंकज को भीड़ से छुड़ाया, लेकिन उन्हें फर्श पर खींचकर वैसे ही छोड़ दिया. फर्श पर गिरने के बाद पंकज के शरीर में कुछ हलचल हुई थी, तभी वहां मौजूद सुरक्षाकर्मी उन्हें उसी हाल में छोड़कर आगे बढ़ गए. प्लेटफॉर्म पर मौजूद किसी भी जिम्मेदार व्यक्ति ने जमीन पर पड़े पीड़ित को समय पर अस्पताल पहुंचाने की जहमत नहीं उठाई. इसी गंभीर अनदेखी के कारण समय पर इलाज न मिलने से पंकज की मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही ओल्ड दिल्ली रेलवे पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची. नई दिल्ली रेलवे के डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि गंभीर हालत में पीड़ित पंकज धामा को तुरंत जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया (MLC No. 1645/12/26). प्राथमिक चिकित्सा रिपोर्ट के मुताबिक, मारपीट के दौरान पंकज के शरीर के अंदरूनी अंगों में गंभीर चोटें आईं, जो मौत की मुख्य वजह बनीं. पुलिस ने इस मामले में शीघ्र कार्रवाई करते हुए नए कानून भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर-इरादतन हत्या) और धारा 3(5) के तहत केस दर्ज किया है. फिलहाल पुलिस रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर मारपीट करने वाले हमलावर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है, ताकि उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके.

अहमदाबाद में जमीन हड़पने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लीलापुर। अहमदाबाद के लीलापुर क्षेत्र में किसानों की जमीन हड़पने के उद्देश्य से कुछ लोगों द्वारा AMC (अहमदाबाद नगर निगम) के अधिकारी बनकर धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नकली पहचान पत्र और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग कर किसानों को गुमराह करने का प्रयास किया गया। जानकारी के अनुसार, आरोपी खुद को AMC का अधिकारी बताकर किसानों के संपर्क में पहुंचे और सरकारी कार्रवाई का भय दिखाकर जमीन से जुड़े मामलों में दबाव बनाने की कोशिश की। इस दौरान किसानों से हस्ताक्षर करवाने या अन्य तरीके से लाभ लेने का प्रयास किए जाने की भी बात सामने आई है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, ऐसे फर्जी अधिकारियों के नाम पर सक्रिय नेटवर्क का पता लगाकर उस पर प्रभावी कार्रवाई करने की भी मांग उठाई जा रही है।

मेहसाणा में डेयरी विवाद गहराया: दूध नहीं लेने पर पशुपालकों ने सड़क पर बहाया दूध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा। सतलासणा तहसील के भाणवास गांव में डेयरी प्रबंधन के खिलाफ पशुपालकों का आक्रोश सामने आया है। आरोप है कि स्थानीय डेयरी पिछले चार दिनों से उनका दूध स्वीकार नहीं कर रही, जिससे नाराज पशुपालकों ने विरोध स्वरूप दूध सड़क पर बहा दिया।पशुपालकों का कहना है कि रोजाना 300 से 400 लीटर दूध डेयरी द्वारा नहीं लिया जा रहा है। इसके चलते उन्हें अतिरिक्त खर्च कर दूध दूसरी जगह भेजना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने डेयरी प्रबंधन पर मनमानी और किसानों की समस्याओं की अनदेखी करने का आरोप लगाया है।स्थानीय पशुपालकों ने यह भी दावा किया कि डेयरी के संचालन और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर लंबे समय से असंतोष बना हुआ है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित समाधान की मांग की है। घटना के बाद क्षेत्र में डेयरी प्रबंधन की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पशुपालकों ने संबंधित अधिकारियों से हस्तक्षेप कर समस्या का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

भव्य कार्यालयों पर सवाल: जनता की समस्याओं के बीच बढ़ता राजनीतिक वैभव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राज्य में राजनीतिक दलों के आधुनिक और भव्य कार्यालयों के निर्माण को लेकर चर्चा तेज हो गई है। एक ओर विभिन्न जिलों में करोड़ों रुपये की लागत से अत्याधुनिक पार्टी कार्यालय बनाए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर किसान, बेरोजगार युवा और आम नागरिक अपनी मूलभूत समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि जब किसान फसल के उचित दाम, सिंचाई और बिजली जैसी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हों तथा युवा रोजगार के अवसरों की तलाश में हों, तब राजनीतिक दलों की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। वहीं, समर्थकों का तर्क है कि पार्टी कार्यालय संगठनात्मक गतिविधियों, कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण और जनसंपर्क के लिए आवश्यक होते हैं तथा उनका निर्माण पार्टी के संसाधनों और सहयोग से किया जाता है। इस बहस के बीच आम नागरिकों का मुख्य सवाल यही है कि विकास की प्राथमिकताओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रोजगार और जनसुविधाओं को कितना महत्व मिल रहा है। राजनीतिक ढांचे के विस्तार के साथ-साथ जनता से जुड़े मुद्दों के समाधान पर भी समान ध्यान दिए जाने की मांग उठ रही है।

भावनगर रैगिंग मामला: सीनियर छात्रों को हॉस्टल खाली करने का आदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भावनगर। सरकारी मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्रों के साथ रैगिंग का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। आरोप है कि कुछ सीनियर छात्रों ने जूनियर्स को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। मामले की जानकारी मिलते ही कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने जांच शुरू की। जांच रिपोर्ट के आधार पर रैगिंग में शामिल पाए गए छात्रों को तत्काल प्रभाव से हॉस्टल खाली करने का आदेश दिया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग और उच्च अधिकारियों ने भी रिपोर्ट तलब की थी। इसके बाद कॉलेज प्रशासन ने दोषियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की। सरकार ने स्पष्ट किया है कि शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सभी कॉलेजों को एंटी-रैगिंग नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रदेश भाजपा के पूर्व महामंत्री एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष भरत वर्मा का आज है जन्मदिन प्रदेश के दिग्गज नेताओं ने दी शुभकामनाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छत्तीसगढ़। प्रदेश भाजपा के पूर्व महामंत्री एवं जिला केंद्रीय सहकारी बैंक राजनांदगांव के अध्यक्ष श्री भरत वर्मा का 21 जून यानी कि आज है जन्मदिन श्री भरत वर्मा के जन्मदिन पर प्रदेश के संगठन से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं के साथ कैबिनेट मंत्री सहित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित किया है श्री भरत वर्मा डोंगरगांव विधानसभा क्षेत्र में महज कुछ वोटो से चुनाव हार गए थे हालांकि विधानसभा क्षेत्र के कुछ भीतरघाती विभीषण नेताओं का इस मामले में बड़ा हाथ बताया जा रहा है जो कि अब एक्सपोज हो चुके हैं दूसरी तरफ भरत वर्मा के विधानसभा चुनाव 2023 हारने के जस्ट बाद उन्हें प्रदेश में महामंत्री जैसे दायित्व दिया गया निश्चित रूप से यह उनकी काबिलियत कार्य कुशलता एवं जनता से सीधे जुड़ाव को दर्शाता है एक दौर ऐसा आया जब तत्कालीन प्रदेश भाजपा के महामंत्री श्री भरत वर्मा डोंगरगढ़ बमलेश्वरी दर्शन करने जाते हुए घायल हो गए थे तब प्रदेश के मुख्यमंत्री विधानसभा अध्यक्ष सहित कैबिनेट के मंत्रीयो ने उनका हाल-चाल जानने हासपीटल पहुंचे साथ ही भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन के पदाधिकारी भी उनसे भेंट करने के लिए गए थे इससे श्री भरत वर्मा के कद काठी का अंदाजा लगाया जा सकता है निश्चित रूप से 2023 विधानसभा चुनाव के पहले जब श्री भरत वर्मा प्रदेश भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रहे तब उन्होंने बस्तर संभाग से लेकर सरगुजा संभाग से लेकर रायपुर संभाग तक लगातार ताबड़तोड़ दौरा किया और प्रदेश में छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया यह दुर्भाग्य की बात है कि भरत वर्मा महज कुछ वोटो से चुनाव हार गए है नहीं तो निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ में वह कैबिनेट मंत्री जैसे ओहदा को प्राप्त करते इसके बावजूद भी उनके कद-काठी किसी नेता मंत्री से कम नहीं है आज वह छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के साथ हर बड़े मंचों पर मंच साझा करते हैं यह उनकी काबिलियत और भारतीय जनता पार्टी में योगदान को दर्शाता है राजनांदगांव जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में श्री भरत वर्मा के समर्थकों और शुभचिंतकों ने उनके जन्मदिन को उत्साहपूर्वक मनाया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी दिनभर उन्हें शुभकामनाएं देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने विभिन्न स्थानों पर मिठाई वितरण, पौधारोपण, रक्तदान शिविर एवं जनसेवा से जुड़े कार्यक्रम आयोजित कर उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। भाजपा के प्रति उनकी निष्ठा, कार्यकर्ताओं के साथ उनका आत्मीय व्यवहार और आम लोगों की समस्याओं को लेकर उनकी सक्रियता उन्हें अन्य नेताओं से अलग पहचान दिलाती है। राजनीतिक जीवन में उतार-चढ़ाव आने के बावजूद उन्होंने हमेशा संगठन हित और जनसेवा को प्राथमिकता दी है। सभी ने उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य, दीर्घायु जीवन की कामना करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी श्री भरत वर्मा प्रदेश और क्षेत्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। श्री भरत वर्मा को जन्मदिन की विशेष शुभकामनाएं हेमंत वर्मा की कलम से

भाजपा सरकार व प्रशासनिक संरक्षण मे तथाकथित डॉक्टर का अवैध प्लॉटिंग जोरों पर - तरुण सिन्हा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। छुरिया खुज्जी विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस नेता तरुण सिन्हा ने भाजपा सरकार व शासन प्रशासन पर अवैध प्लाटिंग करने वाले तथाकथित डॉक्टर पर सांथगाठ कर अवैध काम को अंजाम देने का गंभीर आरोप लगाया है, उन्होंने आगे आरोप लगाते हुए कहा की नगर के एक तथाकथित डॉक्डर ने छुरिया नगर पंचायत मे अपनी मनमानी कर बपौती समझते हुए नियम कानून को ताक मे रखकर लगातार क्षेत्र मे अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर अवैध प्लाटिंग कर राजस्व की हानि करते नजर आ रहे है जिससे शासन प्रशासन को लाखो रुपया की हानि होने से नाकारा नहीं जा सकता! वही इस अवैध कार्य को अंजाम देने स्थानीय प्रशानिक अमलो व जिला कलेक्टर की भूमिका भी सन्धिग्ध नजर आ रही है जिसका जीता जागता उदहारण नगर पंचायत छुरिया मे देखा सकता है! जहां वर्षो से हुए अवैध प्लाटिंग पर किसी प्रकार की कोई भी कार्यवाही ना होना स्वालिया निशान खड़ा करता है जिसके चलते ऐसे अवैध प्लाटिंग करने वाले लोगो का हौसला बुलंद है

जिसके चलते कांग्रेस नेता तरुण सिन्हा ने ऐसे अवैध कार्यो को बंद को लेकर साय सरकार व प्रशानिक अधिकारियो को सख्त चेतावनी देते हुए तथाकथित डाक्टर की सम्पति की जांच सख्त कार्यवाही करने की बात कही है

अगर ऐसे लोगो पर कार्यवाही नहीं हुई तो एक बडे आंदोलन करने श्री सिन्हा ने बात कही है

आरोपी जय उर्फ जया नेताम निगरानी बदमाश एवं हिस्ट्रीशीटर है इसके विरुद्ध अनेक अपराध पंजीबद्ध हैं

आरोपी अपने दोनों बड़े भाइयों दीपक उर्फ टिकली एवं विजय नेताम के साथ मिलकर घटना कर हो गया था फरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। प्रार्थी युवराज साहू पिता गिरधारी साहू, उम्र 38 वर्ष, निवासी अटल आवास पेण्ड्री, थाना लालबाग, जिला राजनांदगांव द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 17.05.2026 की रात्रि लगभग 08:45 बजे वह अपने पिता को छोड़कर घर के पास मोबाइल फोन पर बातचीत कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ले के विजय नेताम, दीपक उर्फ टिकली नेताम एवं जय उर्फ जया नेताम वहां पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्कों से मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने आए उसके पिता के साथ भी आरोपियों द्वारा मारपीट की गई। मारपीट के दौरान आरोपी विजय नेताम ने टंगिया/फरसा से प्रार्थी के पिता गिरधारी साहू के सिर पर प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई। घायल को तत्काल उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज अस्पताल पेण्ड्री में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 207/2026 धारा 296, 115(2), 351(2), 109(1), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।जिसमें लालबाग पुलिस द्वारा तत्काल आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान दिनांक को प्रकरण के दो आरोपी 01. दीपक उर्फ टिकली नेताम एवं 02. विजय नेताम को दिनांक 18/05/2026 को पतासाजी कर घटना में प्रयुक्त फरसा/टंगिया बरामद कर जब्ती कार्यवाही उपरांत गिरफ्तार कर दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। प्रकरण का तीसरा आरोपी जय उर्फ जया नेताम घटना के बाद से फरार था। थाना लालबाग पुलिस द्वारा लगातार पतासाजी एवं मुखबिर सूचना के आधार पर आज दिनांक 20.06.2026 को आरोपी को गिरफ्तार किया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। थाना लालबाग पुलिस द्वारा प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज रहेंगे जालोर प्रवास पर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर (मुकेश सोलंकी)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार, 21 जून को जालोर प्रवास पर रहेंगे। कांग्रेस ओबीसी विभाग जिलाध्यक्ष सीएल गहलोत ने बताया कि अशोक गहलोत उदयपुर से रवाना होकर रविवार शाम 6:30 बजे वराडा हनुमानजी स्थित जालोर जिला सीमा पर पहुंचेंगे, जहां कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। स्वागत कार्यक्रम के बाद अशोक गहलोत जालोर पहुंचेंगे तथा रात्रि विश्राम सर्किट हाउस जालोर में करेंगे। 22 जून, सोमवार को प्रातः 10 बजे पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जन अभियोग निराकरण समिति के पूर्व अध्यक्ष पुखराज पाराशर के पिताजी के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके निवास स्थान पर जाएंगे। शोक संवेदना प्रकट करने के उपरांत वे जोधपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

जंबूसर के किसानों को हाई-टेंशन लाइन का मुआवज़ा नहीं मिला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जंबूसर। तालुका के अंखी, जाफरपुरा, वावली और जंबूसर समेत कई गांवों के किसानों को हाई-टेंशन लाइन बिछाने का मुआवज़ा अभी तक नहीं मिला है। पावर ग्रिड कंपनी की तरफ से खेतों में टावर लगाए जाने के बावजूद किसान गुस्से में हैं और मुआवज़े की मांग कर रहे हैं। पावर ग्रिड कंपनी की तरफ से वटमान से नवसारी जाने वाली 750k1 हाई-टेंशन लाइन के लिए किसानों के खेतों में कई टावर लगाए गए हैं। इस काम से किसानों की फसलों और ज़मीन को नुकसान हुआ है। कंपनी ने किसानों को बिना कोई मुआवज़ा दिए उनके खेतों में टावर लगा दिए हैं। इससे किसानों में बहुत गुस्सा है। किसानों ने कहा है कि अगर आने वाले दिनों में उन्हें सही मुआवज़ा नहीं दिया गया, तो वे अपने खेतों में ऐसा कोई काम नहीं होने देंगे।

कम तेल की थाली, स्वच्छ भारत की खुशहाली: जालोर में भाजपा महिला मोर्चा का विशाल जागरूकता कार्यक्रम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जालोर (मुकेश सोलंकी)। स्थानीय मलकेश्वर मठ में शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा महिला मोर्चा, जालोर द्वारा खाद्य तेल संरक्षण, ईंधन व ऊर्जा बचत तथा मोटे अनाज (श्री अन्न) को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'कम तेल की थाली, स्वच्छ भारत की खुशहाली' विषयक इस कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष मंजू सोलंकी ने किया, जिसमें बड़ी संख्या में मातृशक्ति ने भाग लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ का ढोल-नगाड़ों के साथ माला, शॉल एवं साफा पहनाकर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। इसके बाद अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया गया। स्वागत उद्बोधन के बाद जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी ने विषय प्रवर्तन करते हुए उपस्थित महिलाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कम तेल में भी स्वादिष्ट एवं पौष्टिक भोजन तैयार किया जा सकता है। अत्यधिक तेल का सेवन मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गंभीर बीमारियों को जन्म देता है, जबकि संतुलित आहार व्यक्ति को ऊर्जावान बनाए रखता है। उन्होंने महिलाओं से ईंधन और ऊर्जा संरक्षण के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष विजयलक्ष्मी ने अपने संबोधन में कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल बैठक करना नहीं, बल्कि पीएम मोदी के स्वस्थ जीवनशैली के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 12 वर्षों का ऐतिहासिक कार्यकाल पूर्ण हुआ है, जिसमें तीन तलाक की समाप्ति, उज्ज्वला योजना से धुएं से मुक्ति और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे ऐतिहासिक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कार्यक्रम में विलंब से पहुंचने पर क्षमा भी मांगी। मुख्य अतिथि प्रदेशाध्यक्ष राखी राठौड़ ने अपने ओजस्वी संबोधन में संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका की सराहना की। पहली बार जालोर आगमन पर कार्यकर्ताओं के उत्साह को देख उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। जंक फूड और फास्ट फूड के बढ़ते चलन पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि आज के दौर में कम उम्र में ही लोग गंभीर बीमारियों का शिकार हो रहे हैं। स्वस्थ शरीर ही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की नींव है। मैं आज यहां आपसे वोट मांगने नहीं आई हूं, बल्कि आप सभी बहनों को स्वस्थ रहने का संदेश देने आई हूं। आप सभी अपने परिवार को भी कम तेल और पौष्टिक आहार अपनाने के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी महिलाओं ने कम तेल का उपयोग करने, मोटे अनाज को थाली में शामिल करने और समाज में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हेमलता जैन, सीमा सोरम, ममता, शर्मिला, प्रदेश कार्यक्रम प्रभारी प्रियंका त्यागी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष ओबाराम देवासी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीरा देवी, एससी मोर्चा जिलाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल, जालोर नगर अध्यक्ष रवि सोलंकी, किसान मोर्चा के वरिष्ठ नेता खिम भाई सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं मातृशक्ति उपस्थित रही। कार्यक्रम का समापन जिलाध्यक्ष मंजू सोलंकी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

महेश नवमी महोत्सव 2026 : तीन दिवसीय भव्य आयोजन में धर्म, सेवा, संस्कृति और प्रतिभा सम्मान का होगा संगम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नागदा। माहेश्वरी समाज नागदा द्वारा समाज के आराध्य भगवान महेश के प्राकट्य दिवस 'महेश नवमी' के पावन अवसर पर 21 से 23 जून 2026 तक तीन दिवसीय महेश नवमी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठान, सामाजिक एवं सेवा गतिविधियां, प्रतिभा सम्मान समारोह तथा भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा सहित अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। समाज अध्यक्ष घनश्याम राठी ने जानकारी देते हुए बताया कि माहेश्वरी समाज नागदा के तत्वाधान में माहेश्वरी महिला मंडल, माहेश्वरी सोशल ग्रुप, माहेश्वरी कपल ग्रुप एवं माहेश्वरी युवा संगठन के विशेष सहयोग से आयोजित यह महोत्सव समाज की एकता, संस्कृति एवं सेवा भावना का प्रतीक होगा। महोत्सव का शुभारंभ 21 जून, रविवार को पहली बार आयोजित किए जा रहे 'उज्जैन जिला स्तरीय मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह 2026' से होगा। इस समारोह में उज्जैन जिले के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों से चयनित मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान किया जाएगा। कार्यक्रम प्रातः 9:30 बजे नाश्ते के साथ प्रारंभ होगा, प्रातः 11:00 बजे सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा तथा दोपहर 2:00 बजे भोजन प्रसादी का आयोजन रहेगा। कार्यक्रम का आयोजन स्नेहकुंज गार्डन, नागदा में होगा। 22 जून, सोमवार को समाजजन सेवा कार्यों में सहभागिता निभाएंगे। प्रातः 8:30 बजे श्री गोपाल गौशाला में गौ-सेवा तथा प्रातः 11:30 बजे श्री अन्नपूर्णा अन्नक्षेत्र में सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आयोजकों के अनुसार समाज की युवा एवं महिला इकाइयों द्वारा सेवा कार्यों में विशेष भागीदारी रहेगी। 23 जून, मंगलवार को महेश नवमी के मुख्य कार्यक्रम संपन्न होंगे। प्रातः 7:00 बजे श्री शिव मंदिर, रेलवे कॉलोनी, नागदा में भगवान महेश का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भव्य महाअभिषेक किया जाएगा। इसके पश्चात प्रातः 11:00 बजे समाज की साधारण सभा आयोजित होगी, जिसमें समाजहित के विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। सायं 3:00 बजे ठंडाई प्रसादी वितरण एवं सायं 4:00 बजे भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली जाएगी। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां, बैंड, धार्मिक ध्वज, महिला एवं युवा इकाइयों की सहभागिता तथा भगवान महेश के जयघोष वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। शोभायात्रा का समापन श्री माहेश्वरी भवन, नागदा पर होगा।

डोंगरगांव पुलिस को मिली सफलता बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। महिला एवं बच्चो के विरूद्ध होने वाले अपराधो के प्रति सवेंदनशील पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, जिला राजनांदगांव के निर्देशन में नाबालिग बच्चो एवं महिलाओं के विरूद्ध घटित अपराधो पर त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में प्रार्थी अपने नाबलिग पुत्री के पेट में दर्ज होने से ईलाज हेतु जिला अस्पताल राजनांदगांव ले जाने पर पता चला कि, पीड़िता 06 माह का गर्भवती है जिस पर दिनांक 17.06.2026 को प्रार्थी ने थाना बसंतपुर उपस्थित होकर आरोपी सुभाष मारकण्डे के विरूद्ध लिखित आवेदन प्रस्तुत किया जिस पर थाना बसंतपुर में जीरो का अपराध दर्ज कर घटना स्थल डोंगरगांव होने से डायरी प्राप्त होने पर थाना डोंगरगांव में अपराध क्रमांक 209/2026 धारा 137(2), 64(1), 65(1) बीएनएस, 4 पाक्सो एक्ट का अपराध दर्ज कर अति पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती मंजूलता बाज के मार्गदर्शन में थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही की गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुये थाना प्रभारी, थाना डोंगरगांव उप निरीक्षक पुष्पराज साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपी की पता तलाश की गई। आरोपी सुभाष गेडरे पिता नोहर दास गेडरे, उम्र 26 साल, निवासी ग्राम वार्ड नं. 14 सिवनीखुर्द, पुलिस चौकी तुमड़ीबोड़, थाना लालबाग, जिला राजनांदगांव (छ0ग0) अपने निवास स्थान पर मिला जिसे पुलिस अभिरक्षा में लेकर पुछताछ किया की गई। पुछताछ में आरोपी द्वारा अपराध स्वीकार करने पर विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक पुष्पराज साहू, आरक्षक हेमंत सुर्यवंषी, बीसराम वर्मा, की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईरान ने दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने का संकेत दिया है। यदि यह लागू होता है, तो तेल परिवहन की लागत में भारी वृद्धि होगी, जिसका सीधा असर वैश्विक बाजार पर पड़ेगा। अमेरिका के साथ तनाव कम होने की उम्मीद के बावजूद यह कदम तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ा रहा है। इन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। सरकारी तेल कंपनियों ने पुराने दाम ही बरकरार रखे, जिससे आम जनता को फिलहाल महंगाई का नया झटका नहीं लगा। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

बाजार में दमदार परफॉर्मेंस और लंबी बैटरी लाइफ वाले लैपटॉप उपलब्ध

नई दिल्ली

वर्तमान समय में भारतीय बाज़ार में ऐसे बेहतरीन बजट लैपटॉप उपलब्ध हैं जो छात्रों को पढ़ाई और हैवी सॉफ्टवेयर चलाने के लिए एकदम सही हैं। छात्रों के लिए इन लैपटॉप्स में इंटेल कोर आई3/आई5 और एएमडी राइजन सीरीज के लेटेस्ट प्रोसेसर दिए गए हैं, जो बिना किसी लैग के स्मूथ मल्टीटास्किंग सुनिश्चित करते हैं।सुपरफास्ट स्पीड के लिए पारंपरिक हार्ड डिस्क की जगह सॉलिड-स्टेट ड्राइव (एसएसडी) का उपयोग किया गया है, जिससे भारी कोडिंग ऐप्स और कंपाइलर्स कुछ ही सेकेंड्स में बूट हो जाते हैं। कोडिंग के लंबे सेशन्स और कॉलेज के प्रोजेक्ट्स के दौरान बार-बार चार्जिंग की झंझट को खत्म करने के लिए, इनमें दमदार बैटरी लाइफ मिलती है, जो आसानी से पूरे दिन का बैकअप प्रदान कर सकती है। ऑनलाइन क्लासेस और कोडिंग इंटरफेस को ध्यान में रखते हुए, इन लैपटॉप्स में एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले भी मौजूद है। यह छात्रों को आंखों पर पड़ने वाले तनाव को कम करने में मदद करता है। इन विकल्पों में आसुस वीवोबुक एस16 (असुस वीवोबुक एस 16) एक प्रमुख उदाहरण है। यह एक प्रीमियम और आधुनिक एआई-संचालित पतला और हल्का लैपटॉप है, जिसमें इंटेल कोर अल्ट्रा 5 प्रोसेसर और इंटेल एआई बूस्ट एनपीयू लगा है। यह कोडिंग, मल्टीटास्किंग और एआई-आधारित ऐप्स के लिए बेहतरीन प्रदर्शन देता है। इसका शानदार कूल सिल्वर मैटेलिक फिनिश और ओएलईडी (आलेड) डिस्प्ले इसे स्टाइल और परफॉर्मेंस का बेहतरीन मेल बनाता है, जिसका वजन सिर्फ 1.7 किलोग्राम है।

कच्चे तेल में नरमी, पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली

अंतराष्ट्रीय कच्चे तेल बाजार में शुक्रवार को कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे उपभोक्ताओं को तात्कालिक राहत मिली। हालांकि, ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर संभावित टोल टैक्स के संकेत ने भविष्य में तेल आपूर्ति और परिवहन लागत को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस सबके बीच, भारत में पेट्रोल और डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ हैन भू-राजनीतिक चिंताओं के बावजूद, शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड 1.33 फीसदी गिरकर 78.79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.08 फीसदी घटकर 75.03 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखा। भारतीय बाजार के लिए अच्छी खबर यह रही कि शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर रहे। मुंबई में भी कीमतें यथावत बनी हुई हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। आज सबसे अधिक गिरावट आईटी शेयरों में रही। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 607 अंक टूटकर 76,802 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी में भी 154 अंकों की गिरावट रही, ये 24,013 के स्तर पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी इंडेक्स 5.8 फीसदी नीचे आया। इसका कारण ये रहा कि उद्योग जगत की अग्रणी कंपनी एक्सेंचर ने तिमाही बिक्री का पूर्वानुमान वॉल स्ट्रीट के अनुमानों से कम बताया था। इसके अलावा निफ्टी रियल्टी और निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के शेयरों पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ा है।

बुधवार को मामूली खरीदारी करने के बाद, विदेशी निवेशकों ने गुरुवार को फिर से कैश मार्केट में 1,025 करोड़ रुपए के शेयर बेचे हैं। जिससे भी बाजार पर दबाव पड़ा है। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ शुरु हुआ। सुबह सेंसेक्स 703 अंक की गिरावट के साथ 76,706.86 पर आ गया। वहीं निफ्टी 191.45 अंक गिरकर 23,976.55 पर कारोबार कर रहा था।

बाजार में इस गिरावट का कारण एक्सेंचर द्वारा जारी कमजोर राजस्व अनुमानों के बाद वैश्विक स्तर पर आईटी कंपनियों की ग्रोथ आउटलुक पर सवाल उठने लगे, जिसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के शेयरों पर देखा गया। बाजार में सबसे ज्यादा दबाव आईटी सेक्टर पर रहा, जहां निफ्टी आईटी इंडेक्स में करीब 6 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई।

इस गिरावट में दिग्गज आईटी कंपनियों जैसे इंफोसिस, टेक महिंद्रा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर सबसे आगे रहे, जिन्होंने निवेशकों को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। व्यापक बाजार में भी कमजोरी का माहौल रहा, जहां निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 0.19 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहे थे।

बैंकों को अल्पकालिक धन की सीमित जरूरत, आरबीआई की वीआरआर नीलामी सुस्त

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को आयोजित एक लाख करोड़ रुपए की तीन दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी को बैंकों से बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली।

यह बैंकिंग प्रणाली में अल्पकालिक धन की सीमित आवश्यकता को दर्शाता है। केंद्रीय बैंक को अधिसूचित राशि के मुकाबले केवल 16,750 करोड़ रुपए की बोलियां प्राप्त हुईं, जिन्हें 5.26 फीसदी की कट-ऑफ और भारित औसत दर पर स्वीकार कर लिया गया। आरबीआई की वीआरआर नीलामी में यह कम भागीदारी दर्शाती है कि अल्पकालिक धन के लिए बैंकों की मांग सीमित रही, भले ही केंद्रीय बैंक ने नकदी समर्थन देने की कोशिश की हो।

18 जून तक उपलब्ध। । नकदी दबाव को कम करने के लिए, केंद्रीय बैंक ने हाल के दिनों में विभिन्न अवधियों की वीआरआर नीलामी के माध्यम से लगभग 1.89 लाख करोड़ रुपए की अस्थायी नकदी डाली है।

टर्टलमिंट आईपीओ को पहले दिन मिला 45 फीसदी अभिदान

आईपीओ 23 जून को होगा बंद, योग्य संस्थागत खरीदारों की हिस्सेदारी सर्वाधिक भरी

नई दिल्ली

टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शुक्रवार को बोली के पहले दिन कुल 45 प्रतिशत अभिदान प्राप्त हुआ। इस दौरान योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) की तरफ से सबसे अधिक प्रतिक्रिया देखने को मिली। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, कंपनी द्वारा पेशकश किए गए 3.29 करोड़ शेयरों के मुकाबले 1.48 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। क्यूआईबी श्रेणी में 73 प्रतिशत अभिदान मिला, जबकि खुदरा निवेशकों के कोटे को 29 प्रतिशत अभिदान मिला। गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआईआई) की हिस्सेदारी सिर्फ एक प्रतिशत ही भर पाई, जो अक्सर पहले दिन धीमी रहती है। 883 करोड़ रुपये का यह आईपीओ 23 जून को बंद होगा। कंपनी ने सार्वजनिक निर्गम के लिए 144-152 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है।जिससे ऊपरी स्तर पर इसका मूल्यांकन 4,500 करोड़ रुपये से अधिक बैठता है। इससे पहले, टर्टलमिंट ने गुरुवार को एंकर निवेशकों से 397.20 करोड़ रुपये जुटाए थे। इस आईपीओ में 660.72 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा लगभग 221.95 करोड़ रुपये मूल्य के 1.46 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है।

बॉन्ड बाजार की शॉर्ट-टर्म खुशी पर आरबीआई का ब्रेक! महंगाई बनी चिंता

विदेशी निवेश ने बढ़ाई रौनक, पर कम अवधि वाले बॉन्ड की तेज़ी को खतरा

नई दिल्ली

विदेशी निवेशकों को लुभाने के सरकार के हालिया प्रयासों ने बॉन्ड बाजार में जबरदस्त उछाल ला दिया है, खासकर कम अवधि वाले सरकारी बॉन्ड में। हालांकि यह उत्साह अल्पकालिक साबित होसकता है क्योंकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही बाजार से अतिरिक्त नकदी को सोखने के लिए कदम उठा सकता है। बढ़ती महंगाई की चिंताएं और बैंकिंग सिस्टम में अनुमानित भारी अधिशेष नकदी, आरबीआई को सख्ती बरतने पर मजबूर कर सकती है,जिससे विदेशी निवेशकों की उम्मीदों पर पानी फिरने और बॉन्ड यील्ड में गिरावट पर ब्रेक लगने की आशंका है। 5 जून को सरकार द्वारा विदेशी निवेशकों के लिए बॉन्ड निवेश को आसान बनाने के बाद से, विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ा है। इसके परिणामस्वरूप, पांच साल वाले सरकारी बॉन्ड की यील्ड 6.49 फीसदी तक गिर गई, जो बॉन्ड की बढ़ती कीमतों का संकेत है। सरकार ने रुपये को मजबूत करने और विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष जमा योजनाओं और सरकारी कंपनियों को विदेशी बॉन्ड के जरिए पैसा जुटाने की छूट जैसे कई अन्य कदम भी उठाए हैं। जिससे लगभग 80 अरब डॉलर के विदेशी निवेश का अनुमान है। हालांकि, इस तेजी पर अब भारतीय रिजर्व बैंक का रुख भारी पड़ सकता है। आरबीआई के लिए महंगाई एक बड़ी चिंता बनकर उभरी है।

मई में थोक महंगाई दर 9.68 फीसदी पर पहुंच गई है और कमजोर मानसून की आशंकाएं कीमतों पर और दबाव डाल सकती हैं। बैंकिंग सिस्टम में आने वाले महीनों में 8 लाख करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त नकदी पहुंचने का अनुमान है, जिसे रोकने के लिए आरबीआई सख्त कदम उठा सकता है।डीबीएस बैंक ट्रेजरी के प्रमुख अधिकारी के अनुसार, शॉर्ट टर्म बॉन्ड में अब और तेजी की गुंजाइश कम है। आरबीआई रिवर्स रेपो या सीआरआर बढ़ाकर बाजार से पैसा खींच सकता है, जिससे पांच साल वाले बॉन्ड की यील्ड 6.50 फीसदी के आसपास बनी रह सकती है।

फिलहाल, बैंकिंग सिस्टम में नकदी का अधिशेष घटकर 29,400 करोड़ रुपये रह गया है, लेकिन महीने के अंत तक सरकारी खर्च और आरबीआई के लाभांश भुगतान के कारण यह फिर बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में कुछ विशेषज्ञ इस साल के अंत तक आरबीआई द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावना भी जता रहे हैं, जो बॉन्ड बाजार पर अतिरिक्त दबाव डालेगा और विदेशी निवेशकों के लिए कम अवधि वाले बॉन्ड में निवेश को कम आकर्षक बना सकता है।

5 दिन की हरियाली के बाद शेयर बाजार धड़ाम...आईटी स्टॉक्स में भारी गिरावट

मुंबई

घरेलू शेयर बाजार में लगातार पांच कारोबारी सत्रों से तेजी से निवेशकों की संपत्ति में जहां बड़ा इजाफा हुआ था, वहीं इस सप्ताह का आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार आईटी सेक्टर के निवेशकों के लिए किसी बुरे सपने जैसा साबित हुआ। भारत की दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयर ताश के पत्तों की तरह बिखर गए। इंफोसिस, टीसीएस और एचसीएल टेक जैसे बड़े और भरोसेमंद शेयरों में भारी बिकवाली देखी गई। इस पूरी तबाही के पीछे वजह भारत की कोई घरेलू घटना नहीं, बल्कि दुनिया की सबसे बड़ी कंसल्टिंग कंपनी एक्सेंचर की एक सख्त चेतावनी है। एक्सेंचर के कमजोर आउटलुक ने निवेशकों को बुरी तरह डरा दिया है, जिसके चलते निफ्टी आईटी इंडेक्स 6.5 फीसदी तक गोता लगा गया और बाजार से कुछ ही घंटों में 1,25,981 करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

दरअसल, ग्लोबल दिग्गज कंपनी एक्सेंचर ने अपने पूरे साल की कमाई (रेवेन्यू ग्रोथ) का अनुमान घटा दिया है। पहले कंपनी को 3 से 5 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद थी, जिसे अब घटाकर 3 से 4 प्रतिशत कर दिया गया है। कंपनी ने चौथी तिमाही के लिए भी कमजोर आंकड़े पेश किए हैं। शेयर बाजार पूरी तरह से भविष्य की उम्मीदों पर चलता है। जब एक्सेंचर जैसी बड़ी कंपनी को नए ऑर्डर मिलने में सुस्ती दिख रही हो, तो निवेशकों को यह डर सताने लगा है कि इसका सीधा असर भारतीय आईटी कंपनियों के बिजनेस पर भी पड़ेगा। इसी खौफ के चलते निवेशकों ने अपने शेयर धड़ाधड़ बेचे।इंफोसिस सबसे ज्यादा पस्त, अन्य दिग्गज कंपनियों का भी बुरा हालइस भारी बिकवाली का असर मुख्य बाजार यानी निफ्टी 50 पर कम, लेकिन आईटी सेक्टर पर कहीं ज्यादा दिखा। मुख्य बाजार केवल 1 फीसदी गिरा, लेकिन आईटी शेयरों ने बाजार की पूरी तस्वीर बिगाड़ दी। इस मंदी में सबसे तगड़ा झटका इंफोसिस को लगा, जिसका शेयर 8.34 प्रतिशत तक टूट गया। यह गिरावट यहीं नहीं रुकी। एम्फेसिस, टीसीएस, टेक महिंद्रा और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स जैसे शेयर लाल निशान में बंद हुए। यह डर सिर्फ भारतीय बाजार तक सीमित नहीं रहा। अमेरिकी बाजार में भी इंफोसिस और विप्रो के एडीआर लगभग 10 फीसदी तक टूट गए। कॉग्निजेंट 10 फीसदी गिरा, वहीं खुद एक्सेंचर का शेयर 17 फीसदी से ज्यादा क्रैश हो गया।

रुपया बढ़त पर बंद

इस बीच, रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 5 पैसे कमजोर होकर 94.38 पर खुला, जबकि गुरुवार को यह 94.33 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

मुंबई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में 7 पैसे की बढ़त के साथ 94.33 पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.20 पर पहुंच गया। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता में तेजी आने की उम्मीद के बीच घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार से रुपया आज सकारात्मक रुख के साथ खुला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में मजबूती के साथ बढ़कर 94.20 प्रति डॉलर तक पहुंच गया। ये इसके पिछले बंद भाव से 20 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया गुरुवार को 10 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.40 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी की बढ़त के साथ 100.92 पर रहा।

स्विस बैंकों में भारतीयों का पैसा 8 फीसदी से अधिक घटा: रिपोर्ट

कुल राशि 3.25 अरब स्विस फ्रैंक हुई, स्थानीय शाखाओं के जरिए जमा राशि में आई कमी

नई दिल्ली।

स्विस बैंकों में भारतीयों द्वारा जमा किया गया धन वर्ष 2025 में 8 प्रतिशत से अधिक घटकर 3.25 अरब स्विस फ्रैंक (लगभग 36,793 करोड़ रुपये) रह गया है। स्विट्जरलैंड के केंद्रीय बैंक, स्विस नेशनल बैंक (एसएनबी) द्वारा जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, यह कमी मुख्य रूप से स्थानीय शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों के माध्यम से रखे गए धन में गिरावट के कारण दर्ज की गई है। एसएनबी के आंकड़ों के मुताबिक, कुल जमा राशि में गिरावट के बावजूद, व्यक्तिगत और संस्थागत ग्राहकों के खातों में जमा धन 50 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52.4 करोड़ स्विस फ्रैंक (लगभग 6,000 करोड़ रुपये) हो गया है। हालांकि, कुल राशि में इन जमाओं की हिस्सेदारी लगभग 16 प्रतिशत ही रही। कुल धनराशि का बड़ा हिस्सा बैंकों को देय राशि के रूप में था, जो अन्य बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों के जरिये रखी गई थी। यह राशि पिछले साल करीब 15 प्रतिशत घटकर 2.6 अरब स्विस फ्रैंक रही। इससे पहले, वर्ष 2024 में स्विस बैंकों में जमा कुल भारतीय धन तिगुना होकर 3.5 अरब स्विस फ्रैंक हो गया था, जो 2021 के बाद का उच्चतम स्तर था। वर्ष 2021 में यह आंकड़ा 14 साल के उच्चतम स्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक पर था। एसएनबी स्पष्ट करता है कि ये आंकड़े स्विट्जरलैंड में भारतीयों के कथित काले धन की मात्रा को नहीं दर्शाते हैं, न ही इनमें वह धन शामिल है जो तीसरे देशों की इकाइयों के नाम पर रखा गया हो। एसएनबी के आंकड़ों के अनुसार, स्विस बैंकों में भारतीयों की कुल जमा राशि वर्ष 2006 में करीब 6.5 अरब स्विस फ्रैंक के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जिसके बाद इसमें अधिकांश समय गिरावट का रुख रहा है, हालांकि कुछ वर्षों में इसमें वृद्धि भी देखी गई।

ईरान-अमेरिका शांति से बाजार में बंपर उछाल, पर आईटी शेयरों ने लगाम कसी

पांच दिन की ऐतिहासिक तेजी, सेंसेक्स ने पार किया 77 हजार का आंकड़ा

मुंबई।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा लेकिन अंततः महत्वपूर्ण रहा। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने और शांति समझौते की सहमति की खबरों ने बाजार में जबरदस्त उत्साह भर दिया, जिससे प्रमुख सूचकांकों ने कई नए रिकॉर्ड बनाए। हालांकि, सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन वैश्विक प्रौद्योगिकी क्षेत्र से मिली नकारात्मक खबर के कारण बाजार में गिरावट दर्ज की गई, जिससे पांच दिनों की लगातार तेजी पर ब्रेक लग गया। सप्ताह की शुरुआत शानदार रही, जब सोमवार को ईरान और अमेरिका के बीच जंग रोकने को लेकर बनी सहमति की खबर ने बाजार में जोश भर दिया। सेंसेक्स 1000 अंकों से अधिक की तेजी के साथ खुला और 736 अंकों की उछाल के साथ 76,000 के पार बंद हुआ, जबकि निफ्टी 231 अंकों की बढ़त दर्ज की। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया। मंगलवार को भी यह सिलसिला जारी रहा, जहां टेक्नोलॉजी और घरेलू मांग वाले सेक्टर्स में खरीदारी के दम पर सेंसेक्स 544 अंकों की मजबूत छलांग लगाकर 76,808 के ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ और निफ्टी 23,989 के पार पहुंच गया। बुधवार को बाजार सपाट खुला, लेकिन अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर शुक्रवार को हस्ताक्षर होने की खबर ने सकारात्मकता बनाए रखी। गुरुवार को शुरुआती नरमी के बावजूद, बाजार ने मजबूत वापसी करते हुए लगातार पांचवें दिन बढ़त दर्ज की। सेंसेक्स 254 अंकों की शानदार तेजी के साथ 77,409 के एक और ऐतिहासिक स्तर पर बंद हुआ।

नोवो नॉर्डिस्क के सिस्टम में सेंधमारी, हैकर्स ने मांगी 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती

फार्मा कंपनी ने मामले को गंभीरता से लिया, जांच जारी

मुंबई।

फार्मास्युटिकल दिग्गज नोवो नॉर्डिस्क कथित साइबर हमले की चपेट में आ गई है। हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया है। हमलावरों ने कंपनी का 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है। डेनमार्क की फार्मास्युटिकल कंपनी नोवो नॉर्डिस्क ने इस दावे पर संज्ञान लिया है कि उसके सिस्टम से अवैध रूप से डेटा कॉपी करके ऑनलाइन प्रकाशित किया गया है।

ऐसी खबरें सामने आई हैं कि एक हैकिंग समूह ने कंपनी से 2.5 करोड़ डॉलर की फिरौती मांगी थी, जिसे कंपनी ने ठुकरा दिया। हैकरों ने 1 टेराबाइट से अधिक डेटा चुराने का दावा किया है।

नोवो नॉर्डिस्क ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रही है और अपने प्रमुख प्लेटफॉर्म पर सामान्य परिचालन बनाए रखते हुए लगातार अपने सिस्टम की निगरानी कर रही है। कंपनी ने पुष्टि की है कि इस घटना को लेकर यह संबंधित अधिकारियों के संपर्क में है और दुनिया भर में मरीजों को दवाओं तथा सहायक सेवाओं की अबाध डिलिवरी सुनिश्चित करने के साथ-साथ अपने सिस्टम की सुरक्षा और विश्वसनीयता बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। हालांकि, नोवो नॉर्डिस्क ने कथित सेंधमारी के पैमाने या प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं की है। कंपनी का यह बयान उन चिंताओं के बीच आया है कि बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों को फिरौती के लिए निशाना बनाया जा रहा है, खासकर स्वास्थ्य सेवा और दवा जैसे अहम क्षेत्रों में। इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण अनुसंधान, रोगी-संबंधित जानकारी और स्वामित्व वाले डेटा को अक्सर मूल्यवान लक्ष्य माना जाता है। हाल के समय में डेटा एक्सटॉर्शन (डेटा चुराकर फिरौती मांगने) की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं, जहां हमलावर बड़े स्तर पर डेटा चोरी का दावा करके फर्मों पर फिरौती देने का दबाव बनाते हैं।

कंपनियों द्वारा अक्सर यह चेतावनी दी जाती है कि जब ऐसे दावे सार्वजनिक किए जाते हैं, तो जरूरी नहीं कि उनकी स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई हो।

नोवो नॉर्डिस्क ने इस कथित घटना के बारे में कोई तकनीकी जानकारी नहीं दी है, माना जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों और साइबर सुरक्षा टीमों की मदद से इसकी जांच चल रही है। नोवो नॉर्डिस्क 1994 से भारत में सक्रिय है और इसका मुख्यालय बेंगलुरु में है। भारत में कंपनी के 1,600 से अधिक कर्मचारी हैं।

मारुति सुजुकी ने अपने ग्राहकों के लिए पेश किया स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान

नई दिल्ली

अपने ग्राहकों के लिए मारुति सुजुकी कंपनी ने स्मार्ट मेंटेनेंस प्लान नामक एक नई और सुविधाजनक रखरखाव योजना पेश की है। यह योजना निजी और व्यावसायिक दोनों प्रकार के वाहन मालिकों के लिए उपलब्ध है।

इस पहल का उद्देश्य वाहन मालिकों को सेवा और रखरखाव से जुड़े खर्चों पर बेहतर नियंत्रण देना, भविष्य में बढ़ने वाली सेवा लागतों से बचाना और वाहन स्वामित्व के अनुभव को अधिक सुविधाजनक बनाना है।

ग्राहक चाहें तो नया वाहन खरीदते समय ही इसे अपना सकते हैं, वहीं पहले से वाहन उपयोग कर रहे ग्राहक भी देशभर में स्थित किसी भी अधिकृत मारुति सुजुकी सेवा केंद्र से इसे खरीद सकते हैं।

इस योजना की सबसे बड़ी विशेषता इसका लचीलापन है। वाहन मालिक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार विभिन्न प्रकार के सेवा पैकेज चुन सकते हैं।

इनमें केवल श्रम शुल्क वाले पैकेज, पुर्जों और श्रम दोनों को शामिल करने वाले पैकेज, व्यावसायिक वाहनों के लिए विशेष रखरखाव सेवाएं तथा इंजन ऑयल और शीतलक द्रव से संबंधित सुविधाएं शामिल हैं।

कुछ चुनिंदा पुर्जों जैसे क्लच और ब्रेक के लिए घिसावट और सामान्य उपयोग से होने वाले नुकसान की सुरक्षा का विकल्प भी उपलब्ध है।

कंपनी के अनुसार, इस योजना का लाभ लेने वाले ग्राहकों को श्रम शुल्क में कम से कम दस प्रतिशत तक की बचत हो सकती है

और विभिन्न पुर्जों पर भी अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिल सकता है।

चूंकि यह एक पूर्व भुगतान आधारित योजना है,

इसलिए ग्राहक सेवा पैकेज खरीदते समय ही भविष्य के रखरखाव खर्च को तय कर सकते हैं, जिससे आने वाले वर्षों में सेवा शुल्क बढ़ने की स्थिति में भी उन्हें अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

निजी वाहन मालिक दो वर्ष या बीस हजार किलोमीटर से लेकर दस वर्ष या एक लाख किलोमीटर तक के विकल्प चुन सकते हैं, जबकि व्यावसायिक वाहनों के लिए यह सुविधा दस वर्ष या एक लाख साठ हजार किलोमीटर तक उपलब्ध होगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि यह योजना ग्राहकों को अधिक विकल्प, बेहतर सुविधा और खर्चों में पारदर्शिता उपलब्ध कराएगी, जिससे वाहन स्वामित्व को आसान बनाने में मदद मिलेगी।

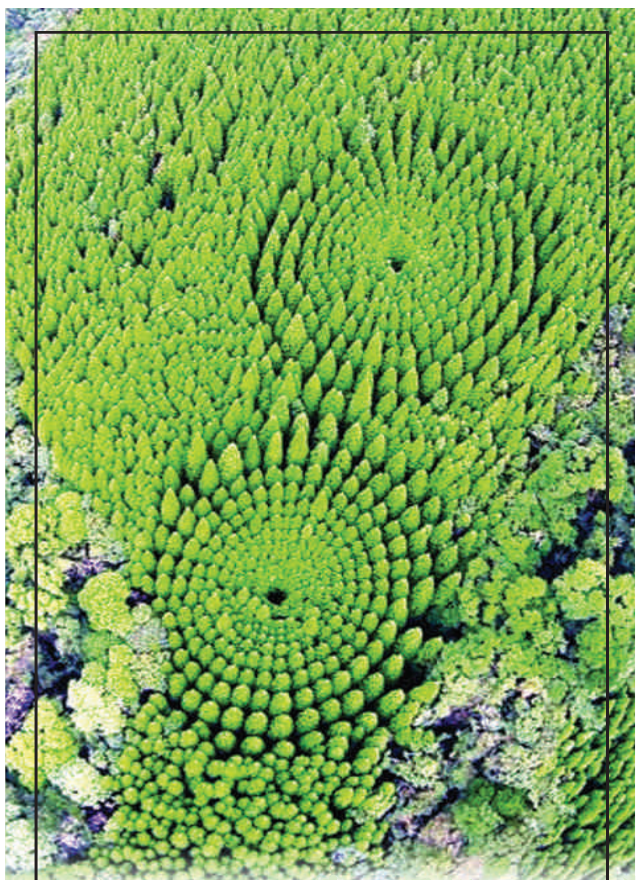

पांच दशक पहले वैज्ञानिकों ने उगाया था ये जंगल

दुनिया में रहस्यों की कमी नहीं है इनमें भी कुछ तो ऐसे हैं जिनके बारे में आज तक कोई जान नहीं पाया. आज हम आपको बताने जा रहे हैं जापान के एक ऐसे जंगल के बारे में जहां जाने से हर कोई कतराता है. इस जंगल में कुछ ऐसा खास है जो इसे दुनिया के सभी जंगलों से अलग करता है. दरअसल, यह जंगल जापान के मियाजाकी प्रीफेक्चर में स्थित निचिनन सिटी के पास में हैं. इस जंगल की सबसे अजीब बात यह है कि इसे ऊंचाई से देखने पर ऐसा लगता है कि मानो यहां पर कोई युएफओ यानि एलियन उतरा हो. इस जंगल के पेड़ किसी घेरे में मौजूद हैं और चक्र जैसी आकृति का निर्माण करते हैं. अगर कोई फ्लाइट या हेलीकॉप्टर से जा रहा हो तो उसे इस जंगल की आकृति थोड़ा चौंका सकती है.

बता दें कि ये जंगली प्राकृतिक नहीं है बल्कि इसे वैज्ञानिकों के एक एक्सपेरिमेंट के तरह पैदा किया है. इस जंगल की खास बात ये हैं कि यह एक्सपेरिमेंट अभी हाल फिलहाल में नहीं किया गया बल्कि 50 साल पहले वैज्ञानिकों की एक टीम ने इस एक्सपेरिमेंट को अंजाम दिया था. जिसके बाद यहां पर घुमावदार आकृति में पेड़ उगने लगे. बता दें कि इस प्रोजेक्ट का नाम एक्सपेरिमेंटल फॉरेस्ट्री रखा गया था. इस एक्सपेरिमेंट का मकसद पेड़ों की दूरी के आधार पर उनके विकास को समझना था. जब ये एक्सपेरिमेंट शुरू किया गया तो वैज्ञानिकों ने 10 गोलाकार पंक्तियों में देवदार के पेड़ लगाए. जिसका नतीजा आज देखने को मिलता है.

हरियाणा का राज्य पक्षी है काला तीतर

काला तीतर का सिर भूरे रंग की आईरिस आंखों के रंग और भूरे रंग के मुकुट के अनूठे पैटर्न के साथ घुमावदार है और गले का रंग काला है। इसकी लंबाई 33 से 36 सेमी और वजन लगभग 453 ग्राम (16 औंस) और काला तीतर का आकार 9 से 16 इंच है। इसे इसेनस नाम से भी जाना जाता है। यह हरियाणा का राज्य पक्षी है। काला तीतर सबसे मूल्यवान पक्षियों में से एक है। बर्डलाइफ इंटरनेशनल के अनुसार तीतर की जनसंख्या स्थिर है। भारत में इस पक्ष को अभी भी एक सामान्य पक्षी माना जाता है। ईसीएन रेड लिस्ट के अनुसार यह संकटमुक्त श्रेणी में आने वाला एक मध्यम आकार का सुंदर पक्षी है, जिसकी सीमा से दक्षिण-पूर्वी से पूर्व को और ईरान से होते हुए दक्षिण-पश्चिम तुमेनिस्तान और उत्तर-पूर्व भारत और बांग्लादेश तक फैली हुई है। भारत में यह उत्तरी राज्यों में ज्यादा पाया जाता है। दूर से काला और सुनहरा दिखने वाला से नर तीतर गले मे लेकर नीचे तक पूरा काला होता है। गाल पर एक सफेद पैरा शाहल कॉलर और किनारों पर सफेद धब्बे होते हैं। वयस्क काले तीतर का

500 ग्राम के बीच होता है। तीवर भोजन में अनाज, पास के सीज फल, अंकुर, कंद, दीमक, और चीटियों को खाते हैं।

10 से 14 तक अंडे देती है

तीतर का प्रजनन मार्च महीने में शुरू होता है बनाने का सबसे स्थान खेत मास के मैदान के अलावा खेतों की फसलों वाली जगह पर होता है, जिसे उनको शिकारी जानवरों से खतरा कम रहे। यह माना जाता है कि मादा एक ही दिन में सभी अंडे देने के बजाय अलग-अलग दिनों में अंडे देती है। आम तौर पर अंटों की 10 से 14

दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात है एंजिल जलप्रपात

एंजिल जलप्रपात यह दुनिया का सबसे उंचा जलप्रपात हैं जोकि दक्षिण अमेरिका के वेनेजुएला में कोरोनी नदी पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई लगभग 979 मीटर और गहराई 807 मीटर हैं। एंजेल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई नामक एक पर्वत पर स्थित हैं। इसकी ऊंचाई इतनी अधिक हैं कि इससे गिरने वाला पानी धुंध या धुंए के रूप में बदल जाता हैं और यह दृश्य पर्यटकों के मन को उतना ही अधिक भाता हैं। एन्जिल जलप्रपात वेनेजुएला के दूसरे सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान कैनाईमा नेशनल पार्क में स्थित है।

यह जल प्रपात टेबल टॉप पर्वत औयंतपुई-टापू के शिखर के पास एक गुंबद से टकरा कर नीचे गिरता हैं और जिस जगह यह गिरता हैं उसे शैतान घाटी के नाम से जाना जाता हैं। इस जल-प्रपात को सैल्टो ऑन्गेल या स्वदेशी केरेपुपाई-मेरु के नाम से भी जाना जाता है। स्वदेशी नाम पेमोन नेटिव जिसका अर्थ होता हैं सबसे गहरी जगह से गिरना। इस प्रपात का नाम एक हवाई जहाज के पायलेट के नाम पर रखा गया हैं जिनका नाम जिमी एंजेल था।
एन्जिल जलप्रपात यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल में शामिल हैं।
एंजिल जल प्रपात को 20वीं शताब्दी के दौरान एंजिल जलप्रपात के नाम से जाना गया। इसका नाम अमेरिका के एक हवाई जहाज चालक के नाम पर रखा गया था जिनका नाम जिमी एंजेल था। जोकि एंजिल जलप्रपात के ऊपर से हवाई उडान भरने वाले प्रथम व्यक्ति थे। एंजिल जलप्रपात, स्पैनिश साल्टो ऑन्गेल, जिसे साल्टो चुरुन मेरू भी कहा जाता है, बोलिवर राज्य के गुआना हाइलैंड्स में झरना है, जो चुरू नदी पर वेनेजुएला के दक्षिण-पूर्व में, कैरोनी की सहायक नदी से 160 मील (260 किमी) सिउदाद बोलिवर के दक्षिण-पूर्व में स्थित है।एंजेल फॉल्स दुनिया का सबसे ऊंचा झरना है। यह ऑयनटेपुई नामक पर्वत से 3,212 फीट (979 मीटर) से गिरता है। एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला में स्थित है, जो दक्षिण अमेरिका का एक देश है।

एन्जिल जलप्रपात में पर्यटकों के लिए आकर्षण

एंजिल जलप्रपात वेनेजुएला के विभिन आकर्षित पर्यटक स्थलों में से एक है। हालांकि एन्जिल जलप्रपात की यात्रा एक कठिन यात्रा होती हैं जिसमे पर्यटकों को कुछ सावधानी रखना बहुत जरूरी होता हैं। एंजिल जलप्रपात नामक यह स्थान एक अलग जंगल में स्थित हैं और स्यूदाद बोलिवर या पुएरा ऑर्डाज़ से कैनिमा शिविर तक पहुचने के लिए आपको एक यात्रा करनी पड़ेगी हैं।

एन्जिल जलप्रपात में क्या क्या कर सकते हैं

यदि आप एंजिल जलप्रपात देखने जाते हैं और आप कैरो नदी की यात्रा करना चाहते हैं तो नदी की यात्रा विशेष रूप से जून से दिसंवर के महीनो में होती हैं। क्योंकि इस समय के दौरान नदियों में पर्याप्त पानी और गहराई होती जिससे नदी की यात्रा का आनंद दुगना हो जाता हैं। जबकि दिसंवर से मार्च के महीने में कम पानी देखा जाता हैं। आप पहाडियों पर चड़ने का अनुभव भी यह कर सकते हैं। इस स्थान पर एक शानदार पिकनिक भी मनाई जा सकती हैं। झरने के करीब जाकर ऊपर से छोटी-छोटी बूंदों के रूप में गिरने वाले पानी में अपने आप को भिगोने का अनुभव भी आप कर सकते हैं।
वेनेजुएला में स्थित एंजिल फाल्स विश्व के

चार खूबसूरत प्रसिद्ध झरनों में से एक हैं। यह झरना विश्व के सबसे अधिक उचाई से लगातार गिरने वाले झरने के रूप में प्रसिद्ध हैं। एंजेल फॉल्स अपनी ऊंचाई के लिए भी दुनिया भर में जाना जाता हैं, इस स्थान की ऊंचाई 3212 फीट ऊंचाई है। एंजिल फाल्स को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भी शामिल किया जा चुका हैं। एंजिल जलप्रपात में इतनी ऊंचाई से गिरने वाला पानी आसपास के इलाकों में फुहारों की तरह उड़ता है। यहां का ऐसा द्रश्य पर्यटकों के दिलो को छू लेता हैं जिससे यहां आने वाले पर्यटकों की तादाद बहुत जायदा हैं। एंजिल वाटर फाल्स ऑयनटेपुई पर्वत के पास से गुजरने वाली चुरुम नदी पर स्थित दुनिया का सबसे बड़ा जलप्रपात हैं। जोकि दक्षिण अमेरिका के ग्रान सबाना नामक जिले में स्थित हैं। वेनेजुएला का एंजिल झरना कैनेमा नेशनल पार्क के बीच में स्थित हैं जोकि गुयाना और ब्राजील की सीमा के लगभग करीब हैं। एंजिल जलप्रपात तक जाने के लिए कैनेमा नामक स्थान से 5 किलोमीटर का सफर तय करना पड़ेगा। प्योर्टो ऑर्डाज़ से एक छोटे डगलस के माध्यम से कैनिमा तक पहुंच सकते हैं।

एंजिल फाल्स कैसे देख सकते हैं

जब आप प्योर्टो ऑर्डाज़ से चलने वाले डगलस के माध्यम से कैनिमा तक का सफर तय करेंगे उस समय आप खिडकियों से यहां के टेपउस के प्रसिद्ध टेबलटॉप पहाड़ों का खूबसूरत नजरा देख सकते हैं। इन पहाड़ों में सबसे ऊपर दुनिया के सबसे उंचे झरने को देखने का एक सुखद आनंद आप अपने दिल में संजो के ले जाना चाहेंगे। जब आप इस स्थान पर पहुंच जायंगे तो नजदीक से एंजिल जलप्रपात का लुत्फ उठा सकते हैं।

एंजेल फाल्स को एंजेल फाल्स क्यों कहा जाता हैं

एंजेल फाल्स का नाम एंजेल फाल्स क्यों पड़ा? दरअसल बात उस समय की हैं जब एक अमेरिकी हवाई जहाज चालक जिनका नाम जिम एंजेल था और वह इस झरने के ऊपर से उडान भने वाले प्रथम व्यक्ति भी थे। उन्ही के नाम पर इस झरने का नाम रखा गया हैं। उन्होंने सबसे पहले इस झरने के बारे बताया था लेकिन किसी ने उनकी बात पर यकीन नही किया। उनकी ईक्षानुसार उनकी अस्तियों को इसी झरने के ऊपर से उड़ा दिया गया था। हालाकि वर्ष 2009 में वेनेजुएला के राष्टपति ह्यूगो चावेज़ ने एंजेल फाल्स का नाम बदलने की बात कही थी, लेकिन बाद में उन्होंने ने अपनी बात को वापिस लेते हुए कहां की में इस प्राचीन और प्रसिद्ध झरने के नाम में परिवर्तन नही कर सकता।

सोने की रहस्यमयी बीमारी से पीड़ित हैं कजाकिस्तान के कलाची गांव के लोग

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सबकुछ छोड़कर सोने लगता है. उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए. कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता है. लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं. यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं. दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में

कर सकता. बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ित हैं. जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते.
कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था. कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे. इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी. तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं.
बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं. हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा है. रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा है.
इस गांव की आबादी करीब 600 है. इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं. इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं. मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे. वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं. उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं.
बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है. इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था. रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है. हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है.

दुनिया की सबसे अनोखी तितली डेड लीफ बटरफ्लाई

प्रकृति ने इंसानों के साथ लाखों-करोड़ों जीव-जन्तु बनाएं है. इनमें से कुछ जीव इतने सुंदर होते हैं कि आप उन्हें देखकर मंत्रमुग्ध हो जाएंगे. इन्ही में से एक जीव है तितली. आपने तमाम रंगों की तितलियां देखी होंगी. जिनकी अठखेलिया आपको भी प्रभावित करती होंगी. आज हम आपको एक ऐसी तितली के बारे में बताने जा रहे हैं जो रंग बिरंगी तो है ही इसके साथ ही वह एक सूखे पत्ते की भांति भी रंग बदल लेती है.

इस तितली को देखकर आप अंदाजा नहीं लगा पाएंगे कि ये तितली है या फिर कोई सूखा पत्ता. क्योंकि जब ये तितली अपने पंखों को बंद रखती है तो ये किसी सूखे पत्ते जैसी दिखती है. जब ये उड़ती है या अपने पंख खोलती है तभी आप पता लगा सकते हैं कि ये तितली है. दरअसल, यही पंख उसे माहौल में गायब कर खतरनाक शिकारियों से बचाते हैं. इस तितली का नाम है द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो ट्रॉपिकल एशिया में पाई जाती है. इस तितली का एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है. जिसमें आप सूखे पत्तों जैसी दिखने वाली तितली को आसानी से देख सकते हैं.
इस वीडियो को ट्विटर पर शेयर किया गया है. वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया है, 'ट्रॉपिकल एशिया की द डेड लीफ बटरफ्लाई, जो नजरों को धोखा देने में माहिर है! जब कोई चिड़िया या दूसरे शिकारी उसके करीब आते हैं तो वह अपने पंखों को बंद कर लेती है. ऐसा कर वो माहौल में गायब होकर खुद को शिकारियों से बचा लेती है!'

यशस्वी का शतक, प्रसिद्ध का पंजा; भारत ने अफगानिस्तान को 9 विकेट से हराकर सीरीज 3-0 से जीती

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज का शानदार समापन करते हुए तीसरे और अंतिम मुकाबले में 9 विकेट से एकतरफा जीत दर्ज की। एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में शनिवार को खेले गए मैच में भारत ने 219 रनों का लक्ष्य महज 28.4 ओवर में हासिल कर लिया। इस जीत के साथ शुभमन गिल की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने तीन मैचों की वनडे सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

भारत की जीत के नायक युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा रहे। यशस्वी ने नाबाद 110 रन की शानदार पारी खेलते हुए अपने वनडे करियर का दूसरा शतक जड़ा, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने घातक गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर 5 विकेट हासिल किए।

यशस्वी-रोहित ने आसान बनाया लक्ष्य

219 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने अफगान गेंदबाजों पर दबाव बनाते हुए पहले विकेट के लिए मजबूत साझेदारी की।

रोहित शर्मा ने 69 गेंदों में 79 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। उन्हें मोहम्मद नबी ने सेदिकुल्लाह अटल के हाथों कैच कराया। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और श्रेयस अय्यर ने कोई जोखिम नहीं लिया और टीम को जीत तक पहुंचाया।

यशस्वी ने 86 गेंदों में नाबाद 110 रन की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वहीं श्रेयस अय्यर 20 रन बनाकर नाबाद लौटे।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अफगान बल्लेबाजी की कमर तोड़ी

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने दूसरे ही ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज (5) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने लगातार झटके देते हुए रहमत शाह (5), इब्राहिम जादरान (11) और दरविश रसूली (11) को भी पवेलियन भेज दिया। महज 36 रन पर चार विकेट गंवाकर अफगानिस्तान संकट में आ गया था।

हालांकि कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और अजमतुल्लाह उमरजई ने पांचवें विकेट के लिए 105 रनों की साझेदारी कर टीम को संभालने की कोशिश की। उमरजई ने 56 गेंदों में 50 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

उमरजई के आउट होने के बाद अफगानिस्तान की पारी फिर लड़खड़ा गई। मोहम्मद नबी 21 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान केवल 5 रन ही बना सके।

शाहिदी का पहला वनडे शतक भी नहीं बचा सका टीम को

एक छोर पर डटे कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने वनडे करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने 131 गेंदों पर 102 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और एक छक्का शामिल था। शाहिदी की इस जुझारू पारी की बदौलत अफगानिस्तान 44.2 ओवर में 218 रन तक पहुंच सका।

भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा ने सबसे सफल गेंदबाज रहते हुए 5 विकेट लिए। वहीं हर्ष दुबे, गुरनूर बरार और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

भारत ने पूरे दौरे में दिखाया दबदबा

भारतीय टीम इससे पहले धर्मशाला में खेले गए पहले वनडे में 7 विकेट और लखनऊ में दूसरे मुकाबले में 170 रनों से जीत दर्ज कर चुकी थी। चेपॉक में मिली जीत ने सीरीज में भारत का दबदबा पूरी तरह साबित कर दिया।

इस मैच में भारत ने अर्शदीप सिंह, केएल राहुल और कुलदीप यादव को आराम दिया था, जबकि नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा और हर्ष दुबे की प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का रिकॉर्ड और मजबूत

वनडे क्रिकेट में भारत और अफगानिस्तान के बीच अब तक 7 मुकाबले खेले जा चुके हैं। इनमें भारत ने 6 मैच जीते हैं, जबकि एक मुकाबला टाई रहा। अफगानिस्तान अब भी भारत के खिलाफ अपनी पहली वनडे जीत की तलाश में है। चेपॉक में मिली हार के बाद यह इंतजार और लंबा हो गया है।

भारतीय महिला हॉकी टीम की चिली पर बड़ी जीत, नेशंस कप के फाइनल में बनाई जगह

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2025-26 के सेमीफ़ाइनल में चिली के खिलाफ 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में जगह बना ली है।

आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए नवनीत कौर ने (छठे, 13वें), दीपिका ने (14वें, 18वें), नेहा ने (32वें) और रुतुजा दादासो पिसाल ने (39वें) मिनट में गोल किए। कप्तान सलीमा टेटे को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए'प्लेयर ऑफ़ द मैच%चुना गया। भारत का फाइनल में मुक़ाबला अमेरिका और मेजबान न्यूजीलैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

खेल की अच्छी शुरुआत के बाद, जिसमें भारत ने शुरुआती दौर में गेंद पर अपना कब्ज़ा बनाए रखा, उन्हें छठे मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। नवनीत ने इस मौके का फायदा उठाया और उनके शॉट ने गोल के कोने में जाकर भारत को बढ़त दिलाई। भारत ने 13वें मिनट में अपनी बढ़त और मजबूत की।

सलीमा ने बाईं ओर से शानदार दौड़ लगाई और क्रॉस दिया, जिससे नवनीत को चिली के गोल पोस्ट के सामने बिना किसी रुकावट के गेंद को डिफ़्लेक्ट करके अपना दूसरा गोल करने का मौका मिला। ड्रैगफ़्लिकर दीपिका ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के ज़रिए भारत की बढ़त को और बढ़ाया और 18वें मिनट में सेट-पीस से एक और गोल करके स्कोर तेजी से 4-0 कर दिया।

दीपिका के इन दो गोलों के साथ वह टूर्नामेंट में छह गोल करके सबसे अधिक गोल करने वाली खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गईं। 4-0 की मज़बूत बढ़त के साथ दूसरे हाफ़ में पहुंचने के बाद भारत ने चिली की टीम पर दबाव बनाना जारी रखा। नेहा ने 32वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे भारत की बढ़त 5-0 हो गई और शॉट-कॉर्नर को गोल में बदलने का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। 39वें मिनट में रुतुजा दादासो पिसाल ने भी गोल करने वालों की लिस्ट में अपना नाम जोड़ा; उन्होंने ओपन प्ले से रिवर्स हिट लगाकर गोल किया और स्कोर 6-0 कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में चिली की फॉरवर्ड खिलाड़ियों ने सविता को चुनौती दी और उन्होंने कुछ शानदार बचाव किए। हालांकि, चिली की खिलाड़ी उन्हें पार नहीं कर सकीं और भारत ने आखिरी मिनटों में अपनी बढ़त बनाए रखते हुए 6-0 से शानदार जीत दर्ज करते हुए खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में वैभव सूर्यवंशी पर होगी सबकी नजर

दांबुला (एजेंसी)। 21 जून इंडिया ए और श्रीलंका ए के बीच ट्राई नेशन ए सीरीज का बहुप्रतीक्षित फाइनल रविवार को दांबुला में खेला जाएगा। इस मुकाबले में एक बार फिर सभी की निगाहें युवा भारतीय सनसनी 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर टिकी होंगी। इस फाइनल से पहले, पिछली बार जब ये दोनों टीमें आमने-सामने आई थीं, तो वैभव और श्रीलंकाई खिलाड़ियों के बीच एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया था। वह मुकाबला सुपर ओवर तक खिंचा था, जिसमें टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था, और उसी दौरान मैदान पर खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई थी। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या फाइनल में श्रीलंकाई खिलाड़ी एक बार फिर वैभव को निशाने पर लेंगे? इस सवाल का जवाब खुद श्रीलंका ए के कप्तान ने दिया है। पिछली भिड़ंत में, इंडिया ए की सुपर ओवर में हार के बाद, वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के खिलाड़ी विशेन हालंबगे के बीच तीखी बहस हुई थी, जिसमें वैभव ने हालंबगे को धक्का भी दे दिया था। इस घटना के बाद, कई रिपोर्टों में सामने आया कि हालंबगे लगातार वैभव को चिढ़ा रहे थे और ट्राई-नेशन सीरीज की शुरुआत से ही दोनों खिलाड़ियों के बीच मौखिक झड़पें हो रही थीं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हालंबगे ने भारतीय बल्लेबाज से कई बातों के अलावा यह भी कहा था, घर जाओ, यह आईपीएल नहीं है। या कुछ इसी तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसने स्थिति को और गरमा दिया था।

टी20 विश्व कप: भारत-साउथ अफ्रीका की ऐतिहासिक भिड़ंत, भारत की हैट्रिक पर नजरें

मैनचेस्टर (एजेंसी)। विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भारत रविवार को एमिरेट्स ओल्ड ट्रैफर्ड में साउथ अफ्रीका से भिड़ेगा। लगातार दो मैच जीतने के बाद विमेन इन ब्लू की नजरें हैट्रिक लगाने पर हैं। यह मैच ऐतिहासिक है क्योंकि विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमें पहली बार आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला पिछले साल के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की यादें भी ताजा करता है, जहां भारत ने साउथ अफ्रीकी टीम को हराकर ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, रविवार का मुकाबला टी20 वर्ल्ड कप का सिर्फ एक ग्रुप-स्टेज मैच है, लेकिन यह प्रोटियाज टीम के लिए बदला लेने और नॉकआउट स्टेज की ओर एक निर्णायक कदम उठाने का मौका है। हाल के वर्षों में महिला क्रिकेट में साउथ अफ्रीका और भारत के बीच एक जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता देखने को मिली है, और रविवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में ग्रुप 1 के इस अहम मुकाबले में इस प्रतिद्वंद्विता का एक और अध्याय लिखा जाएगा।

भारत ने इस वर्ल्ड कप में दमदार शुरुआत की है। अपने पहले मैच में पाकिस्तान को 64 रन से हराया, और फिर नीदरलैंड को 95 रन से मात दी। इन दो लगातार जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट के शुरुआती दावेदारों में खुद को मजबूती से स्थापित कर लिया है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों ने शानदार प्रदर्शन किया है, जिससे उनका आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है। वहीं, दूसरी ओर साउथ अफ्रीका की शुरुआत मिली-जुली रही है। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के हाथों 65 रन से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन उन्होंने शानदार वापसी करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कड़े मुकाबले में 2 विकेट से जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए काफी अहम थी और अब उन्हें ग्रुप 1 में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए भारत के खिलाफ भी जीत दर्ज करनी होगी।

हालांकि दोनों देश विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के सभी 10 संस्करण में खेले हैं, लेकिन हैरानी की बात है कि टूर्नामेंट में यह उनका पहला मुकाबला होगा। दोनों देशों के बीच टी20 फॉर्मेट में कुल 24 मैच खेले गए हैं, जिसमें भारत ने 11 और साउथ अफ्रीका ने 10 मैच जीते हैं, जबकि तीन मैच बेनतीजा रहे हैं। हालांकि, हाल के मुकाबलों में साउथ अफ्रीका को ज्यादा सफलता मिली है, उन्होंने पिछले 15 टी20 मुकाबलों में से 9 में जीत हासिल की है। यह आंकड़ा इस बात का सबूत है कि भले ही भारत का पलड़ा भारी दिखता हो, लेकिन प्रोटियाज टीम कड़ी चुनौती पेश करने में सक्षम है।

सैबारी ने दूसरे मिनट में गोल करके मोरक्को को दिलाई जीत

फॉक्सबोरो (मैसाचुसेट्स)। इस्माइल सैबारी ने गोल करने की अपनी काबिलियत का एक बार फिर से शानदार नमूना पेश करते हुए दूसरे मिनट में ही स्कोरशीट पर अपना नाम लिखवाया जिससे मोरक्को ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप सी के मैच में स्कॉटलैंड को 1–0 से हराया। सैबारी को ब्राजील के खिलाफ विश्व कप में अपने पदार्पण मैच में गोल करने में केवल 21 मिनट लगे थे। लेकिन स्कॉटलैंड के खिलाफ जिलेट स्टेडियम में उन्होंने केवल 72 सेकंड में ही गोल कर दिया जो निर्णायक साबित हुआ। इससे मोरक्को के लगातार दूसरी बार विश्व कप के नॉकआउट दौर में पहुंचने की उम्मीदें जीवंत रहीं। मोरक्को के कोच मोहम्मद ओउहबी ने कहा, 'हमें तीन अंक चाहिए थे और हमें मिल गए।' मोरक्को ने मैच की शुरुआत में ही अपनी शानदार पासिंग से स्कॉटलैंड को हैरान कर दिया। सैबारी स्कॉटलैंड के दो डिफेंडरों को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़े और ब्राहिम डियाज़ ने उन्हें गेंद पास की। 25 वर्षीय फॉरवर्ड ने गेंद को लपकते ही गोलकीपर एंगस गन की पहुंच से काफी दूर नेट ऊपरी बाएं कोने में जोरदार शॉट लगाकर अपने प्रशंसकों को जश्न मनाने का मौका दिया। कतर में खेले गए पिछले विश्व कप में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली मोरक्को की टीम ने ग्रुप सी का अपना पहला मैच ब्राजील के साथ 1–1 से ड्रॉ खेला था, जिसमें सैबारी ने उसकी तरफ से एकमात्र गोल किया था। स्कॉटलैंड ने अपने पहले मैच में हैती को 1–0 से हराया था लेकिन मोरक्को की मजबूत रक्षात्मक पंक्ति के सामने उसे स्पष्ट मौके बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। अनुकूल परिणाम हासिल नहीं करने के बावजूद स्कॉटलैंड के कोच स्टीव क्लार्क ने कहा, 'हमने उन्हें कड़ी टक्कर दी। हमें पूरा भरोसा है कि हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।'

फीफा विश्व कप : मैथियस कुन्हा के दो गोल से ब्राजील ने हैती को बाहर का रास्ता दिखाया

फिलाडेल्फिया (एजेंसी)। विनीसियस जूनियर ने एक गोल किया और मैथियस कुन्हा के दो गोल में से एक में मदद की, जिससे पांच बार के चैंपियन ब्राजील ने शुक्रवार रात को हैती को 3-0 से पराजित करके उसे विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। हैती 1974 के बाद पहली बार विश्व कप में खेल रहा है। वह मौजूदा विश्व कप में नॉकआउट राउंड की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन गई है।

दूसरी तरफ ब्राजील ने अपनी लय हासिल करके अगले दौर में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्टार खिलाड़ी कुन्हा को शुरुआती लाइनअप में जगह मिली। उन्होंने दो गोल करके यह साबित कर दिया कि ब्राजील और मोरक्को के बीच 1-1 से नीरस ड्रॉ छूटे पहले मैच में उन्हें शुरुआती लाइनअप में नहीं रखना कितनी बड़ी गलती थी।

ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने पहले मैच में चौंकाने वाला फैसला लेते हुए कुन्हा को काफी देर बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतारा था। लिंकन फाइनेंशियल फील्ड में मौजूद 68,324 दर्शकों में से अधिकतर ब्राजील के प्रशंसक थे, जिन्हें कुन्हा ने 23वें मिनट में अपने करियर का पहला विश्व कप गोल करके रोमांचित कर दिया। इसके बाद उन्होंने 36वें मिनट में बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर ब्राजील को हैती की कमजोर टीम पर 2-0 की बढ़त दिला दी।

विनीसियस ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में तीसरा गोल किया। ब्राजील के फॉरवर्ड राफिन्हा के शुरुआती गोल को ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया था। इससे पीले रंग की जर्सी पहने सेलेकाओ (ब्राजील की टीम) के प्रशंसकों का उत्साह कुछ समय के लिए ही कम हुआ, लेकिन कुन्हा ने जल्द ही उन्हें झूमने के लिए मजबूर कर दिया। राफिन्हा को चोट के कारण पहले हाफ में ही बाहर होना पड़ा था।

हैती के प्रशंसकों ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के पारंपरिक युद्धघोष 'ग्रेनेडिये अलासो' (ग्रेनेडियर्स आक्रमण पर) पर नृत्य किया और गीत गाए। ब्राज़ील के प्रशंसकों ने जवाब में नारे लगाए और हैती के प्रशंसकों को याद दिलाया कि उनका देश पांच बार का विश्व कप चैंपियन है और फुटबॉल के बादशाह का घर है। वह कह रहे थे, 'हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल, हजार गोल। सिर्फ पेले, सिर्फ पेले, सिर्फ पेले' ने किए हैं।

बहस के दौरान मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बने अलमिरोन

सांता क्लारा (अमेरिका)। पराग्वे के मिडफील्डर मिगुएल अलमिरोन विश्व कप में मुंह ढकने के लिए लाल कार्ड पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह घटना पराग्वे और तुर्किए के बीच शुक्रवार रात को खेले गए ग्रुप डी के मैच के पहले हाफ के इंजरी टाइम के दौरान घटी, जब मिडफील्ड के पास फाउल के बाद अलमिरोन और मर्ट मुल्डर के बीच कहा–सुनी हो गई। अलमिरोन ने मुल्डर से कुछ कहते हुए अपना मुंह ढक लिया। इस पर मुल्डर ने तुरंत रेफरी इवान बार्टन से सजा देने की अपील की। बार्टन ने वीडियो समीक्षा का सहारा लिया और इस साल विश्व कप में लागू किए गए एक नए नियम के तहत अलमिरोन को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया। पराग्वे के कोच गुस्तावो अल्फारो ने कहा, 'नए नियम के अनुसार अगर आप मुंह ढकते हैं तो आपको मैदान से बाहर कर दिया जाएगा। मैं इसको लेकर कुछ नहीं कर सकता। हम इस पर कोई राय नहीं दे सकते।'

महिला टी–20 विश्व कप : न्यूजीलैंड ने रोमांचक जीत से खोला खाता, भारत ग्रुप–ए में शीर्ष पर बरकरार

नई दिल्ली । आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में आखिरकार डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड ने आयरलैंड के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 4 रनों से जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में अपना खाता खोल लिया है। वेस्टइंडीज और श्रीलंका से मिली शुरुआती दो हार के बाद कीवी टीम के लिए यह जीत बेहद जरूरी थी, हालांकि आयरलैंड ने उन्हें अंत तक कड़ी टक्कर दी। इस जीत के बावजूद, न्यूजीलैंड का सेमीफाइनल में पहुंचना अभी भी काफी कठिन है, क्योंकि उन्हें अपने बचे हुए मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा और अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना होगा। वहीं, दूसरी ओर भारतीय टीम ने ग्रुप–ए में अपना दबदबा कायम रखते हुए शीर्ष स्थान पर अपनी पकड़ बनाए रखी है। ग्रुप–बी के पॉइंट्स टेबल पर नजर डालें तो न्यूजीलैंड इस जीत के साथ चौथे पायदान पर पहुंच पाई है। उनके ऊपर स्कॉटलैंड, वेस्टइंडीज और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमें हैं। स्कॉटलैंड ने इस टूर्नामेंट में अभी तक दो मैच खेले हैं, जिसमें एक में उसे जीत मिली है और वेस्टइंडीज के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था, जिससे वह तीसरे पायदान पर है। इंग्लैंड पहले और वेस्टइंडीज दूसरे स्थान पर काबिज हैं, दोनों ही टीमें अपने सभी मैच जीत चुकी हैं। सेमीफाइनल के लिए प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष–2 टीमें क्वालीफाई करेंगी, ऐसे में न्यूजीलैंड के लिए चुनौती काफी बड़ी है। न्यूजीलैंड को अपने बचे हुए दो मुकाबले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड जैसी मजबूत टीमों से खेलने हैं। सेमीफाइनल की दौड़ में बने रहने के लिए उन्हें हर हाल में ये दोनों मैच जीतने होंगे। एक भी गलती उन्हें टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखा सकती है, और इन दो मैचों को जीतने के बाद भी उन्हें दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना पड़ सकता है।

क्रिकेटर आकाश दीप और मुकेश कुमार बने बिहार में डीएसपी

-सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं

नई दिल्ली । भारतीय टीम के लिए टेस्ट क्रिकेट खेल चुके तेज गेंदबाज आकाश दीप और कुछ मैचों में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर चुके मुकेश कुमार को बिहार सरकार ने स्पोर्ट्स कोटा के तहत पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के पद के लिए अनुशंसित किया है। इस महत्वपूर्ण जानकारी को स्वयं आकाश दीप ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट के माध्यम से साझा किया, जिसके बाद यह खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गई और मिश्रित प्रतिक्रियाओं का दौर शुरू हो गया। यह नियुक्ति बिहार सरकार की खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने की नीति का हिस्सा मानी जा रही है। आकाश दीप ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में बिहार सरकार और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रशंसा करते हुए लिखा, अभिभूत हूं, विभोर हूं। बिहार सरकार द्वारा आज मुझे और मेरे साथी क्रिकेटर मुकेश को पुलिस उपाधीक्षक पद हेतु अनुशंसित किए जाने के लिए यशस्वी मुख्यमंत्री अग्रज श्री सम्राट चौधरी एवं खेल मंत्री सुश्री श्रेयसी सिंह जी को कोटिशः धन्यवाद। उन्होंने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे लिखा, आपकी खेल को प्रोत्साहन और खिलाड़ियों को सम्मान देने की नीति युवाओं को खेल में चमकने को प्रेरित करेंगी। जय भारत, जय बिहार। यह पोस्ट बिहार के क्रिकेट जगत में खुशी और गर्व का माहौल लेकर आया, लेकिन इसके नीचे की प्रतिक्रियाएं काफी दिलचस्प रहीं। भले ही आकाश दीप और मुकेश कुमार को स्पोर्ट्स कोटा के तहत यह प्रतिष्ठित पद दिया गया हो, लेकिन कई सोशल मीडिया यूजर्स ने इस पर सवाल उठाते हुए लिखा कि सब पोस्ट आप ही लोग ले लीजिएगा तो बेरोजगार लोग क्या करेंगे? इस तरह की टिप्पणियों और ट्रोलिंग से नियुक्ति के तरीके और सरकारी नौकरियों के वितरण को लेकर समाज में चल रही बहस एक बार फिर सामने आ गई। फिलहाल, मुकेश कुमार और आकाश दीप दोनों ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं, लेकिन वे आईपीएल में सक्रिय रूप से हिस्सा लेते हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका:हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ा दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है।

हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटें न केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर डाल रही हैं।

दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर संदेह ने भी टीम प्रबंधन को विचार करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे।

हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है। राहुल और पंत की वापसी टीम को बल्लेबाजी में गहराई और अनुभव प्रदान करेगी, जबकि बुमराह की तेज गेंदबाजी टीम के आक्रमण को धार देगी। ध्रुव जुरेल, जिन्होंने हाल ही में शानदार प्रदर्शन किया है, अपनी युवा ऊर्जा और प्रतिभा के साथ टीम में एक नया आयाम जोड़ सकते हैं।

इन फिटनेस अपडेट्स के साथ, चयनकर्ताओं को अब हार्दिक पंड्या की जगह एक उपयुक्त ऑलराउंडर और विराट कोहली की स्थिति के अनुसार बल्लेबाजी क्रम में संभावित बदलावों पर विचार करना होगा। इंग्लैंड दौरा हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, और ऐसे में प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति या फिटनेस संबंधी चिंताएं टीम के लिए एक कठिन परीक्षा पेश करती हैं। टीम प्रबंधन और कोच राहुल द्रविड़ को इन चुनौतियों का सामना करते हुए एक संतुलित और मजबूत टीम का चयन करना होगा जो इंग्लैंड में अच्छा प्रदर्शन कर सके।

हर किरदार शिद्दत से निभाती हूं, फिल्म के विजन के अनुसार खुद को ढालती हूं

अपकमिंग फिल्म 'अर्जुनैन अल्लिरानी' में 'रानी' का किरदार निभा रहीं अभिनेत्री शीना चौहान ने कहा कि वह हर भूमिका को पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ निभाने में विश्वास रखती हैं। उनके अनुसार, जब भी वह किसी प्रोजेक्ट को हां कहती हैं, तो वह पूरी तरह से उस किरदार की दुनिया में खुद को ढाल लेती हैं। शीना चौहान ने बताया कि वह खुद को निर्देशक के विजन के अनुसार ढालती हैं और एक कलाकार के तौर पर खुद को 'खाली पन्ने' की तरह मानती हैं, जिस पर निर्देशक अपनी कल्पना के अनुसार काम कर सके। उन्होंने कहा कि अभिनय के दौरान वह हर किरदार की भावनात्मक गहराई को समझने की कोशिश करती हैं ताकि दर्शक उससे जुड़ाव महसूस कर सकें। फिल्म के लिए तैयारी के दौरान शीना इन दिनों स्टिक-फाइटिंग की स्पेशल ट्रेनिंग ले रही हैं। इसके साथ ही वह ग्रामीण तमिल संस्कृति, लोक कथाओं, भाषा और बोलियों को भी समझने पर ध्यान दे रही हैं ताकि अपने किरदार को अधिक वास्तविकता के साथ पेश कर सकें। वह अपनी तमिल भाषा पर भी लगातार काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी किरदार में ढलने के लिए वह पूरी तरह उस माहौल में डूब जाती हैं। उनके अनुसार, अभिनय सिर्फ संवाद बोलने का काम नहीं है, बल्कि किरदार की सोच और भावनाओं को जीने की प्रक्रिया है। इसी वजह से वह शूटिंग के दौरान कई बार सोशल मीडिया से दूरी बना लेती हैं ताकि उनका पूरा ध्यान किरदार पर केंद्रित रहे।

शीना चौहान ने यह भी बताया कि उनके लिए हर फिल्म एक सामूहिक दृष्टि का हिस्सा होती है, जिसमें कलाकार की जिम्मेदारी होती है कि वह निर्देशक के विजन का सम्मान करते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी वह कई भूमिकाओं के लिए गहरे तरीके से तैयारी कर चुकी हैं। फिल्म संत तुकाराम में अपने किरदार के लिए उन्होंने ग्रामीण महिलाओं के जीवन को करीब से देखा था। वहीं, द ट्रायल में काम करते समय उन्होंने चर्च के वातावरण और वहां के लोगों के व्यवहार को समझने के लिए समय बिताया था। इसके अलावा, पुलिस अधिकारी के किरदार के लिए उन्होंने एक महिला पुलिसकर्मी के कामकाज और अनुशासन को भी नजदीक से देखा था।

ज़िंदगी तय शेड्यूल की तरह नहीं चलती

साल के बीच का समय अक्सर लोगों के लिए आत्मचिंतन का समय लेकर आता है। जनवरी में बनाए गए नए साल के रेजोल्यूशन जब जून-जुलाई तक पूरे नहीं हो पाते, तो कई लोग खुद को असफल मानने लगते हैं। ऐसे में अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लोगों को समझाया कि जीवन किसी तय शेड्यूल या चेकलिस्ट की तरह नहीं चलता, ऐसे में किसी भी तरह का अफसोस मनाना सही नहीं है। वीडियो में ईशा कोप्पिकर कहती हैं, ''नए साल की शुरुआत में लोग बड़े सपने और बड़े लक्ष्य बनाते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, कई चीजें बदल जाती हैं। कभी जिम जाना छूट जाता है, कभी काम की व्यस्तता बढ़ जाती है, तो कभी निजी जीवन में ऐसे बदलाव आ जाते हैं जिनका असर हमारे पूरे साल के प्लान पर पड़ता है। ऐसे में खुद को दोषी मानना सही नहीं है।'' ईशा ने कहा, ''कई लोग सोचते हैं कि उन्होंने आधा साल बर्बाद कर दिया है, क्योंकि वे अपने तय किए गए लक्ष्य पूरे नहीं कर पाए, लेकिन असली तरक्की हमेशा दिखाई नहीं देती। यह जरूरी नहीं कि सफलता केवल बड़े नतीजों से मापी जाए, बल्कि कई बार हम इस दौरान मानसिक रूप से मजबूत बनते हैं, समझदार होते हैं और खुद को बेहतर तरीके से समझने लगते हैं। यह भी एक तरह की ग्रोथ है, जिसे लोग अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।''

ईशा ने अपने वीडियो में कहा, ''कई बार लोग केवल इसलिए आगे बढ़ रहे होते हैं क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों को झेला होता है। अगर इस दौरान किसी ने खुद को संभाल लिया है, अपने जीवन में छोटे-छोटे सही फैसले लिए हैं या पहली बार खुद को प्राथमिकता दी है, तो यह भी एक बड़ी उपलब्धि है। लोगों को अपने अंदर इस बदलाव को पहचानना चाहिए और उसे कम नहीं आंकना चाहिए।'' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे पछतावे को छोड़ दें। उन्होंने कहा, ''अगर इस साल की शुरुआत में आपने कोई सपना देखा था, तो वह सपना अभी भी आपका है और खत्म नहीं हुआ है। केवल कुछ समय के लिए आपकी रफ्तार धीमी हुई है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि आप पीछे रह गए हैं। आधा साल अभी भी बाकी है और यह समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना साल की शुरुआत होती है।''

अगले साल आएगी टाइगर श्रॉफ-जान्हवी और लक्ष्य की फिल्म 'लग जा गले'

टाइगर श्रॉफ, जान्हवी कपूर और लक्ष्य बड़े परदे पर साथ आने वाले हैं। बात हो रही है एक्शन फिल्म 'लग जा गले' की। राज मेहता के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा कर दिया गया है।

अगले साल रिलीज होगी 'लग जा गले'

फिल्म 'लग जा गले' को करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनाया गया है। यह फिल्म अगले साल मई में रिलीज होने वाली है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने एक्स अकाउंट से एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें फिल्म की रिलीज डेट को लेकर जिक्र है। फिल्म की रिलीज डेट अगले साल गर्मियों के लिए लॉक की गई है। 14 मई 2027 को यह फिल्म दस्तक देगी।

दर्शकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

फिल्म में टाइगर श्रॉफ और लक्ष्य दोनों हों, तो जाहिर है एक्शन भी दमदार होगा। इस फिल्म में इंटेंस एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'यह फिल्म टाइगर श्रॉफ और जान्हवी कपूर के लिए आखिरी उम्मीद समझ लीजिए'। वहीं, कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'इन दोनों के बीच लक्ष्य कहां से फंस गया'। वहीं, कुछ दर्शक फिल्म को लेकर उत्साह जता रहे हैं।

'पेद्दी' में नजर आ रहीं जान्हवी कपूर

जान्हवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो इन दिनों वे राम चरण अभिनीत फिल्म 'पेद्दी' में नजर आ रही हैं। हालांकि, फिल्म में उन्हें अपनी भूमिका के लिए काफी ट्रोल किया गया है। वहीं, लक्ष्य को बीते दिनों 'चांद मेरा दिल' में देखा गया था। इसमें उनके साथ अनन्या पांडे नजर आई थीं। बीते महीने यानी मई में रिलीज हुई यह फिल्म भी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी थी। हालांकि, खास असर नहीं कर पाई।

एक्टिंग से अलविदा कहने की अपारशक्ति खुराना ने की बात

बॉलीवुड अभिनेता अपारशक्ति खुराना ने हाल ही में अपने करियर के उस दौर के बारे में खुलकर बात की, जब वह मुंबई आने के बाद स्टाइलिस्ट के रूप में काम कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि वे कुछ समय बाद एक्टिंग छोड़ देंगे। नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि वह अगले 10-12 वर्षों में एक्टिंग से दूर होकर एक नया जुनून अपनाना चाहते हैं और शुरुआत से सिलाई सीखना चाहते हैं। जब अंगद ने अपारशक्ति की फैशन सेंस की तारीफ की, तो अभिनेता ने याद करते हुए कहा, 'एक समय ऐसा था जब मैं सोच रहा था कि बॉम्बे शिफ्ट होने का कोई एक तरीका क्या हो सकता है। तो एक फेज ऐसा भी था जब मैं मुंबई में स्टाइलिस्ट था। मैंने कुछ होस्ट्स को स्टाइल किया था, जो एक बहुत फेमस टीवी चैनल पर बॉलीवुड शो होस्ट कर रहे थे। मैं सच में चाहता हूं कि धीरे-धीरे मैं जो अभी कर रहा हूं, उसे अलविदा कह दूं। मेरा बहुत मन है कि 10-12 साल बाद मैं टेलरिंग सीखूं। कपड़ा कैसे काटना है, कैसे सिलना है, वो सीखना है।'

नहीं पता था कि किस्मत कहां ले जाएगी

अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए टीवी एक्ट्रेस रश्मि देसाई ने कहा कि 'छोटी रश्मि' को कभी नहीं पता था कि किस्मत उन्हें कहां ले जाएगी लेकिन उन्होंने हमेशा अपनी चमक बनाए रखी। रश्मि ने वर्ष 2006 में 'रावण' से हिंदी टेलीविजन में डेब्यू किया था। उन्होंने अपने बचपन की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वह स्टाइलिश अंदाज में तैयार नजर आ रही हैं। इस सफर में मिले हर सबक, संघर्ष और आशीर्वाद के लिए आभार जताते हुए 2000 के दशक के शो 'उतरन' में तपस्या का किरदार निभाकर मशहूर हुईं इस एक्ट्रेस ने उन अनुभवों का जश्न मनाया जिन्होंने उन्हें आज का इंसान बनाया है। रश्मि देसाई ने इंस्टाग्राम कैप्शन में लिखा, 'छोटी रश्मि को नहीं पता था कि जिंदगी उसे कहां ले जाएगी, लेकिन फिर भी वह अपने अंदर की चमक बनाए हुए थी। इस सफर में मिले हर सबक, हर संघर्ष और हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं।' बता दें कि रश्मि देसाई रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में अपने काम से लोगों का ध्यान खींचने में कामयाब रही थीं। उन्होंने 'परी हूं मैं', 'झलक दिखला जा 5', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6', 'जरा नचके दिखा 2' और 'नच बलिए 7' जैसे शो में भी नजर आईं और सलमान खान की फिल्म 'दबंग 2' में एक खास रोल भी किया। 40 वर्षीय रश्मि आखिरी बार 'वागले की दुनिया, नई पीढ़ी नए किस्से' में दिखी थीं। यह शो कार्टूनिस्ट आर. के. लक्ष्मण के किरदारों, खासकर 'द कॉमन मैन' पर आधारित है और इसमें एक आम मिडिल-क्लास भारतीय आदमी की रोजमर्रा की समस्याओं को दिखाया गया है।

इससे पहले मई में, 'मिसेज मारा ऑनलाइन चे' के साथ थिएटर की दुनिया में नाम कमाने वाली रश्मि ने कहा था कि थिएटर कलाकारों को समय पर उनका हक नहीं मिलता और उन्हें 'किसी और की मंजूरी' की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा था कि थिएटर सबसे कम आंका जाने वाला माध्यम है।

आईएएनएस से बातचीत में रश्मि ने बताया था कि एक थिएटर एक्टर बहुत मेहनत करता है। उन्हें समय पर उनका हक नहीं मिलता, उन्हें जो मजा आता है, उसका एक छोटा सा परिवार होता है, और वे उसी में खुश रहते हैं। उन्हें किसी और की मंजूरी की जरूरत नहीं होती। उन्हें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत नहीं होती जो उन्हें बताए कि 'ठीक है, यह करो, वह करो।' उन्होंने आगे कहा, 'और अगर वे कोई गलती करते हैं या किसी तरह की नाकामी का सामना करते हैं, तो दूसरे लोग उनका हाथ थामने और यह कहने के लिए तैयार रहते हैं कि 'ठीक है, यह भी गुजर जाएगा।' तो हां, हमेशा एक नई शुरुआत होती है, और थिएटर इसे सीखने का सबसे अच्छा जरिया है। लेकिन वे ज्यादा सम्मान के हकदार हैं, और लोगों को थिएटर और थिएटर कलाकारों के बारे में और जानना चाहिए।'

अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं अन्नू कपूर

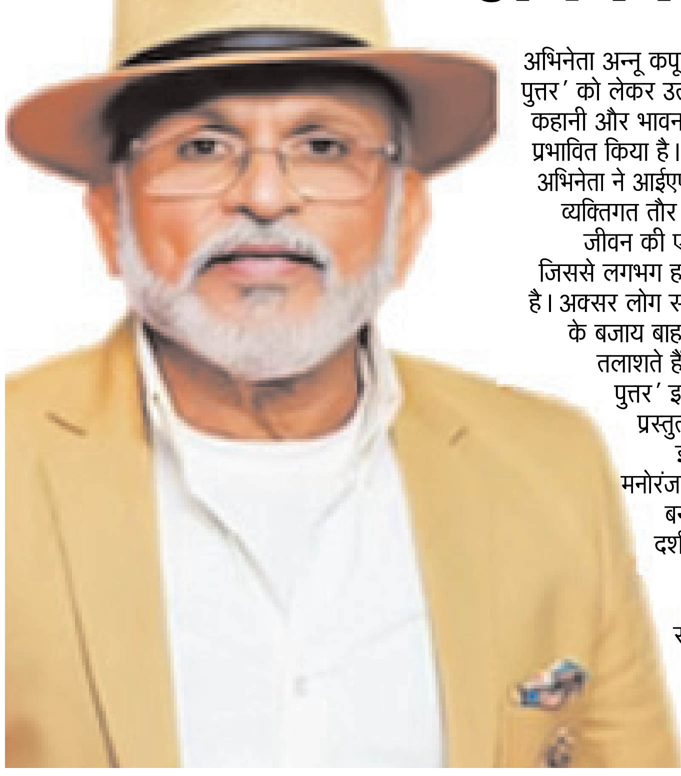

अभिनेता अन्नू कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि इसकी कहानी और भावनात्मक गहराई ने व्यक्तिगत स्तर पर प्रभावित किया है। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। अभिनेता ने आईएएनएस को बताया कि यह कहानी उन्हें व्यक्तिगत तौर पर इसलिए पसंद आई, क्योंकि यह जीवन की एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिससे लगभग हर व्यक्ति जुड़ाव महसूस कर सकता है। अक्सर लोग सवालों के जवाब अपने भीतर खोजने के बजाय बाहरी परिस्थितियों, संकेतों या लोगों में तलाशते हैं। अन्नू कपूर के अनुसार, 'उत्तर दा पुत्तर' इसी विचार को बेहद रोचक तरीके से प्रस्तुत करती है। फिल्म में कॉमेडी के साथ इमोशंस का बेहतर संतुलन है, जो इसे मनोरंजक होने के साथ-साथ संवेदनशील भी बनाता है। यह एक ऐसी कहानी है, जो दर्शकों को हंसाने के साथ-साथ सोचने पर भी मजबूर करती है।

अभिनेता ने बताया कि फिल्म का सबसे खास पहलू यह है कि यह एक गंभीर विषय को बेहद दिल छू लेने वाले अंदाज में पेश करती है। यही वजह है कि यह प्रोजेक्ट उन्हें बाकी फिल्मों से अलग और खास लगा। अन्नू कपूर ने यह भी कहा कि इस फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए एक सुखद अनुभव रहा और उन्होंने इसकी शूटिंग तथा कहानी दोनों का आनंद लिया। शुक्रवार को फिल्म मेकर्स ने सोशल मीडिया पर टीजर जारी करते हुए लिखा, 'क्या होगा अगर गलत दिशा का चुनाव आपकी पूरी जिंदगी बदल दे? एक ऐसी हिंदी कॉमेडी फिल्म, जो एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी बड़े पर्दे पर नहीं देखा होगा। अब समय ऐसी फिल्मों का है, जहां कंटेंट ही सबसे बड़ा सितारा है। टीजर आ चुका है और सही दिशा की तलाश 24 जुलाई से सिनेमाघरों में शुरू होगी। ट्रेलर जल्द रिलीज किया जाएगा।' टीजर में फिल्म की अनोखी कहानी की झलक दिखाई गई है। फिल्म इस विचार पर आधारित है कि किसी व्यक्ति की किस्मत केवल सही दिशा चुनने से भी बदल सकती है। कहानी इसी दिलचस्प और अलग कॉन्सेप्ट के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्माता संदीप कपूर ने कहा, ''उत्तर दा पुत्तर' एक ऐसी कहानी है, जिससे हर कोई खुद को जोड़ सकता है। हममें से कई लोग जीवन में कभी न कभी अपने भीतर जवाब तलाशने के बजाय बाहर खोजते हैं, कभी दिशाओं में तो कभी संकेतों में। यह फिल्म इसी विचार को मनोरंजक अंदाज में पेश करती है, जिसमें कॉमेडी और इमोशंस का बेहतरीन मेल है।' फिल्म में अन्नू कपूर के साथ रखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इश्तियाक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन रविंद्र ने किया है, जबकि इसका निर्माण संदीप कपूर और प्रिया कपूर ने प्रमोदम मोशन पिकचर्स के बैनर तले किया है।

म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं फरहान

फरहान अख्तर अब अपने नए प्रोजेक्ट पर ध्यान लगा रहे हैं। वह नई फिल्म में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभा सकते हैं। फिल्म पर काम शुरू हो चुका है। खबर है कि फरहान अख्तर को नीरज पांडे के निर्देशन में बनने वाली बायोपिक में म्यूजिक कंपोजर आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए अप्रोच किया गया है। मेकर्स इस फिल्म में फरहान को लीड रोल में कास्ट करने के इच्छुक हैं। खबर यह भी है कि नीरज कुछ समय से इस बायोपिक पर काम कर रहे हैं और इसकी स्क्रिप्ट पर तेजी से काम चल रहा है। दावा है कि फरहान आरडी बर्मन का किरदार निभाने के लिए बातचीत कर रहे हैं। वह उनकी जिंदगी को पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं।

संक्षिप्त समाचार

विटकॉफ का दावा- ईरान देगा परमाणु ठिकानों की जांच की इजाजत, मोजतबा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ सीधी वार्ता का समर्थन किया है। सरकारी मीडिया में पढ़े गए बयान में उन्होंने कहा कि भविष्य में होने वाली आमने-सामने की बातचीत का मतलब यह नहीं होगा कि ईरान विरोधी पक्ष की बात मान लेगा। यह बयान अमेरिका-ईरान के बीच हाल ही में हुए उस समझौते पर उनकी पहली प्रतिक्रिया है, जिसमें दोनों देशों ने तनाव कम करने की दिशा में कदम उठाए हैं। खामेनेई लंबे समय से सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए हैं। माना जा रहा है कि युद्ध की शुरुआत में हुए हमले में वे घायल हुए थे। वहीं, अमेरिकी सेना ने ईरानी नौवहन पर लगी नाकाबंदी हटाने की घोषणा की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने अमेरिका के सांसदों को एक बंद कमरे में बताया कि ईरान संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था को अपने परमाणु ठिकानों का निरीक्षण करने के लिए आमंत्रित करेगा। इस जानकारी के अनुसार, ईरान यह भी अनुमति देगा कि उसकी संवर्धित परमाणु सामग्री कहां-कहां है, इसका पता लगाया जाए और उसकी पहचान की जाए। यह बैठक कांग्रेस (अमेरिकी संसद) के सदस्यों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी समितियों के सदस्यों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौते में कोई अतिरिक्त गोपनीय समझौता शामिल नहीं था। लेकिन ईरान और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के बीच एक अलग पत्र तैयार किया गया था। इस पत्र के तहत ईरान ने आईएईए को अपने परमाणु स्थलों के निरीक्षण का आमंत्रण दिया है। इस बात का खुलासा भी विटकॉफ ने बैठक में किया। विटकॉफ ने यह भी बताया कि यह पत्र आईएईए प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी को भेजा जाएगा, जिससे अमेरिकी परमाणु निरीक्षकों को भी तेहरान में जांच करने की अनुमति मिल सकेगी।

'वीवाटेक समिट में भारत पर रहा फोकस': विक्रम मिसरी बोले-15 जुलाई से शुरू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता

फ्रांस, एजेंसी। पेरिस में आयोजित यूरोप के सबसे बड़े स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी महाकुंभ 'वीवाटेक' में इस बार भारत का जबरदस्त जलवा देखने को मिला। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने गुरुवार को एक विशेष प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि इस प्रतिष्ठित वैश्विक मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिस्सा लिया। इस समिट में भारत 'एआई कंट्री ऑफ फोकस' और 'एआई पार्टनर कंट्री' के रूप में शामिल हुआ। भारत ने इस मंच का उपयोग देश की तकनीकी प्रगति और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को दुनिया के सामने रखने के लिए किया। इस समिट में वैश्विक तकनीकी लीडर्स, स्टार्टअप्स और निवेशक एक साथ जुटे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने प्रधानमंत्री के फ्रांस दौरे पर जानकारी देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने तकनीक के क्षेत्र में भारत में हो रहे नए आविष्कारों को सामने रखा। विदेश सचिव के अनुसार, पीएम मोदी ने एआई को लेकर भारत के दृष्टिकोण को दुनिया के सामने रखा। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक क्रांतिकारी तकनीक है और इसका मुख्य उद्देश्य हमेशा मानवता की सेवा करना होना चाहिए। मानव को तकनीक का गुलाम नहीं बनना चाहिए। पीएम मोदी ने टेक कंपनियों का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार नियमों को आसान बना रही है और व्यापार को बढ़ावा दे रही है।

'प्रिय मित्र नरेंद्र, फ्रांस आपसे प्यार करता है': मैक्रों ने हिंदी बोलकर बढ़ाई देश की शान, 2027 में आएंगे भारत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने राजनयिक प्रोटोकॉल तोड़कर एक अनोखा काम किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए हिंदी में विदाई संदेश जारी किया है। पीएम मोदी की फ्रांस यात्रा खत्म होने पर यह वीडियो संदेश आया। मैक्रों ने हिंदी बोलकर दोनों नेताओं की गहरी दोस्ती को दुनिया के सामने दिखाया है। इसके साथ ही दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को एक नया रूप मिला है। एलिसी पैलेस ने इस खास वीडियो को रिकॉर्ड किया है। वीडियो में राष्ट्रपति मैक्रों बेहद अपनेपन से हिंदी बोलते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'प्रिय मित्र नरेंद्र, मुझे बहुत खुशी हुई आपका नीस, एवियन और पेरिस में स्वागत करके। फ्रांस और भारत की दोस्ती अमर रहे।' यह लाइन बोलने के तुरंत बाद मैक्रों मुस्कुरा दिए। फिर उन्होंने अंग्रेजी में कहा, 'मुझे उम्मीद है कि यह सही था।' इसके बाद उन्होंने दिल की बात की। मैक्रों ने कहा कि फ्रांस आपसे प्यार करता है...आप मेरे सच्चे दोस्त हैं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 शिखर सम्मेलन में शामिल होने फ्रांस गए थे। इस दौरान नीस शहर के 'विला केरीलोस' में दोनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक हुई। बैठक का मुख्य मकसद दोनों देशों के बीच विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना था। इस मुलाकात में रक्षा क्षेत्र में मिलकर हथियार बनाने पर सहमति बनी।

यूएन से आई चौंकाने वाली रिपोर्ट: युद्धों में बच्चों पर टूटा कहर, पहली बार सरकारी सेनाएं बनीं सबसे बड़ी दोषी

न्यूयार्क, एजेंसी। संघर्ष और युद्ध क्षेत्रों में बच्चों की स्थिति लगातार बदतर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र की नई रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल दुनिया भर में करीब 25,000 बच्चे हत्या, यौन हिंसा, अपहरण और जबरन लड़ाई में भर्ती किए जाने जैसे गंभीर अपराधों का शिकार हुए। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 30 वर्षों में पहली बार सरकारी सेनाएं बच्चों के खिलाफ सबसे ज्यादा गंभीर उल्लंघनों के लिए जिम्मेदार पाई गई हैं।

लगातार चौथे साल बढ़े बच्चों के खिलाफ अपराध : UN की रिपोर्ट के अनुसार, बच्चों के खिलाफ दर्ज गंभीर उल्लंघनों की संख्या लगातार चौथे वर्ष बढ़ी है। वर्ष 2025 में ऐसे 38,558 मामले सत्यापित किए गए, जिनमें बच्चों की हत्या, अपहरण, स्कूलों और अस्पतालों पर हमले तथा मानवीय सहायता रोकने जैसी घटनाएं शामिल हैं।

24 हजार से ज्यादा बच्चे हुए प्रभावित : रिपोर्ट में बताया गया है कि कुल 24,174 बच्चे इन घटनाओं से प्रभावित हुए। इनमें लगभग एक-तिहाई लड़कियां थीं। कई बच्चों को एक साथ कई तरह की हिंसा और अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

30 साल में पहली बार बदली तस्वीर : संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चों पर होने वाले अत्याचारों की निगरानी शुरू होने के तीन दशक बाद पहली बार सरकारी बल अधिकांश गंभीर उल्लंघनों के लिए

जिम्मेदार पाए गए हैं। पहले आमतौर पर सशस्त्र विद्रोही और आतंकी समूह ऐसे मामलों में प्रमुख दोषी माने जाते थे।

इजराइली सेना सबसे ऊपर, कांगो दूसरे नंबर पर : रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 के दौरान सबसे ज्यादा 12,445 उल्लंघन इजराइली सेना और उससे जुड़ी सुरक्षा एजेंसियों के खाते में दर्ज किए गए। इसके बाद डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो में 4,114 मामले सामने आए। म्यांमार, सोमालिया और नाइजीरिया के विभिन्न सशस्त्र समूहों द्वारा भी 2,000 से अधिक गंभीर उल्लंघन किए गए। सूची में सूडान, दक्षिण सूडान, सीरिया और यूक्रेन में रूसी सैन्य बलों का भी उल्लेख है।

बच्चों की मौत और चोट के मामलों में भी सरकारी बल आगे : रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी सेनाएं 6,266 बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार पाई गईं। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 34 प्रतिशत अधिक है। वहीं 7,958 बच्चों के घायल होने की पुष्टि हुई है।

गाजा में हजारों बच्चों की मौत : संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की है कि गाजा में इजराइल सैन्य कार्रवाई के दौरान 2,668 फिलिस्तीनी बच्चों की मौत हुई। इसके अलावा पश्चिमी तट और पूर्वी यरुशलम में 55 बच्चों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि गाजा में 4,588 अतिरिक्त बच्चों की मौत और 346 इजराइल बच्चों के घायल होने की खबरों की जांच अभी जारी है।

संयुक्त राष्ट्र ने जताई गहरी चिंता : संघर्ष क्षेत्रों में बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष प्रतिनिधि वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि बच्चों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों का पैमाना बेहद चिंताजनक है और अब केवल चिंता जताने से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सदस्य देशों से बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की।

आखिर क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे मामले : विशेषज्ञों के मुताबिक, युद्ध की बदलती प्रकृति इसकी बड़ी वजह है। अब लड़ाइयां खुले मैदानों के बजाय घनी आबादी वाले शहरों और बस्तियों में लड़ी जा रही हैं। ड्रोन, मिसाइलों और भारी विस्फोटक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से बच्चों पर खतरा और बढ़ गया है।

हजारों बच्चों को जबरन बनाया गया लड़ाका : रिपोर्ट के अनुसार, 6,607 बच्चों को जबरन भर्ती कर युद्ध में इस्तेमाल किया गया। सबसे ज्यादा मामले कांगो, नाइजीरिया, हैती, सोमालिया और कोलंबिया में दर्ज हुए।

अपहरण और यौन हिंसा भी बड़ी चिंता : संयुक्त राष्ट्र ने 5,129 बच्चों के अपहरण की पुष्टि की है। सबसे अधिक मामले नाइजीरिया, कांगो, सोमालिया, म्यांमार और मोजाम्बिक में सामने आए। वहीं 1,783 बच्चे बलात्कार और अन्य प्रकार की यौन हिंसा के शिकार हुए। ऐसे मामलों में कांगो, नाइजीरिया, सोमालिया, सूडान और हैती सबसे अधिक प्रभावित देशों में शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र का संदेश: बच्चों की सुरक्षा का कोई विकल्प नहीं : रिपोर्ट का सबसे बड़ा संदेश यही है कि दुनिया भर में बढ़ते संघर्षों का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि यदि सरकारें और अंतरराष्ट्रीय समुदाय तुरंत ठोस कदम नहीं उठाते, तो आने वाले वर्षों में यह संकट और गंभीर हो सकता है।

नाइजर की राजधानी के एयरपोर्ट पर बड़ा आतंकी हमला; 11 सैनिक, दो नागरिकों की मौत; 22 हमलावर ढेर

नियामे, एजेंसी। अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामी में स्थित मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार तड़के हथियारबंद हमलावरों ने बड़ा हमला कर दिया। इस हमले में 11 सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई, जबकि सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई में 22 हमलावर भी मारे गए। नाइजर के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि हमलावरों ने राजधानी के डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को निशाना बनाया था। सुरक्षा बलों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए हमले को विफल कर दिया। इस दौरान 20 संदिग्धों को गिरफ्तार भी किया गया है। उनके पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं।

हमले के तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने की कार्रवाई : प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमले के दौरान एयरपोर्ट क्षेत्र में गोलियों की आवाजें और विस्फोट सुनाई दिए। घटना के बाद सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी और एयरपोर्ट जाने वाले रास्तों पर सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, कुछ घंटों बाद नाइजर की राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन एजेंसी ने कहा कि एयरपोर्ट पर परिचालन सामान्य रूप से जारी है और उड़ानों पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ा है। यह इस साल एयरपोर्ट पर हुआ दूसरा बड़ा हमला है। इससे पहले जनवरी में भी इसी एयरपोर्ट को निशाना बनाया गया था। उस हमले की जिम्मेदारी आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने ली थी। तब एयरपोर्ट पर मौजूद नाइजर के ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाया गया था। डियोरी हमानी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा नाइजर के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। यहां नाइजर वायुसेना का बेस मौजूद है। साथ ही नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय भी इसी परिसर में स्थित है। विशेषज्ञों का कहना है कि एयरपोर्ट की सुरक्षा जनवरी के हमले के बाद बढ़ाई गई थी, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में सक्रिय जिहादी संगठन लगातार खतरा बने हुए हैं। नाइजर, बुर्किना फासो और माली जैसे साहेल क्षेत्र के देश लंबे समय से आतंकवादी हिंसा का सामना कर रहे हैं।

2023 में तख्तापलट सत्ता में है सेना समर्थित सरकार : गौरतलब है कि नाइजर में 2023 में सैन्य तख्तापलट के बाद सेना समर्थित सरकार सत्ता में है। इसके बावजूद देश में आतंकवादी हमलों और हिंसक गतिविधियों पर पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है। सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि एयरपोर्ट का सामरिक महत्व और संयुक्त सैन्य बल का मुख्यालय होने के कारण आतंकवादी संगठन इसे बार-बार निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

अमेरिका में गोलीबारी की तीन बड़ी घटनाओं से हड़कंप, न्यूयॉर्क से मिसिसिपी और कंसास सिटी तक तनाव

न्यूयॉर्क/मिसिसिपी/कंसास सिटी, एजेंसी। अमेरिका में एक ही दिन के दौरान हुई तीन अलग-अलग गोलीबारी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि, न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर, मिसिसिपी के सेनाटोबिया और मिसौरी के कंसास सिटी में हुई घटनाओं ने लोगों में दहशत फैला दी। न्यूयॉर्क के मशहूर टाइम्स स्क्वायर में गुरुवार दोपहर अचानक गोलीबारी होने से अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो लोगों भीड़भाड़ वाले इलाके में आए और पिस्तौल जैसी दिखने वाली बंदूकों से फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही लोग इधर-उधर भागने लगे और कई लोग जमीन पर झुककर छिप गए। पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए संदिग्ध का पीछा किया। घटना में एक व्यक्ति घायल हुआ, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह गोलीबारी ऐसे समय हुई जब एनबीए चैंपियन न्यूयॉर्क निक्स की जीत के जश्न के बाद शहर में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे। मिसिसिपी के छोटे से शहर सेनाटोबिया में पुलिस की गोली लगने से एक साल के बच्चे कोहेन वाइली की मौत हो गई। पुलिस एक दुकान से कथित चोरी की शिकायत पर कार्रवाई कर रही थी। पुलिस का दावा है कि संदिग्ध वाहन ने अधिकारियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिसके बाद एक अधिकारी ने गोली चला दी। हालांकि बच्चे की मां ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि वाहन पुलिसकर्मियों की ओर नहीं जा रहा था। घटना के बाद शहर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं ने इसे पुलिस जवाबदेही और नस्लीय भेदभाव से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की बेटी बर्निस किंग ने कहा कि कुछ डायपरों की कथित चोरी के मामले में एक बच्चे की जान चली जाना नैतिक विफलता है। मिसौरी के कंसास सिटी में कुछ ही मिनटों के भीतर हुई कई गोलीबारी की घटनाओं में एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक 22 वर्षीय संदिग्ध ने अलग-अलग स्थानों पर वाहनों को निशाना बनाकर गोलियां चलाईं।

समझौते पर खामेनेई का पहला बयान, कहा- ट्रंप को मजबूरी में करना पड़ा एमवयू, यूएस झुका या ईरान जीता

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की पुष्टि करते हुए एक खास पोस्ट में कहा कि यह समझौता ईरान की उत्सुकता से नहीं, बल्कि अमेरिका की मजबूरी की वजह से हुआ है। खामेनेई ने अपने पोस्ट में लिखा, 'जैसा कि आपको बताया गया है, ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपतियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।' ईरानी अधिकारियों ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए ईमानदारी से काम किया था, लेकिन अमेरिकी पक्ष ने ही सबसे अधिक जोर दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ही मजबूरी में आकर इसे अंजाम देने के लिए हर तरह के दबाव और तरीकों का इस्तेमाल किया।

समझौते पर थी आपत्ति, फिर भी क्यों दी मंजूरी : खामेनेई

ने माना कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से इस समझौते को लेकर कुछ आपत्तियां थीं। उन्होंने कहा, 'सिद्धांत के तौर पर मेरी राय अलग थी,' लेकिन साथ ही यह भी कहा कि उन्होंने ईरानी राष्ट्र और 'रेसिस्टेंस फ्रंट' (प्रतिरोध मोर्चा) के अधिकारों की रक्षा करने के ईरानी राष्ट्रपति के वादे के आधार पर अपनी मंजूरी दे दी।

अमेरिका ने सीमा लांघी तो नहीं झुकेगा ईरान : हालांकि खामेनेई ने इस पोस्ट में यह भी कहा कि अगर अमेरिका तय की गई बातों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो ईरान झुकेगा नहीं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर अमेरिकी पक्ष हद से ज्यादा मांगें रखने की कोशिश करेगा, तो वे उन्हें नहीं मानेंगे। उन्होंने खुद को 'विनम्र सेवक' बताते हुए सीधे अपने देश को संबोधित किया और ईरानियों से तय शर्तों के पूरा होने का इंतजार करने को कहा।

वर्साय के महल में हुई ऐतिहासिक घोषणा : समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर जी7 शिखर सम्मेलन के समापन के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा वर्साय के महल में आयोजित रात्रिभोज के दौरान किए गए। मैक्रों ने एक्स पर इस घटनाक्रम की घोषणा करते हुए इस समझौते को ऐसा बताया जो 'स्थायी शांति का रास्ता बनाता है और होर्मुज को फिर से खोलने की अनुमति देता है।' औपचारिक हस्ताक्षर मूल रूप से शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में होने वाले थे। तेहरान ने पुष्टि की कि जिनेवा में होने वाली नियोजित बैठक तय कार्यक्रम के अनुसार होगी। इस दस्तावेज का औपचारिक शीर्षक 'संयुक्त राज्य अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के बीच इस्लामाबाद समझौता ज्ञापन' है। इसमें लेबनान सहित सभी मोर्चों पर सैन्य अभियानों को तुरंत और स्थायी रूप से समाप्त करने की मांग की गई है। इस शर्तों के तहत अमेरिका ने 30 दिनों के भीतर ईरान की नौसैनिक नाकेबंदी हटाने का वादा किया है। इस दौरान जहाजों की आवाजाही के युद्ध-पूर्व स्तर पर लौटने की उम्मीद है। अमेरिका अंतिम समझौता होने के 30 दिनों के भीतर ईरान के आसपास से अपनी सेना हटाने पर भी सहमत हो गया है। अपनी ओर से ईरान 60 दिनों तक बिना किसी शुल्क के वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने पर सहमत हुआ है।

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय महिला शांति सैनिकों की सराहना, संघर्ष क्षेत्र में महिलाओं को दे रहीं नई उम्मीद

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने कहा कि भारतीय महिला शांति सैनिक संघर्ष क्षेत्रों में महिलाओं और बच्चों के लिए उम्मीद की किरण बन रही हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में 160 से अधिक भारतीय महिलाएं अलग-अलग यूएन मिशनों में सेवा दे रही हैं। सुरक्षा परिषद में 'महिलाएं, शांति और सुरक्षा' विषय पर हुई बहस में पी. हरीश ने कहा कि महिला सैनिक समुदायों में भरोसा पैदा करती हैं और खासकर महिलाओं व बच्चों को सुरक्षा का एहसास दिलाती हैं। वे लैंगिक हिंसा जैसे मामलों को समझने और रोकने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। उन्होंने भारतीय सेना की मेजर अभिलाषा

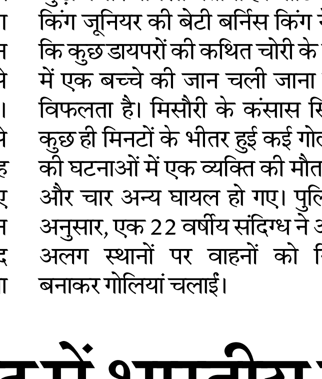

बराक का जिक्र किया, जिन्हें हाल ही में संयुक्त राष्ट्र का जेंडर एडवोकेट अवॉर्ड मिला है। इससे पहले भी दो भारतीय महिलाएं यह सम्मान पा चुकी हैं।

भारत की ऐतिहासिक पहल : भारत ने सबसे पहले लाइबेरिया में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत पूरी तरह महिला यूनिट तैनात की थी। इससे हजारों स्थानीय महिलाओं को पुलिस में शामिल होने की प्रेरणा मिली। दिल्ली में बनाए गए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना केंद्र के जरिए भारत दुनिया भर की महिला सैन्य अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है। पिछले साल 15 देशों की महिलाओं ने इसमें हिस्सा लिया, जबकि 35 देशों की महिला शांतिदूत एक सम्मेलन में शामिल हुईं।

महिलाओं को सशक्त बनाना जरूरी : पी. हरीश ने कहा कि शांति कायम रखने के प्रयास तभी सफल होंगे जब महिलाओं को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाया जाएगा। उन्होंने भारत में पंचायतों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण और 2023 के महिला आरक्षण कानून का उदाहरण दिया। भारत में महिलाओं ने ऊंचे पदों पर भी अहम भूमिका निभाई है, जैसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी। संयुक्त राष्ट्र- महिला की प्रमुख सीमा बहौस ने कहा कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण शांति स्थापित करने के सबसे प्रभावी तरीके हैं। उन्होंने बताया कि 2000 में पास किए गए प्रस्ताव के बाद यह साबित हुआ है कि महिलाओं की भागीदारी से हिंसा कम होती है और शांति लंबे समय तक टिकती है। वहीं महिला अधिकार कार्यकर्ता काव्या असोका ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून कमजोर हो रहा है और सिर्फ निंदा से काम नहीं चलेगा। उन्होंने हथियारों की आपूर्ति रोकने जैसे ठोस कदम उठाने की मांग की।

अंतरिम समझौते से तेहरान को बड़ी आर्थिक राहत, परमाणु मुद्दे पर कठिन फैसले टले

तेहरान, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध रोकने को लेकर हुए अंतरिम समझौते से ईरान को महत्वपूर्ण आर्थिक राहत मिलने जा रही है। इस 14 सूत्रीय अंतरिम समझौते ने दोनों देशों के बीच परमाणु कार्यक्रम को लेकर सबसे विवादित मुद्दों पर अंतिम फैसले को आगे की बातचीत के लिए टाल दिया है। अप्रैल में घोषित युद्ध विराम को अगले 60 दिनों के लिए बढ़ाया गया है, ताकि दोनों पक्ष स्थायी शांति समझौते पर बातचीत कर सकें। समझौते के तहत अमेरिका ईरान के बंदरगाहों पर लगाए गए नौसैनिक प्रतिबंधों को हटाएगा और ईरान को तेल निर्यात की अनुमति देने के लिए अस्थायी छूट देगा। इससे आर्थिक संकट से जूझ रहे ईरान को बड़ी राहत मिल सकती है।

किया है। नेशनल ईरानियन अमेरिकन काउंसिल के अध्यक्ष जमाल अब्दी ने कहा कि इसे रियायत के बजाय लंबे समय से चली आ रही दबाव की नीति में बदलाव के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं, अमेरिका में ईरान के प्रति सख्त रुख रखने वाले समूहों ने तेल निर्यात और बैंकिंग प्रतिबंधों में ढील को लेकर चिंता जताई है। साथ ही अन्य विशेषज्ञों ने भी इसे ईरान के लिए अच्छा सौदा बताया है।

शुरुआती समझौता ईरान के पक्ष में अधिक : ग्राजेव्स्की : इस समझौते को ईरान के लिए एक बड़ी कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। समझौते के तहत अमेरिका ईरान पर लगे प्रतिबंधों को हटाएगा और बंदरगाहों को खोलेगा। ईरान की फ्रीज की गई अरबों डॉलर की संपत्ति को बहाल करेगा। साथ ही युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए 300 अरब डॉलर का निवेश कोष बनाएगा। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय संबंध विश्लेषक निकोल ग्राजेव्स्की ने कहा कि मौजूदा समझौता तत्काल लाभों के लिहाज से ईरान के पक्ष में अधिक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जिन कठिन कदमों की मांग कर रहा था, उनमें से कई को आगे की वार्ता के लिए टाल दिया गया है। ईरान के साथ कूटनीति के समर्थकों ने समझौते का स्वागत किया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा, ईरानी जहाज बिना किसी बाधा बंदरगाहों में दाखिल हुए हैं और बिना किसी रुकावट के सामान भी उतारा गया है। बघाई ने कहा, जब अमेरिका और ईरान के राष्ट्रपतियों डोनाल्ड ट्रंप और मसूद पेजेशकियन ने किसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, तो उसका उल्लंघन करने की कीमत भी ज्यादा चुकानी होगी। ईरानी प्रवक्ता ने कहा, हमने तय किया कि बेहतर विकल्प यह है कि दोनों देशों के राष्ट्रपति किसी खास जगह पर मौजूद रहे बिना, वर्चुअली दस्तावेज पर हस्ताक्षर करें। इस फैसले के कई कारण हैं, जिनमें सबसे अहम यह है कि जब दस्तावेज पर दोनों देशों के सबसे बड़े अधिकारियों के हस्ताक्षर होंगे, तो इसके उल्लंघन की कीमत भी ज्यादा होगी।

विशेष चुनाव में जीते लेबर पार्टी नेता बर्नहैम, पीएम स्टार्मर के सामने पद बरकरार रखना चुनौती

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में एंडी बर्नहैम ने विशेष चुनाव में जीत हासिल की है। इस जीत के बाद वे प्रधानमंत्री स्टार्मर को चुनौती दे सकते हैं। शुक्रवार को घोषित नतीजों के बाद बर्नहैम लेबर पार्टी के नेता के अलावा देश में प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे हैं। बर्नहैम ने उत्तर-पश्चिमी इंग्लैंड के मेकरफील्ड सीट पर रिफॉर्म यूके के रॉब केन्यॉन को हराया। उन्होंने वादा किया है कि यदि लोग उन पर भरोसा करते हैं, तो वह राजनीति बदल देंगे। ब्रिटेन की संसद- हाउस ऑफ कॉमन्स के 650 सांसदों में से एक राजनेता- बर्नहैम के इस दावे को बड़ा माना जा रहा है।

लेबर पार्टी के सांसदों ने मांगा स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की : बर्नहैम ने चुनाव नतीजों की घोषणा के बाद कहा कि वह बदलाव की लड़ाई को जितना ऊंचा ले जा सकते हैं, ले जाएंगे। जुलाई 2024 में शानदार चुनावी जीत के बाद से स्टार्मर की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। वह आर्थिक वृद्धि, सार्वजनिक सेवाओं की मरम्मत और जीवन-यापन की लागत को कम करने में संघर्ष कर रहे हैं। वह बार-बार की गई गलतियों से भी जूझ रहे हैं। इनमें पीटर मैंडेलसन को अमेरिका में राजदूत नियुक्त करने का उनका निर्णय शामिल है। मैंडेलसन जेफरी एपस्टीन के एक विवादित मित्र हैं। मई के स्थानीय चुनावों में खराब प्रदर्शन के बाद कई लेबर पार्टी के सांसदों ने स्टार्मर के इस्तीफे की मांग की।

क्या स्टार्मर पर बढ़ रहा पद छोड़ने का दबाव : स्टार्मर ने पद छोड़ने से इनकार कर दिया है, लेकिन उनके वरिष्ठ सहयोगी बदलाव लाने की कोशिश कर रहे हैं। मई में वेस स्ट्रीटिंग ने स्वास्थ्य सचिव पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि जहां हमें दूरदर्शिता की आवश्यकता है, वहां एक शून्य है। मेकरफील्ड के लेबर सांसद जोश साइमन ने बर्नहैम को संसद में लौटने का अवसर देने के लिए इस्तीफा दिया। ब्रिटेन की संसदीय प्रणाली गवर्निंग पार्टियों को

मध्यावधि में नेता बदलने की अनुमति देती है। इस प्रक्रिया में विजेता को राष्ट्रीय चुनाव की आवश्यकता के बिना प्रधानमंत्री बना दिया जाता है। लेबर नियमों के तहत, एक सांसद पार्टी के हाउस ऑफ कॉमन्स के एक-पांचवें यानी 81 सांसदों के समर्थन से नेता को चुनौती दे सकता है।

देश में नेतृत्व की दौड़ में कौन, बर्नहैम की दावेदारी कितनी मजबूत : स्ट्रीटिंग ने मंगलवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि स्टार्मर पद छोड़ने के लिए सहमत होंगे। यदि ऐसा नहीं होता है, तो एक प्रतियोगिता की आवश्यकता होगी और वह इसके लिए तैयार होंगे। स्ट्रीटिंग संसदीय सहयोगियों के बीच समर्थन आधार वाले एक आश्वस्त संचारक हैं। हालांकि, बर्नहैम को स्टार्मर का अधिक संभावित उत्तराधिकारी माना जाता है। 56 वर्षीय राजनेता को 'किंग ऑफ द नॉर्थ' उपनाम दिया गया है। उन्होंने 2017 से मैनचेस्टर का नेतृत्व किया है। इस दौरान उन्होंने शहर के तीव्र पुनरुद्धार की देखरेख की है। मैनचेस्टर वह शहर है जहां औद्योगिक क्रांति का जन्म हुआ था। बर्नहैम राष्ट्रीय स्तर पर अपने 'मैनचेस्टरवाद' को दोहराने का वादा कर रहे हैं।

स्टार्मर का रुख और देश की राजनीति में आगे की राह कैसी : ब्रिटेन के मौजूदा प्रधानमंत्री स्टार्मर ने शांत रहने और अपना काम जारी रखने की कोशिश की है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका पद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने इस सप्ताह फ्रांस में जी7 शिखर सम्मेलन में कहा कि यदि कोई चुनौती आती है तो वह लड़ेंगे। स्टार्मर ने 2024 में एक महत्वपूर्ण आम चुनाव जीता था।

उन्होंने बदलाव लाने के जनादेश का हवाला दिया। स्टार्मर ने बुधवार को स्काई न्यूज को बताया कि वह बर्नहैम को कैबिनेट पद की पेशकश कर सकते हैं। बर्नहैम के सहयोगियों ने संकेत दिया कि वह इसमें दिलचस्पी नहीं रखते। मैनचेस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रॉब फोर्ड ने कहा कि बर्नहैम के संसद में लौटने के बाद स्टारर पर दबाव का विरोध करना बहुत मुश्किल होगा। फोर्ड ने यह भी कहा कि मेकरफील्ड में रिफॉर्म यूके को हराने से बर्नहैम की लेबर की सबसे बड़ी संपत्ति होने की दावेदारी मजबूत होती है।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.